सत्यमेव जयते

नर्सों के लिए राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार

NATIONAL FLORENCE NIGHTINGALE AWARDS FOR NURSES

भारतीय उपचर्या परिषद्

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली

के तहत एक सांविधिक निकाय

INDIAN NURSING COUNCIL

a statutory body under the

Ministry of Health and Family Welfare, Government of India, New Delhi

8वां तल, एनबीसीसी सेंटर, प्लॉट नं. 2, कम्युनिटी सेंटर, ओखला फेस-1, नई दिल्ली-110020

8th Floor, NBCC Centre, Plot No. 2, Community Centre, Okhla Phase-1, New Delhi-110020

सत्यमेव जयते

मनसुख मांडविया
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण व
रसायन एवं उर्वरक मंत्री,
भारत सरकार

संदेश

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से, मैं राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार 2020 के सभी पुरस्कार विजेताओं के साथ–साथ देश के समस्त नर्सिंग समुदाय को बधाई देता हूं।

72वीं वर्ल्ड हैल्थ असेंबली में फ्लोरेंस नाइटिंगेल के 200वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में वर्ष 2020 को ''इंटरनेशनल ईयर ऑफ नर्सेज एंड मिडवाइव्स'' के रूप में मनाना घोषित किया गया था। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि वर्ष 2020 की शुरुआत घातक कोविड महामारी के साथ हुई थी, जिसने नर्सों को पूरी मानव जाति के लिए कोविड फ्रंट लाइन योद्धाओं के रूप में प्रतिष्ठित किया। उन्होंने व्यक्तिगत सुरक्षा किट तथा मास्क के पीछे लंबे समय तक रोगियों की सेवा की, अक्सर अपने परिवारों को पीछे छोड़ दिया और यहां तक कि अपने व्यवसाय के अनुरूप सर्वोच्च बलिदान भी दिया।

अंतराष्ट्रीय उपचर्या परिषद् (आईएनसी) द्वारा वर्ष 2020 के लिए थीम के रूप में **''नर्सेज : ए वॉयस टु लीड – नर्सिंग द वर्ल्ड टू हैल्थ''** को चुना गया था ताकि यह प्रदर्शित किया जा सके कि नर्स स्वास्थ्य चुनौतियों की एक विस्तृत श्रृंखला को संबोधित करने में किस प्रकार एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। नर्सों के साहस, देखभाल करने की उनकी लगन और करुणामयी व्यवहार ने पूरे वर्ष कोविड–19 से इस से इस प्रकार लड़ाई लड़ी जैसी कि पहले कभी नहीं देखी गई।

नर्स तथा दाई हमारे देश के प्रमुख स्वास्थ्य कर्मी हैं और वैयक्तिक तथा अंतर–पेशेवर टीमों के सदस्य व समन्वयक के रूप में कार्य करके स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने में उनका योगदान अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। वे जन केंद्रित देखभाल को उन समुदायों के करीब लाते हैं जहां उनकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है। सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में उनका योगदान जो कि राष्ट्रीय और वैश्विक जनादेश भी है, अत्यधिक महत्वपूर्ण है। सरकार का यह मानना है कि कुशल नर्स और दाई स्वास्थ्य देखभाल वितरण के लिए महत्वपूर्ण हैं और इसलिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा हमारे देश में नर्सिंग तथा मिडवाइफरी शिक्षा और सेवाओं में सुधार लाने के लिए पहले से ही महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। हमारे मंत्रालय ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए दाइयों के नेतृत्व वाली देखभाल को प्राथमिकता देते हुए दाई–सेवा शुरू करने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं।

मुझे यह जानकर बहुत खुशी हो रही है कि इस वर्ष पुरस्कारों की संख्या 35 से बढ़ाकर 51 कर दी गई है। मैं देश के 51 नर्सिंग कर्मियों को विभिन्न पारिस्थितिक तंत्रों में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कारों के साथ बधाई देता हूं। पुरस्कार विजेताओं ने अपने सराहनीय कार्य और निःस्वार्थ सेवा से पूरे नर्सिंग समुदाय और राष्ट्र को गौरवान्वित किया है, जो कि बहुमूल्य होने के साथ–साथ सम्माननीय भी है। मुझे पूरी उम्मीद है कि इससे सभी नर्सिंग कर्मियों को राष्ट्र की सेवा करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा तथा साथ ही प्रेरित भी होंगे और एक स्वस्थ राष्ट्र बनाने के लिए अपने परिवेश और समुदाय को प्रभावित करने वाले कार्यों का प्रदर्शन करके प्रेरणा बनेंगे।

(मनसुख मांडविया)

सत्यमेव जयते

Mansukh Mandaviya

Union Minister for Health & Family Welfare
and Chemicals & Fertilisers,
Government of India

MESSAGE

On behalf of the Ministry of Health & Family Welfare, I would like to congratulate all the nursing fraternity of our country and compliment all the awardees of the National Florence Nightingale Award 2020.

The 72nd World Health Assembly had designated 2020 as the International Year of the Nurse and Midwife to commemorate Florence Nightingale's 200th birthday. As we are all aware that the year 2020 heralded the deadly COVID pandemic that showcased the nurses as COVID frontline warriors for the whole of mankind, serving long hours behind Personal Protective kits and masks, often leaving behind their families and even making supreme sacrifices in line with their profession.

The theme for the year 2020 by International Council of Nurses (ICN) was aptly chosen as **"Nurses: A Voice to Lead – Nursing the World to Health"** to demonstrate how nurses are central to addressing a wide range of health challenges. The courage, caring and compassion of nurses collided with COVID- I9 in a year like no other.

Nurses and midwives are the major health workforce in our country and are critical in strengthening the health systems by acting both as individuals and as members and coordinators of inter-professional teams. They bring people centric care closer to the communities where they are needed the most. Their contribution in achieving Universal Health Coverage (UHC) and Sustainable Development Goals (SDGs) which are national and global mandate, is highly significant. The Government recognizes that skilled nurses and midwives are critical to health care delivery and therefore Ministry of Health & Family Welfare has already taken significant steps for improvements in nursing and midwifery education and services in our Country. Our Ministry has brought out guidelines for rolling out midwifery services, prioritizing Midwifery led care to promote maternal and child health.

It gives me immense happiness in noting that this year the number of awards has been increased from 35 to 51. I feel privileged in congratulating 5l nursing personnel from across the country with the National Florence Nightingale Awards for delivering outstanding services across different settings. The awardees have made the entire fraternity and the Nation proud with their commendable work and selfless service and it is deeply valued and acknowledged. I earnestly hope that all nursing personnel will be encouraged and motivated to serve the nation and become inspirations by demonstrating actions that can influence their surroundings and communities to create a healthier nation.

(Mansukh Mandaviya)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

डॉ. भारती प्रविण पवार

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री
भारत सरकार

सत्यमेव जयते

सर्वेसन्तु निरामया

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

संदेश

''खुद को खोजने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप खुद को दूसरों की सेवा में समर्पित कर दें।'' – महात्मा गांधी। ये पंक्तियां हमारी नर्सिंग बिरादरी द्वारा राष्ट्र को दी जाने वाली सेवाओं के लिए पूरी तरह से उपयुक्त हैं।

आधुनिक नर्सिंग की संस्थापिका – ''लेडी विद द लैंप'' फ्लोरेंस नाइटिंगेल के जन्म की 200वीं वर्षगांठ मनाने के लिए वर्ष 2020 को 'इंटरनेशनल ईयर ऑफ नर्स एंड मिडवाइफ' के रूप में घोषित किया गया था। मुझे भारत की संपूर्ण नर्सिंग बिरादरी को स्वास्थ्य सेवा और समग्र रूप से समाज में उनके योगदान के लिए शुभकामनाएं देते हुए बहुत खुशी हो रही है।

अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस 2020 की थीम **''नर्सेज : ए वॉयस टु लीड – नर्सिंग द वर्ल्ड टू हैल्थ''** दुनिया के लोगों के लिए नर्सों के वास्तविक मूल्य पर केंद्रित है। वर्ष 2020 में, वास्तव में नर्सों के साथ–साथ सभी स्वास्थ्य देखभाल कर्मी कोरोना योद्धाओं के रूप में सबसे अग्रिम पंक्ति में आकर खड़े हो गए हैं और यह बिल्कुल साफ हो गया है कि एक महामारी के दौरान स्वास्थ्य चुनौतियों की एक विस्तृत श्रृंखला को संबोधित करने के लिए किस प्रकार नर्सों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मुझे पूरा विश्वास है कि भारत सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की प्राप्ति की दिशा में एक मिशन मोड में काम करेगा। मुझे यह बताते हुए बहुत हर्ष हो रहा है कि अपनी ईमानदारी, समर्पण तथा निःस्वार्थ सेवा के साथ स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणाली को मजबूत बनाने में नर्सों का योगदान अनुकरणीय रहा है।

आज, इस अवसर पर, हम उन सभी नर्सों को नमन करते हैं जो लोगों का जीवन बचाने और रोगियों के स्वास्थ्य की देखभाल सुनिश्चित करने के लिए हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देती हैं। मैं भारत के नर्सिंग समुदाय का दिल से आभार व्यक्त करना चाहती हूं, जो हमें सुरक्षित रखने के लिए कोविड योद्धाओं के रूप में दिन–रात काम कर रहे हैं। मेरा दृढ़ विश्वास है कि उत्तरदायी, कुशल और पर्याप्त स्वास्थ्य कार्यबल एक कार्यात्मक स्वास्थ्य प्रणाली के मुख्य घटकों में से एक है और नर्स तथा दाई आवश्यक स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के वितरण में एक अनिवार्य भूमिका निभाते हैं। मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि नर्सों का हित मेरे दिल के बहुत करीब है और मैं अपनी सभी क्षमताओं में नर्सों को उनके सभी कार्यों में समर्थन देना जारी रखूंगी।

मुझे वर्ष 2020 के राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार के 51 पुरस्कार विजेताओं, जिनके उत्कृष्ट योगदान को भारत सरकार द्वारा मान्यता दी जा रही है, को बधाई देते हुए बेहद खुशी हो रही है। मुझे उम्मीद है कि ये पुरस्कार देश के सभी नर्सिंग कर्मियों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे। एक बार फिर पूरे नर्सिंग समुदाय को बधाई।

(डॉ. भारती प्रविण पवार)

Dr. Bharati Pravin Pawar

Minister of State for Health & Family Welfare
Government of India

MESSAGE

“The best way to find yourself is to lose yourself in the service of others.” - Mahatma Gandhi. These lines are completely appropriate for the services rendered by our nursing fraternity to the nation.

The year 2020 was declared as the International Year of the Nurse and Midwife to commemorate the 200th anniversary of the “Lady with the Lamp” Florence Nightingale’s birth – the Founder of Modern Nursing. It gives me immense pleasure to offer complements to entire nursing fraternity of India for their contribution in healthcare and society as a whole.

The theme of International Nurses Day 2020 was **“Nurses – A voice to lead: Nursing the World to Health”** focusing on the true value of nurses to the people of the world. The year 2020 truly brought healthcare workers including nurses to forefront as Corona Warriors and demonstrated how nurses are central to addressing a wide range of health challenges during a pandemic.

I am confident that India will work in a mission mode towards the attainment of Universal Health Coverage (UHC) and Sustainable Development Goals (SDG). I feel very delighted to place on record that the contribution of nurses in strengthening healthcare delivery system with their sincerity, dedication and selfless service has been exemplary.

Today, on the occasion, we pay tribute to all nurses who give their best every day to save lives and ensure healthcare of patients. I would like to extend heartfelt gratitude to the nursing fraternity of India who as our COVID warriors are working day and night to keep us protected. I strongly believe that responsive, efficient and adequate health workforce is one of the core components of a functional health system and nurses & midwives play an indispensable role in the delivery of essential healthcare services. I would like to reinforce that interest of nurses are close to my heart and I will continue to support nurses in all their causes in all my capabilities.

I am extremely happy to congratulate the 51 awardees of National Florence Nightingale Award for the year 2020 whose outstanding contributions are being recognized by the Government of India. I hope that the award will remain a source of inspiration for all the nursing professionals and other healthcare professionals in the country. Once again congratulations to entire nursing community.

(Dr. Bharati Pravin Pawar)

राजेश भूषण

सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग,
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

संदेश

दुनिया यकीनन कोरोना वायरस महामारी के रूप में सबसे बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट से गुजर रहा है। इस परीक्षा की घड़ी में परिचारक गण स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के लिए रीढ़ की हड्डी साबित हुए हैं। स्वास्थ्य कर्मियों की कुल संख्या की लगभग दो तिहाई संख्या नर्सों और दाइयों की है और ये प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक देखभाल संस्थानों में रोगों की रोकथाम, स्वास्थ्य को बढ़ावा देने, रोगों के उपचार और पुनर्वास सेवाओं की एक विस्तृत विविधता प्रदान करते हैं।

सों द्वारा समाज में किए गए योगदान को पहचान प्रदान करने के उद्देश्य से हर वर्ष 12 मई को दुनिया भर में अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस मनाया जाता है। फ्लोरेंस नाइटिंगेल की 200वीं जयंती के उपलक्ष्य में वर्ष 2020 को ''इंटरनेशनल ईयर ऑफ नर्सेज एंड मिडवाइव्स'' के रूप में घोषित किया गया था।

आधुनिक नर्सिंग पेशे की स्थापना में नाइटिंगेल के स्थायी योगदान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सार्वजनिक स्वास्थ्य, अस्पताल की डिजाइनिंग और नर्सिंग शिक्षा को औपचारिक रूप देने में उनका योगदान नर्सिंग व्यवसाय के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण रहा है। पर्याप्त प्रशिक्षण, अनुभव और दक्षताओं के साथ नर्स एवं दाई वैयक्तिक, पारिवारिक तथा समुदायिक स्तर पर प्रभावी और व्यापक स्वास्थ्य सेवा प्रदान कर सकते हैं। वे राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में भी प्रभावी रूप से भाग ले सकते हैं और राष्ट्रीय स्वास्थ्य लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। मैं, अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर देश की प्रत्येक नर्स को बधाई प्रेषित करता हूं।

यह सर्वविदित है कि पूरी दुनिया में बड़ी संख्या में स्वास्थ्य कार्यकर्ता, जिनमें नर्सें भी शामिल हैं, कोविड–19 महामारी से प्रभावित हुए हैं। इसके बावजूद, नर्स पूरे दृढ़ संकल्प के साथ इस बीमारी को फैलने से रोकने के लिए सतत् संघर्ष कर रही हैं। मैं, इस पुस्तिका के माध्यम से भारत के इन योद्धाओं की सराहना करता हूं जो 'स्वस्थ भारत' के निर्माण में एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में खड़े हैं और इस बात की पुष्टि करते हैं कि नर्सों में स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में सुधार लाने की जबरदस्त क्षमता विद्यमान है।

मुझे यह जानकर खुशी हो रही है कि 51 उत्कृष्ट नर्सिंग कर्मियों को उनके द्वारा प्रदान की गई मेधावी सेवाओं को पहचानने और सम्मानित करने के लिए राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है। मुझे विश्वास है कि नर्सिंग सेवाएं अपनी पूरी क्षमता के साथ आगे बढ़ती रहेंगी और मानवता की बेहतरी के लिए स्थायी योगदान प्रदान करेंगी। मैं इस अवसर पर अपने सभी पुरस्कार विजेताओं को उनके असाधारण और अथक प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

(राजेश भूषण)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

सत्यमेव जयते

Rajesh Bhushan

Secretary, Department of Health & Family Welfare,
Ministry of Health & Family Welfare, Government of India

MESSAGE

The world is witnessing arguably the biggest public health crisis in the form of Coronavirus pandemic. During these testing times, Nurses have proven to be the backbone of the health care system. Nurses and midwives form nearly two third of the health workforce and provide a wide range of services in Primary, Secondary, and Tertiary care settings, from prevention of illnesses, promotion of health, to treatment of diseases and rehabilitation.

International Nurses Day is celebrated around the world on 12th May every year to mark the contributions, nurses make to the society. The year 2020 was declared as the International year of the Nurse and Midwife to commemorate the 200th birth anniversary of Florence Nightingale.

Nightingale's lasting contribution has been her role in founding the modern nursing profession. Her contribution towards public health, hospital designing and formalising nursing education were highly significant to nursing profession. Nurses and midwives with adequate training, experience and competencies, can provide effective and comprehensive healthcare to individuals, families and communities. They can also effectively participate in national health programs and meet the national health targets. I congratulate each and every nurse on International Nurses Day.

It is known that a large number of health workers including nurses worldwide have been affected by COVID-19 & despite this, nurses continue to fight to control the spread of this disease with complete determination. I take this platform to appreciate these warriors of India who are an important pillar of healthy India and reaffirm that nurses have tremendous potential to improve health care system.

I am happy to know that 51 nursing personnel are being awarded the National Florence Nightingale awards to recognize and honour the meritorious services rendered by these outstanding nursing personnel. I am sanguine that nursing services will continue to grow to their full potential and would make a lasting contribution to Humanity. I take this opportunity to wish all our awardees for their extraordinary and untiring efforts.

(Rajesh Bhushan)

सत्यमेव जयते

डॉ. टी. दिलीप कुमार

अध्यक्ष, भारतीय उपचर्या परिषद्, नई दिल्ली

संदेश

नर्सें हमारे देश की शहरी तथा ग्रामीण स्वास्थ्य देखभाल वितरण प्रणाली में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। स्वास्थ्य संवर्धन, रोगों की रोकथाम, उपचार, देखभाल, पुनर्वास, स्वास्थ्य साक्षरता और रोगी सुरक्षा में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। नर्सिंग वर्तमान में स्वास्थ्य क्षेत्र का सबसे बड़ा व्यावसायिक समूह है, जो कि कुल स्वास्थ्य कर्मियों का लगभग 59 प्रतिशत है।

कोविड–19 के कारण फैली महामारी ने प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में नर्सों की अमूल्य सेवा को उजागर कर दिया है। पिछले दो वर्ष के दौरान, अत्यधिक सक्षम नर्सिंग कर्मियों ने वैयक्तिक सुरक्षा किट और मास्क पहनकर, अपने परिवारों को पीछे छोड़कर, अक्सर मानवता की देखभाल के लिए अपनी जान जोखिम में डालकर घातक स्वास्थ्य देखभाल परिस्थितियों में अग्रिम पंक्ति में मौजूद रहकर अथक कार्य किया है। इतनी बड़ी आबादी वाले हमारे देश के सभी राज्यों में टीकाकरण का इतना कवरेज नर्सों के समर्पण और कर्तव्यपरायणता के बिना संभव नहीं हो सकता था।

वर्ल्ड हैल्थ असेंबली में आधुनिक नर्सिंग की संस्थापिका फ्लोरेंस नाइटिंगेल के 200वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में वर्ष 2020 को ''इंटरनेशनल ईयर ऑफ नर्सेज एंड मिडवाइव्स'' के रूप में मनाना घोषित किया गया था। अंतराष्ट्रीय उपचर्या परिषद् (आईएनसी) द्वारा वर्ष 2020 के लिए थीम के रूप में **''नर्सेज : ए वॉयस टु लीड – नर्सिंग द वर्ल्ड टू हैल्थ''** को चुना गया था ताकि यह प्रदर्शित किया जा सके कि नर्स स्वास्थ्य चुनौतियों की एक विस्तृत श्रृंखला को संबोधित करने में किस प्रकार एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। नर्सों के साहस, देखभाल करने की उनकी लगन और करुणामयी व्यवहार ने पूरे वर्ष कोविड–19 से इस से इस प्रकार लड़ाई लड़ी जैसी कि पहले कभी नहीं देखी गई।

भारत सरकार और भारतीय उपचर्या परिषद् ने पिछले कुछ वर्ष में भारत में नर्सिंग शिक्षा और उसकी गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इन पहलों में नर्स प्रैक्टिशनर इन मिडवाइफरी तथा नर्स प्रैक्टिशनर इन क्रिटिकल केयर जैसे नर्स प्रैक्टिशनर कार्यक्रम, नेशनल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी ड्राफ्ट बिल और नया योग्यता आधारित बी.एससी. (नर्सिंग) पाठ्यक्रम शामिल हैं। कई आवासीय कार्यक्रम भी शुरू किए गए हैं ताकि नर्सिंग समुदाय कार्य करते–करते जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी से परे विशेषज्ञता का प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें। नर्सिंग संकाय और छात्रों को अत्याधुनिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए भारतीय उपचर्या परिषद् ने दिल्ली राजधानी क्षेत्र में नेशनल रिफरेंश सिमुलेशन सेंटर भी स्थापित किया है। मध्य–स्तरीय स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता पाठ्यक्रम का बी.एससी. (नर्सिंग) पाठ्यक्रम में सम्मिलन सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को आयुष्मान भारत पहल के तहत नए रूपांतरित स्वास्थ्य तथा कल्याण केंद्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल दलों का नेतृत्व करने में सक्षम बनाएगा।

आज राष्ट्र उन उत्कृष्ट नर्सिंग कर्मियों को सम्मानित कर रहा है जो स्वास्थ्य समुदाय को मजबूत रखते हैं। मुझे आशा है और साथ ही पूरा विश्वास है कि राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार, जो पुरस्कार विजेताओं की विशेषज्ञता के विशाल क्षेत्रों को उजागर करते हैं, तथा वास्तव में देखा जाए तो पूरे जीवनकाल में केवल एक बार आने वाला अनुभव है, इस बहुत महत्वपूर्ण व्यवसाय को मान्यता देने में मदद करेंगे और भविष्य की नर्सिंग पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे। मुझे पूर्ण विश्वास है कि नर्सिंग सेवाएं अपनी पूरी क्षमता के साथ बढ़ती रहेंगी और इस अवसर पर हम अपने सभी पुरस्कार विजेताओं को उनके असाधारण और अथक प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देते हैं। मैं सभी प्रत्येक पुरस्कार विजेताओं को बधाई देता हूं और उन्हें तथा उनके परिवारों को शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(डॉ. टी. दिलीप कुमार)

सत्यमेव जयते

Dr. T. Dileep Kumar

President, Indian Nursing Council, New Delhi

MESSAGE

Nurses play a pivotal role in urban and rural Health Care delivery system of our country. Their role in health promotion, disease prevention, treatment, care, rehabilitation, health literacy & patient safety is crucial. Nursing is currently the largest occupational group in health sector, accounting for almost 59% of health professionals.

The COVID-19 induced pandemic has highlighted the invaluable service of Nurses to each and everyone. During the last two years, highly competent nursing professionals present at the front line of acute health care settings have worked tirelessly, donning personal protective kits and masks, leaving behind their families, often risking their lives to care for humanity. The level of immunisation coverage across the States in a populous country like ours, would not have been possible without its dedicated and passionate nurses.

The World Health Assembly designated 2020 as the International Year of the Nurse and Midwife to honour the 200th birth anniversary of Florence nightingale who is the founder of the modern nursing. The theme for the year 2020 by International Council of Nurses (ICN) was aptly chosen as "***Nurses: A Voice to Lead – Nursing the World to Health"*** to demonstrate how nurses are central to addressing a wide range of health challenges. The courage, caring and compassion of nurses collided with COVID 19 in a year like no other.

The Government of India & Indian Nursing Council have rolled out significant measures in the last few years to improve education & quality of Nursing in India. These initiatives include a nurse practitioner program (Nurse Practitioner in Midwifery & Nurse Practitioner in Critical care), National Nursing and Midwifery draft bill & new competency based B.Sc. (Nursing) syllabus. Residency programs have been added to allow nurses to start specializing beyond General Nursing & Midwifery while they 'Learn and Earn'. INC has also set up National Reference Simulation Centre in Delhi, NCR to provide State of the Art training to nursing faculty & students. The integration of mid level health care provider syllabus into BSc Nursing will enable Community Health Officers to lead primary health care teams at the newly transformed Health and Wellness Centres under the Ayushman Bharat Initiative.

Today, the nation is honouring those distinguished nursing personnel who keep the health community running strong. It is my hope and belief that presentation of National Florence Nightingale Awards which highlight vast areas of expertise of awardees, indeed often a lifetime of experiences, will help in recognition of this very important profession and will continue to inspire future nursing generations. I am sanguine that nursing services will continue to grow to their full potential and take this opportunity to wish all our awardees for their extraordinary and untiring efforts. I congratulate each and everyone of the Awardees and wish them and their families all the best.

(Dr. T. Dileep Kumar)

अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस 2020

12 मई, 2020

फ्लोरेंस नाइटिंगेल

12 मई, 1820 – 13 अगस्त, 1910

12 मई को दुनिया भर में हर वर्ष फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती के अवसर पर उनकी निःस्वार्थ सेवा और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली, अस्पतालों की अभिकल्पना, स्वास्थ्य देखभाल, सांख्यिकी तथा नर्सिंग शिक्षा के औपचारीकरण में नर्सिंग साइंस को समाविष्ट करके, इनमें सामाजिक सुधार लाने में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए "अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस" मनाया जाता है। समाज, स्वास्थ्य देखभाल और नर्सिंग में उनके योगदान के लिए फ्लोरेंस नाइटिंगेल को आधुनिक नर्सिंग क्षेत्र के श्रद्धेय पथ–प्रदर्शक के रूप में देखा जाता है।

प्रारंभिक जीवन

फ्लोरेंस नाइटिंगेल का जन्म 12 मई 1820 को इटली में विक्टोरियन युग के एक धनाढ्य परिवार में हुआ था। वह एडवर्ड और फ्रांसिस नाइटिंगेल की दो बेटियों में से छोटी बेटी थीं। नाइटिंगेल के समृद्ध ब्रिटिश परिवार की गिनती संभ्रांत समाज में की जाती थी। फ्लोरेंस नाइटिंगेल बचपन से ही बहुत बुद्धिमान थीं और उनके पिता ने उन्हें रसायन शास्त्र, गणित, सांख्यिकी, जर्मन, फ्रेंच और इतालवी के साथ–साथ शास्त्रीय शिक्षा भी दिलवाई। बचपन से ही, वह पड़ोसी गांव में बीमार और गरीब लोगों की सेवा करने जैसे परोपकारी कार्यों में सक्रिय रहती थीं। 16 वर्ष की उम्र में ही उनको यह बात समझ आ गई थी कि नर्सिंग ही उनके लिए सर्वोत्तम कार्यक्षेत्र है और उन्होंने इसे ही अपना उत्कृट उद्देश्य मान लिया।

जब नाइटिंगेल ने अपने माता–पिता को नर्स बनने की अपनी महत्वाकांक्षा के बारे में बताया, तो वे खुश नहीं हुए बल्कि उन्हें नर्स बनने से हतोत्साहित किया। उन जैसे संभ्रांत परिवार की एक युवती को नर्स नहीं बनना चाहिए, क्योंकि इसे एक तुच्छ कार्य माना जाता था। लेकिन उनका मानना था कि केवल ज्ञान और निपुणता का प्रयोग करके ही वह सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार लाने में मदद कर सकती हैं। असाधारण साहस और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने नर्सिंग को ही अपनी जीवन–वृत्ति चुना और जर्मनी से नर्सिंग का प्रशिक्षण लिया।

क्रीमिया की जंग के दौरान उनकी एक नर्स के रूप में सेवा

1850 के दशक की शुरुआत में, नाइटिंगेल लंदन लौट आईं और बीमार प्रशासिकाओं की देखभाल के

INTERNATIONAL NURSES DAY 2020

12th May, 2020

FLORENCE NIGHTINGALE

12th May, 1820 – 13th August, 1910

International Nurses Day is celebrated every year worldwide on 12th May, the birth anniversary of Florence Nightingale to commemorate her selfless service and significant contributions towards public health, hospital designing, social reforms towards improving health care, statistics and formalization of nursing education incorporating the science of nursing. In view of her contributions to society, health care and nursing, Florence Nightingale is acknowledged and revered as the pioneer of modern nursing.

Early Life

Florence Nightingale was born in Italy on the 12th May in 1820. She was the younger of two daughters, born to Edward and Frances Nightingale, a wealthy family during the Victorian era. Nightingale's affluent British family belonged to elite social circles. Florence Nightingale was an intelligent child and her father provided her with classical education including studies in chemistry, mathematics, and statistics, German, French and Italian. From a very young age, she was active in philanthropy, ministering to ill and poor people in the neighboring village. By 16 years of age, it was clear to her that nursing was her calling and she believed it to be her divine purpose.

When Nightingale approached her parents and told them about her ambition to become a nurse, they were not pleased and discouraged her to pursue nursing. A young lady of their social structure will not take up nursing, which was considered as menial labor. But she recognized that only with knowledge and skill, could she help improve public health. Showing great courage and determination, she followed her calling and got trained as a nurse from Germany.

लिए मिडलसेक्स अस्पताल में नर्स के तौर पर कार्य करना शुरू किया। उनके प्रदर्शन से प्रसन्न होकर नियोक्ताओं ने एक वर्ष के अंदर ही उनकी पदोन्नति नर्सिंग अधीक्षक के रूप में कर दी। उन्होंने नर्सिंग देखभाल, कार्य संचालन की परिस्थितियों और अस्पताल की कार्यक्षमता में सुधार लाकर एक प्रशासक के रूप में अपनी निपुणता का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया।

क्रीमिया की जंग के दौरान, ब्रिटिश सरकार के तत्कालीन युद्ध सचिव ने उन्हें क्रीमिया में घायल हुए बीमार सैनिकों की देखभाल करने के लिए नर्सों का एक दल तैयार करने के लिए एक पत्र लिखा था। नाइटिंगेल ने भिन्न–भिन्न धार्मिक विचारधाराओं को मानने वाली 34 नर्सों के एक दल को तुरंत एकत्रित किया और उनके साथ क्रीमिया के लिए निकल पड़ीं। ब्रिटिश बेस अस्पताल स्कुटारी पहुंचने पर, उन्होंने पाया कि अस्पताल में साफ–सफाई की हालत बहुत खराब है, बुनियादी जरूरत की चीजों की कमी है, रोगियों की संख्या बहुत अधिक है जिन्हें गिचपिच तरीके से रखा हुआ है, और अधिकतर सैनिकों की मौत हैजा (कॉलरा) एवं मियादी बुखार (टाइफाइड) जैसी संक्रामक बीमारियों के कारण हो रही है।

उन्होंने अपने साथ गई नर्सों के साथ मिलकर अस्पताल चलाने का कार्यभार अपने हाथों में ले लिया। रोगियों के कक्षों (वार्ड्स) की साफ–सफाई की गई, देखभाल के स्तर को बेहतर बनाया गया, और उनकी ज़हनी जरूरतों को पूरा करने के साथ–साथ पर्याप्त भोजन सामग्री की व्यवस्था की गई। शाम को वह रोगियों से मिलने जाने के लिए अंधेरे गलियारों से गुजरते वक्त एक लैंप लेकर चलती थीं और एक के बाद एक सभी रोगियों की सेवा–सुश्रषा करती थीं। संवेदनापूर्वक उनकी देखभाल करने के कारण सैनिक उन्हें ''लेडी विद द लैंप'' के नाम से पुकारने लगे थे। उनके कार्य करने के तरीके से अस्पताल में मृत्यु दर कम होकर पहले के मुकाबले एक–तिहाई हो गई थी। अस्पताल की साफ–सफाई में सुधार लाने के अलावा, उन्होंने रोगियों के लिए रसोईघर, कपड़े धोने के लिए लांड्री, पुस्तकालय और अध्ययन–कक्ष जैसी कई सुविधाओं की शुरुआत की जिसके चलते देखभाल की गुणवत्ता में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से काफी सुधार आया। क्रीमिया से वापस लौटने के बाद, उन्होंने धन जुटाया, और उससे लंदन के सेंट थॉमस अस्पताल में एक नर्सिंग स्कूल की स्थापना की। उन्होंने अपने जीवन के उत्तरार्ध को पूर्णतः नर्सों के पढ़ाने और नर्सिंग पेशे के मानकीकरण के लिए समर्पित कर दिया था। वह अस्पतालों में रोजगार के अवसर ढूंढ़ने वाली नर्सों को प्रशिक्षण देने का कार्य भी करती थीं।

नर्सिंग पर नाइटिंगेल का प्रभाव (समाज सुधारक, दूरदर्शी अधिनायक और सलाहकार)

वह एक समाज सुधारक और दूरदर्शी अधिनायक थीं, जिन्होंने बहुत बड़े परिपेक्ष्य की परिकल्पना की थी और उन्होंने नर्सिंग क्षेत्र में परिवर्तन लाने के लिए घिसी–पिटी पद्धति से बाहर निकलकर कार्य किया। उन्होंने ब्रिटिश सेना के अस्पतालों में स्वास्थ्य, कार्यकुशलता और उनके प्रबंधन को प्रभावित करने वाले कारणों और खराब परिस्थितियों में चल रहे अन्य सैन्य अस्पतालों में सुधार लाने के लिए बहुत से नोट्स लिखे। सुधारों पर अपनी राय को सभी तक पहुंचाने के लिए, उन्होंने दो किताबें, ''नोट्स ऑन हॉस्पिटल'' और ''नोट्स ऑन नर्सिंग'' भी प्रकाशित कीं।

सरकार में उनके अपने संपर्कों के जरिए उनकी बुलंद आवाज़ ने कई महत्वपूर्ण स्वास्थ्य मुद्दों पर एक प्रभावी पक्षसमर्थक का कार्य किया और वह सार्वजनिक नीतियों को प्रभावित करते हुए सकारात्मक स्वास्थ्य सुधार हासिल करने में सफल रहीं। एक भावुक सांख्यिकीविद् के रूप में, उन्होंने व्यापक अनुसंधान और विश्लेषण किए और अस्पतालों की स्वच्छता, प्रबंधन एवं अभिकल्पना, और गरीबों के लिए दाइयों (मिडवाइफरी) तथा स्वास्थ्य देखभाल पर 200 से अधिक रिपोर्ट प्रकाशित कीं। वह सांख्यिकीय ग्राफिक्स में अग्रणी थीं और उन्हें पाई चार्ट का एक प्रारूप विकसित करने का श्रेय दिया जाता है जिसे अब एक आधुनिक वृत्ताकार हिस्टोग्राम (मॉडर्न सरकूलर हिस्टोग्राम) के समतुल्य ध्रुवीय क्षेत्र आरेख (पोलर एरिया डायग्राम) के रूप में जाना जाता है।

नाइटिंगेल ने उन महत्वपूर्ण विचारों को व्यक्त किया जो आज के युग में भी नर्सिंग के लिए महत्वपूर्ण हैं जैसे मान्यताएं, दूरदर्शिता और अभिव्यक्ति। उनकी कार्यशैली जीवनपर्यन्त उनकी दृढ़ मान्यताओं से प्रभावित रही। उन्होंने नर्सिंग की परिकल्पना लोगों के जीवन में मददगार के रूप में की थी और नर्सों की सत्यनिष्ठा

Service as a Nurse/Crimean War

In the early 1850s, Nightingale returned to London and took a nursing job in a Middlesex hospital for ailing governesses. Her performance impressed the employer and she was promoted as nursing superintendent within a year. She successfully displayed her skills as an administrator by improving nursing care, working conditions and efficiency of the hospital.

During the Crimean war, the then secretary of war from British government wrote to her to organize a corps of nurses to tend to the sick and wounded soldiers in Crimea. Nightingale quickly assembled a team of 34 nurses from a variety of religious orders and sailed with them to Crimea. On her arrival at Scutari, the British base hospital, she discovered the poor sanitary conditions of the hospital, lack of basic supplies, overcrowding and more soldiers dying from infectious diseases like cholera and typhoid.

She and her nurses took over the running of the hospital. The wards were cleaned, standards of care were established, and adequate food was provided alongside meeting their psychological needs. In evenings, she moved through dark hallways carrying a lamp while making her rounds, ministering to patient after patient. The soldiers comforted by her compassion called her 'Lady with the Lamp'. Her work reduced hospital's death rate by two thirds. Besides improving the sanitary conditions of the hospital, she created a number of patient services such as kitchen, laundry, library and classroom that have directly and indirectly contributed to the quality of care. After she returned from Crimea, she raised funds with which, she had established a school of nursing at St. Thomas hospital in London. She dedicated her later years to teaching and standardizing nursing profession. She was also involved in training nurses for employment in workhouses.

Nightingale's influence on Nursing (Social Reformer, Visionary Leader and Advocate)

She was a social reformer. She was a visionary leader and saw the big picture and went outside the system to enact change. She wrote notes on matters affecting health, efficiency, hospital administration of British army and proposing reforms for other military hospitals operating under poor conditions. To spread her opinions on reforms, she published two books, Notes on Hospitals and Notes on Nursing.

Her voice was strong and served as an effective advocate on a number of important health issues, through her contacts in the government. She influenced public policy and achieved positive health care reforms. As a passionate statistician, she conducted extensive research and analysis and published over 200 reports on hygiene, hospital administration and design, and midwifery and health care for the poor. She was a pioneer in statistical graphics and is credited with developing a form of pie chart now known as the polar area diagram equivalent to a modern circular histogram.

Nightingale personified many of the important ideas that are crucial to nursing today namely values, vision and voice. Her strong values influenced her work through out her life. She saw nursing as helping people to live and promoted the importance of nurses' integrity. Her vision completely changed society's

के महत्व को बढ़ावा दिया। उनकी दूरदर्शिता ने नर्सिंग की तरफ समाज के दृष्टिकोण को पूरी तरह से बदल दिया। वह स्वास्थ्य देखभाल में नर्सों के अमूल्य योगदान को भलीभांति समझती थीं। वह व्यक्तिगत देखभाल की हिमायती थीं और उनका मानना था कि रोगी के स्वास्थ्य लाभ के लिए उसकी जरूरतों के प्रति संवेदनशील होना आवश्यक है। उनका मत था कि किसी भी व्यक्ति के स्वास्थ्य लाभ के लिए, उसके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य, दोनों की देखभाल करना आवश्यक है।

जिसका प्रभाव आज तक जारी है!!

बाद का जीवन

क्रीमिया में बुखार आने के बाद नाइटिंगेल का अधिकांश जीवन गंभीर रूप से बीमारी में गुजरा। फिर भी वह व्यावसायिक रूप से सक्रिय रहीं। मेफेयर में रहते हुए, वह राजनेताओं के साक्षात्कार और प्रतिष्ठित आगंतुकों का स्वागत करते हुए स्वास्थ्य देखभाल सुधार की विशेषज्ञ और अधिवक्ता बनी रहीं। यद्यपि वह कभी भी भारत नहीं आईं, फिर भी उन्होंने भारत में सैन्य और नागरिक दोनों क्षेत्रों में सार्वजनिक स्वच्छता के मुद्दों पर अधिकारपूर्वक कार्य किया। खराब स्वास्थ्य के बावजूद, जिसने उन्हें अशक्त बना दिया था, उन्होंने 90 वर्ष की उम्र में अपनी मृत्यु तक अथक कार्य किया।

सम्मान, प्रशंसा और विरासत

नाइटिंगेल को आम सैनिकों के रक्षक, नर्सिंग सुधारों के वैचारिक रहनुमा और एक अग्रणी समाज सुधारक के लिए बहुत से सम्मानों और प्रशंसापत्रों से नवाज़ा गया। वर्ष 1908 में, उन्हें किंग एडवर्ड द्वारा ''मेरिट आफ ऑनर'' और ''फ्रीडम ऑफ द सिटी ऑफ लंदन'' से सम्मानित किया गया। उन्हें ''जर्मन ऑर्डर ऑफ द क्रॉस ऑफ मेरिट'' और ''फ्रेंच गोल्ड मेडल ऑफ सिकॅर्स ॲक्स ब्लॅसेज मिलिटॅरिस'' से भी सम्मानित किया गया। वर्ष 1859 में, उन्हें रॉयल स्टेटिस्टिकल सोसाइटी की पहली महिला सदस्य चुना गया और बाद में वह अमेरिकन स्टेटिस्टिकल एसोसिएशन की मानद सदस्य बनीं।

मूल 'नाइटिंगेल ट्रेनिंग स्कूल फॉर नर्सेज' के स्थान पर अब फ्लोरेंस नाइटिंगेल संग्रहालय विद्यमान है, जिसमें ''एंजेल ऑफ द क्रीमिया'' और ''लेडी विद द् लैंप'' के जीवन और आजीविका से संबंधित 2000 से अधिक कलाकृतियां उनकी याद में प्रदर्शित की गई हैं। उनके उदाहरण के स्वरूप, उच्चवर्गीय समाज भी अब नर्सिंग को एक सम्माननीय व्यवसाय के रूप में देखने लगा है।

अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस का इतिहास

नर्स दिवस के प्रस्ताव की घोषणा सर्वप्रथम वर्ष 1953 में अमेरिका के स्वास्थ्य, शिक्षा और कल्याण विभाग के एक अधिकारी श्री डॉरॅथी सॅदरलेंड द्वारा की गई थी। लेकिन, अंतर्राष्ट्रीय उपचर्या परिषद् (आईसीएन) ने नर्स दिवस केवल वर्ष 1965 से मनाना शुरू किया था। वर्ष 1974 में, अंतर्राष्ट्रीय उपचर्या परिषद् द्वारा अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस मनाने के लिए 12 मई का दिन चुना गया, क्योंकि इस दिन फ्लोरेंस नाइटिंगेल का जन्मदिवस था। अंतर्राष्ट्रीय उपचर्या परिषद् हर वर्ष एक विषय (थीम) का चयन करती है और दुनिया भर में नर्सों की गतिविधियों को उस विषय की ओर संचालित करती है। इस अवसर पर, अंतर्राष्ट्रीय उपचर्या परिषद् हर वर्ष शैक्षणिक और सार्वजनिक सूचना किट तैयार कर पूरे विश्व में नर्सों के उपयोग के लिए वितरित करती है।

नर्स और 'सबका स्वास्थ्य'

'सबका स्वास्थ्य' का अर्थ है कि स्वास्थ्य को प्रत्येक देश के हर प्राणी की पहुंच तक लाना है। 'सबका स्वास्थ्य' की अभिकल्पना को हकीकत बनाने के लिए, वैयक्तिक और सामुदायिक स्तर पर उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं तक सभी की पहुंच होनी चाहिए ताकि वे अपने स्वयं के और अपने परिवार के स्वास्थ्य की देखभाल करने में सक्षम हो सकें; कुशल स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा गुणवत्तापरक तथा लोगों पर केंद्रित देखभाल प्रदान की जाए; और नीति निर्माता प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा में निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध हों। अभ्यास के विषय–क्षेत्र के अनुसार, नर्सों द्वारा यथोचित, सुगम्य और साक्ष्य आधारित देखभाल प्रदान की जाती है। नर्सें, रोगी के सलाहकार के रूप में अपनी मुख्य भूमिका, अपने वैज्ञानिक तर्क कौशल, संख्या और सांतत्यक देखभाल पहुंच के कारण, स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नीतियों के

approach to nursing. She understood the valuable contribution nurses could make in health care. She was committed to personalized care and saw that sensitivity to patient's needs was key to recovery. She believed that it was important to look after individual's health both physical as well as mental.

Her influence continues!!

Later Life

Nightingale was seriously ill, most of her later life after contracting Crimean fever. Yet she remained professionally active. Residing in Mayfair, she remained an authority and advocate of health care reform interviewing politicians and welcoming distinguished visitors. She served as an authority on public sanitation issues in India for both military and civilians, although she had never visited India herself. Despite poor health, which left her an invalid, she worked tirelessly until her death at 90.

Honors, Appreciation and Legacy

Nightingale had received several honors and appreciation for the common soldier's savior, ideological leader of nursing reform and a pioneering social reformer. She was conferred the merit of honor by King Edward and the freedom of the city of London in 1908. She also received German order of the Cross of Merit and the French Gold medal of Secours aux Blesses Militaries. In 1859, she was elected the first woman member of the Royal Statistical Society and later became an honorary member of the American Statistical Association

Florence Nightingale museum sits at the site of original Nightingale training school for nurses and houses more than 2000 artifacts commemorating the life and career of the 'Angel of the Crimea' and 'Lady with the Lamp' Her example has enabled upper social class to view nursing as an honorable vocation.

History of International Nurses Day

The Nurses day was first proposed and proclaimed by Dorothy Sutherland, an official in the U.S. Department of Health, Education and Welfare in the year 1953. It was only since 1965, the International Council of Nurses (ICN) commemorated Nurses Day. It was in 1974, 12^{th} May was chosen by ICN for the celebration of International Nurses Day, as it was the birth anniversary of Florence Nightingale. Each year ICN selects a theme and directs the activities of nurses towards the theme across the world. On this occasion, ICN prepares and distributes educational and public information kit for use throughout the year by nurses everywhere.

Nurses and Health for All

Health for All means that health is brought into reach of everyone in every country. To make Health for All a reality, individuals and communities should have access to high quality health services so that they are empowered to take care of their own health and health of their families; skilled health workers provide quality and people centred care; and policy makers committed to investing in primary health care. According to the scope of practice, nurses provide appropriate, accessible and evidence based care. With a core role as patient advocate, their scientific reasoning skills, numbers and spectrum of care across the continuum, nurses are ideally placed to lead and inform health services decision making policy development.

विकास हेतु निर्णय लेने में नेतृत्व तथा सूचना देने में अग्रणी स्थान रखते हैं। बहुत सी स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना करने और वैयक्तिक, सामुदायिक और वैश्विक स्वास्थ्य आवश्यकताओं का उत्तरदायित्व निभाने में नर्सों की महत्वपूर्ण भूमिका है। अंतर्राष्ट्रीय उपचर्या परिषद् की आचार संहिता में उद्धृत है कि ''नर्सिंग देखभाल में उम्र, रंग, संप्रदाय, संस्कृति, विकलांगता या बीमारी, लिंग भेद, लैंगिक रुझान, राष्ट्रीयता, राजनीति, प्रजाती या सामाजिक स्थिति की परवाह किए बिना सभी का सम्मान निहित है। नर्सिंग की आवश्यकता सार्वभौमिक है।'' (आईसीएन, 2012)

दुनिया भर में सबसे बड़े स्वास्थ्य पेशे के रूप में तथा उन सभी क्षेत्रों में कार्य करते हुए जहां स्वास्थ्य देखभाल प्रदान की जाती है, अर्थात नर्सिंग में व्यापक सामर्थ्य और उपयोगिता विद्यमान हैं यदि इसे उचित रूप से 'सबका स्वास्थ्य' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उपयोग में लाया जाए। रोगियों के सबसे करीब होने के कारण नर्स उनकी आवाज़ को नीति निर्धारकों तक पहुंचा सकते हैं। नर्सों द्वारा स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के लिए उपलब्ध सीमित संसाधनों के साथ अत्यधिक चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में दुनिया भर में 'सबके स्वास्थ्य' की वकालत की जा रही है (केंटन हॉवर्ड एंड एनेट केनेडी, 2019)। अंतर्राष्ट्रीय उपचर्या परिषद् नर्सिंग की वैश्विक आवाज़ के रूप में इस बारे में हमेशा आवाज़ उठाती रहती है। वर्ष 2017 से, अंतर्राष्ट्रीय उपचर्या परिषद् ''नर्सेज : ॲ वॉयस टु लीड (नर्सें : नेतृत्व करने के लिए एक आवाज़)'' पर ध्यान केंद्रित कर रही है और दुनिया भर में नर्सों को नेतृत्व करने के लिए एक आवाज़ बनने की चुनौती दे रही है क्योंकि 'सबके स्वास्थ्य' की उपलब्धि को प्रभावित करने की स्वास्थ्य सेवा प्रतिपादन में सबसे अग्रणीय नर्सों में बहुत अधिक संभावना विद्यमान है।

अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस 2020 की विषय-वस्तु (थीम)

नर्सेज : ॲ वॉयस टु लीड – नर्सिंग द वर्ल्ड टु हैल्थ (नर्सें : नेतृत्व करने के लिए एक आवाज़ – स्वास्थ्य के लिए नर्सिंग जगत)

अंतर्राष्ट्रीय उपचर्या परिषद् द्वारा अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस 2020 के लिए विषय–वस्तु के रूप में **नर्सेजः ॲ वॉयस टु लीड – नर्सिंग द वर्ल्ड टु हैल्थ (नर्सेंः नेतृत्व करने के लिए एक आवाज़ – स्वास्थ्य के लिए नर्सिंग जगत)** को चुना गया है, जिसका केंद्र बिंदु है विश्व के सभी प्राणियों के लिए नर्सों का असल मूल्य। विषय–वस्तु यह दर्शाती है कि विस्तृत स्वास्थ्य चुनौतियों को संबोधित करने में नर्स कैसे केंद्रीय भूमिका निभाती हैं। यह नर्सों और जन समुदाय को इस महत्वपूर्ण दिन को उत्सव के रूप में मनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा, तथा साथ ही यह जानकारी और ऐसे संसाधन भी प्रदान करेगा जो पूरे वर्ष भर इस पेशे की रूपरेखा को विस्तृत करने और नई पीढ़ी को नर्सिंग व्यवसाय में आने के लिए आकर्षित करने में मदद करेगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ)

विश्व स्वास्थ्य संगठन की वर्ष 2020 को इंटरनेशनल ईयर ऑफ द् नर्स एंड मिडवाइफ (नर्सों तथा दाइयों का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष) के रूप में ऐतिहासिक घोषणा ने दाइयों और दाई के पेशे को मजबूत करने की हिमायत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया है। जब इसकी घोषणा की गई थी तब किसी ने भी ऐसी परिकल्पना नहीं की थी कि यह वर्ष वैश्विक महामारी का होगा। कोविद–19 महामारी ने नर्सों तथा दाइयों और जनमानस की रक्षा करने वाली स्वास्थ्य प्रणालियों में उनके महत्वपूर्ण योगदान को पहचानने के लिए इसे अविश्वसनीय रूप से सामयिक बना दिया है। हालांकि, 1 जनवरी 2020 से दुनिया भर में महामारी के शुरू होने और फैलते ही, नर्सों तथा दाइयों के योगदान के साथ इसकी शुरुआत हो गई थी, लेकिन कई देशों का ध्यान स्वास्थ्य सेवाओं की ओर चला गया। समुदाय की सेवा करने में नर्सों और दाइयों की बहादुरी और करुणा को दर्शाने वाली अनगिनत कहानियां सामने आई हैं, जिसने संकट के समय में समुदाय को प्रारंभिक स्तर के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के प्रति धन्यवाद प्रेषित करने और उनका सम्मान करने के लिए प्रेरित किया है। दुःख की बात यह है कि इस महामारी ने नर्सों, दाइयों और अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को अतिरिक्त जोखिम में डाल दिया है और बहुत सी नर्सों की जीवन–लीला भी समाप्त हुई है।

Nursing has a pivotal role to address the multiple health challenges and respond to the health needs of individuals, communities and world. ICN code of ethics states that "Nursing care is respectful of and unrestricted by considerations of age, colour, creed, culture, disability or illness, gender, sexual orientation, nationality, politics, race or social status. The need for nursing is universal". (ICN, 2012).

As the largest health profession across the world, working in all areas where health care is provided, Nursing has vast potential and value if appropriately harnessed to finally achieve the vision of Health for All. Being closest to patients, nurses can bring their voice to policy table. Nurses all over the world are advocating for health for all in most challenging circumstances with limited resources to deliver health care (Canton Howard & Annette Kennedy, 2019). ICN as a global voice of Nursing speaks up and speaks out. Since 2017, ICN has been focussing on "Nurses: A Voice to Lead" and challenging nurses worldwide to become a voice to lead since nurses being at the forefront of health care delivery has great potential to impact the achievement of Health for All.

Theme for International Nurses Day 2020

Nurses: A Voice to Lead – Nursing the World to Health

International Council for Nurses (ICN) has chosen the theme, **Nurses: A Voice to Lead – Nursing the World to Health** for its International Nurses Day 2020, focusing on the true value of nurses to the people of the world. The theme demonstrates how nurses are central to addressing a wide range of health challenges. It will encourage nurses and the public to celebrate the big day, but also provide information and resources that will help to raise the profile of the profession throughout the year and attract a new generation into the nursing family.

World Health Organization (WHO)

WHO's landmark announcement that 2020 as the International Year of the Nurse and Midwife provided an important opportunity to advocate to strengthen midwives and the midwifery profession. When this was announced no one foresaw that it would coincide with a global pandemic. The COVID-19 pandemic has made it incredibly timely to recognize nurses and midwives and their crucial contributions to health systems that protect everyone. Although celebrations began on 1 January 2020, with contributions from nurses and midwives around the world when the pandemic emerged and spread, attention in many countries turned to the strain on health services. Countless stories have shown the bravery and compassion of nurses and midwives in serving their communities and the crisis prompted public displays of thanks and recognition for front line health workers. Tragically, the pandemic has also put nurses, midwives and other health professionals at extra risk and has claimed many lives of nurses.

"Having the International Year of the Nurse and Midwife coincide with Florence Nightingale's bicentennial raises the exciting prospect of nurses finally being recognised for all the good they do. In the year 2020 ICN highlights that nurses are central to the delivery of health care, that nurses are making invaluable contribution to the health of people globally. Nurses, because of their unique role of working

''फ्लोरेंस नाइटिंगेल की 200वी वर्षगांठ और नर्स तथा दाइयों का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष एक ही वर्ष में होने से समुदाय में किए जाने वाले जिस अच्छे कार्य के लिए नर्स पहचाने जाते हैं उसकी रोमांचकता की संभावना और भी अधिक बढ़ जाती है। वर्ष 2020 में अंतर्राष्ट्रीय उपचर्या परिषद् ने इस बात पर जोर दिया है कि नर्स स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र का केंद्र बिंदु हैं, और नर्स विश्व स्तर पर लोगों को स्वस्थ रखने में अमूल्य योगदान दे रही हैं। जन्म से लेकर मृत्यु तक लोगों के साथ कार्य करने की उनकी अनूठी भूमिका के कारण नर्सों को स्वास्थ्य नीति में शामिल करने की आवश्यकता है।'' (एनेट केनेडी, अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय उपचर्या परिषद्, 2020)।

वैश्विक नर्सिंग रिपोर्ट की वस्तुस्थिति और नर्सिंग नाउ अभियान की नाइटिंगेल चुनौती

नर्स और दाइयों के इस वर्ष के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में विश्व स्वास्थ्य संगठन की पहली वैश्विक नर्सिंग रिपोर्ट की वस्तुस्थिति का प्रकाशन, जो विश्व स्तर पर नर्सिंग कर्मियों का एक विस्तृत आशुचित्र प्रस्तुत करेगा; और नर्सिंग नाउ अभियान की नाइटिंगेल चुनौती, जो युवा नर्स अधिनायकों के एक ऐसे दल का निर्माण करेगा जो अगले दशक में इस व्यवसाय को आगे ले जाएंगे, शामिल हैं। इसके अलावा, दुनिया के राष्ट्रीय नर्सिंग संस्थाओं ने इस व्यवसाय का जश्न मनाने और स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य में अपनी अनूठी स्थिति का प्रदर्शन करने के लिए पूरे वर्ष स्थानीय कार्यक्रमों का आयोजन करने की भी योजना बनाई है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस, 7 अप्रैल 2020 को, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पहली बार वैश्विक नर्सिंग रिपोर्ट की वस्तुस्थिति **(स्टेट ऑफ़ वर्ल्ड नर्सिंग रिपोर्ट)** प्रकाशित की थी, जिसमें 190 से अधिक देशों का विवरण शामिल था और नर्सिंग कर्मियों और सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) के बारे में स्पष्ट निष्कर्षों को उजागर किया था, जिसमें इस बात पर प्रकाश डाला गया कि वैश्विक स्तर पर लगभग 60 लाख नर्सों की कमी है जिसमें से 89 प्रतिशत कमी अति गरीब और गरीब देशों में है। सामने लाए गए साक्ष्य देशों का अपने वर्तमान स्वास्थ्य कार्यबल का इष्टतम उपयोग करने में समर्थन करने के लिए महत्वपूर्ण हैं – और भविष्य में स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना करने वाले स्वास्थ्य कर्मचारियों की आवश्यकता पर भी जोर डालते हैं। नर्सिंग शिक्षा, रोजगार, कार्य परिस्थितियां और नेतृत्व में महत्वपूर्ण निवेश करने की आवश्यकता है। यह रिपोर्ट आने वाली पीढ़ियों के लिए डेटा संग्रह, नीति संवाद, अनुसंधान एवं वकालत, और स्वास्थ्य कार्यबल में निवेश के लिए एजेंडा निर्धारित करेगी।

तीन वर्ष के इस वैश्विक **नर्सिंग नाउ अभियान** (2018–2020) का उद्देश्य सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) में नर्सों की भागीदारी को बढ़ाना तथा दुनिया भर में नर्सिंग की प्रोफाइल और स्थिति को बढ़ाकर स्वास्थ्य में सुधार लाना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और अंतर्राष्ट्रीय उपचर्या परिषद् के सहयोग से चलाए जाने वाला 'नर्सिंग नाउ' अभियान 21वीं शताब्दी की स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के लिए नर्सों को सशक्त बनाने और सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज हासिल करने में उनके योगदान को अधिकतम करने का प्रयास कर रहा है। यह अभियान इन पांच मुख्य क्षेत्रों पर केंद्रित हैः यह सुनिश्चित करना कि स्वास्थ्य नीति निर्धारण में नर्सों और दाइयों के सुझावों को अधिक महत्व दिया जाए; नर्सिंग कार्यबल में अधिक से अधिक निवेश को प्रोत्साहन दिया जाए; संचालनीय पदों पर अधिक नर्सों की नियुक्ति की जाए; ऐसे अनुसंधानों का संचालन किया जाए जो यह निर्धारित करने में मदद करते हैं कि नर्सों का सबसे अधिक प्रभाव कहां हो सकता है; और सर्वोत्तम नर्सिंग प्रथाओं का सहभाजन। यह अभियान यूनाइटेड किंगडम (यूके) स्थित एक स्वतंत्र धर्मार्थ ट्रस्ट, बर्डेट ट्रस्ट फॉर नर्सिंग के कार्यक्रम के रूप में चलाया जा रहा है। यूके ऑल–पार्टी पार्लियामेंट्री ग्रुप ऑन ग्लोबल हेल्थ के सह–अध्यक्ष लॉर्ड निगेल क्रिस्प और ग्लोबल एचआईवी प्रिवेंशन कोएलिशन के सह–अध्यक्ष प्रोफेसर शीला ट्लू इस अभियान के सह–अध्यक्ष हैं।

भारत में 'नर्सिंग नाउ' अभियान का शुभारंभ तत्कालीन माननीय केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग और नागरिक उड्डयन मंत्री श्री सुरेश प्रभु द्वारा ''नर्सेज एंड मिडवाइव्स फॉर यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज'' पर दिनांक 29 नवंबर से 1 दिसंबर, 2018 के दौरान भारतीय उपचर्या परिषद् द्वारा आयोजित तथा अंतर्राष्ट्रीय उपचर्या परिषद् द्वारा समर्थित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान किया गया था। इस संबंध में भारत में कई और कार्यक्रम आयोजित

with people from birth to death, need to be involved in health policy." (Annette Kennedy, ICN President, 2020).

State of the World's Nursing Report & Nursing Now Campaign's Nightingale Challenge

In this year of Nurses and Midwives, key events include the publication of the first WHO State of the World's Nursing Report, which will provide a detailed snapshot of the nursing workforce globally, and the Nursing Now Campaign's Nightingale Challenge, which will produce a new cohort of young nurse leaders who will take the profession forward over the next decade. In addition, the world's National Nursing Associations has planned to organise local events throughout the year to celebrate the profession and demonstrate its unique position in the health care landscape.

On World Health Day, 7 April 2020, the World Health Organization published the first ever **State of World's Nursing Report** that included data from over 190 countries and revealed clear findings about the nursing workforce and UHC highlighting the global shortage of 6 million nurses, with 89% of the shortage in low and lower-middle income countries. The evidence brought in is important to support countries to make the maximum use of their current health workforce – and forecast needs for a health workforce that can meet future health challenges. Significant investments in nursing education, employment, working conditions, and leadership are the main focus. The report will set the agenda for data collection, policy dialogue, research and advocacy, and investment in the health workforce for generations to come.

A three-year global **Nursing Now Campaign** (2018-2020), aims to maximize nurses' contribution to UHC and improve health by raising the profile and status of nursing worldwide. Run in collaboration with the World Health Organization and the International Council of Nurses, 'Nursing Now' seeks to empower nurses to take their place at the heart of tackling 21st century health challenges and maximize their contribution to achieving Universal Health Coverage. The campaign focuses on five core areas: ensuring that nurses and midwives have a more prominent voice in health policy-making; encouraging greater investment in the nursing workforce; recruiting more nurses into leadership positions; conducting research that helps determine where nurses can have the greatest impact; and sharing of best nursing practices. The campaign is being run as a programme of the Burdett Trust for Nursing, an independent charitable trust based in the UK. The campaign is co-chaired by Lord Nigel Crisp, Co-Chair of the UK All-Party Parliamentary Group on Global Health, and Professor Sheila Tlou, Co-Chair of the Global HIV Prevention Coalition.

In India 'Nursing Now' campaign was launched by Shri Suresh Prabhu, than Hon'ble Union Minister of Commerce & Industry and Civil Aviation, during the International Conference on "Nurses and Midwives for Universal Health Coverage" hosted by Indian Nursing Council and endorsed by International Council of Nurses from 29th November to 1st December, 2018. Many more events have been planned in India in this regard but however it could not happen successfully in view of the COVID-19 pandemic crisis. The Nightingale challenge in India is focusing on preparing and empowering

करने की योजना बनाई गई थी, लेकिन कोविद–19 महामारी के मद्देनजर इनका आयोजन सफलतापूर्वक नहीं हो सका। भारत में नाइटिंगेल चुनौती भविष्य के लिए युवा नर्सिंग अधिनायक तैयार करने और उन्हें सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। भारतीय उपचर्या परिषद् इस महान साहसिक उपक्रम के लिए अग्रणी और हिमायती संस्था है और नर्सों की संख्या प्रस्तावित लक्ष्य से भी अधिक हो गई है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हाल ही में की गई पहल जैसे कि बी.एससी. नर्सों को मध्यस्तरीय स्वास्थ्य कर्मियों (एमएलएचडब्ल्यू)/सामुदायिक स्वास्थ्य प्रदाताओं (सीएचपी) के रूप में शामिल करने और दाइयों (मिडवाइफ) द्वारा संचालित देखभाल इकाइयां शुरू करने के साथ–साथ भारतीय उपचर्या परिषद् द्वारा नर्स प्रेक्टिशनर इन मिडवाइफरी (एनपीएम) पाठ्यक्रम विकसित करना सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज और भारत में 'सबका स्वास्थ्य' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल में नर्सों की अधिक भागीदारी को दर्शाता है। दाई कर्मियों की संख्या को बढ़ाने तथा सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) प्रदान करने में उनकी भागीदारी और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के 1,50,000 स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों में दाई का कार्य करने के लिए मध्यस्तरीय स्वास्थ्य कर्मी (एमएलएचडब्ल्यू)/सामुदायिक स्वास्थ्य प्रदाता (सीएचपी) तैयार करने और नियोजित करने; और चिकित्सा महाविद्यालयों व अस्पतालों की दाई द्वारा संचालित देखभाल इकाइयों तथा जिला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएसचसी) में दाई का कार्य करने के लिए 86,000 नर्स प्रेक्टिशनर इन मिडवाइफरी (एनपीएम) तैयार करने और नियोजित करने के प्रयास सराहनीय पहल हैं।

अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस, नर्सों को आभास दिलाता है कि वे स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में सुधार लाने के लिए प्रवक्ता या आवाज़ बनें, जिससे लोगों पर आधारित स्वास्थ्य देखभाल मिल सके और उन्हें भारत में स्वास्थ्य देखभाल और स्वास्थ्य प्रणालियों को बदलते वक्त स्वास्थ्य नीति, योजना और प्रावधानों को प्रभावित करने में सक्षम बनाता है।

अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस 2020 - संसाधन

अंतर्राष्ट्रीय उपचर्या परिषद् ने अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस (आईएनडी) 2020 के लिए कई पोस्टर निकाले हैं, जो दुनिया भर में नर्सों के कार्य की विविधता, तथा विभिन्न परिस्थितियों और अक्सर कठिन परिस्थितियों में उनके द्वारा की जाने वाली देखभाल को दर्शाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस 2020 में, नर्सिंग क्षेत्र में अधिक निवेश करने में उनकी सरकारों की मदद करने के लिए और जनता को यह समझने में मदद करने के लिए कि नर्सें क्या करती हैं और यह सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज और सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए यह इतना महत्वपूर्ण क्यों है, विभिन्न संसाधनों का समावेश होगा। वर्ष 2020 की पहली तिमाही में जारी की गई अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस रिपोर्ट में दुनिया भर के नर्सिंग और स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रमुख विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत सम्मोहक कहानियां, शोध और साक्ष्यों की एक श्रृंखला शामिल है। इस रिपोर्ट में शामिल और www.icnvoicetolead.com वेबसाइट पर दिए गए मामलों के अध्ययन (केस स्टडीज) नर्सों द्वारा जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों को सुरक्षित, सस्ती, समग्र देखभाल प्रदान करने के अनूठे कार्यों को दर्शाया गया है।

राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार - भारत सरकार

भारत में राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार वर्ष 1973 में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समाज में नर्सों द्वारा प्रदान की गई सराहनीय सेवाओं के लिए मान्यता के प्रतीक के रूप में स्थापित किए गए थे। यह पुरस्कार 12 मई को फ्लोरेंस नाइटिंगेल के जन्मदिन पर दिया जाता है। नर्सिंग बिरादरी वर्ष 2020 में, जो नर्सों और दाइयों के लिए एक विशेष वर्ष है, पुरस्कारों की संख्या 35 से बढ़ाकर 51 करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की आभारी है।

वास्तव में सभी नर्सों के लिए यह एक गर्व का क्षण है!

young nursing leaders for the future. Indian Nursing Council is the lead and champion for this great venture and the numbers have surpassed the proposed target.

The recent initiatives taken by Ministry of Health & Family Welfare and Government of India such as inclusion of B.Sc. nurses as Mid-Level Health Workers (MLHP)/Community Health Providers (CHP) and initiation of midwife led care units alongside developing Nurse Practitioner in Midwifery (NPM) curriculum by Indian Nursing Council reflect the greater involvement of nurses towards primary health care aiming to achieve UHC and health for all in India. Ministry of Health & Family Welfare's efforts to prepare and employ MLHP/CHP to function at 1,50,000 health & wellness centres, and 86,000 NPMs to function in midwife led care units at medical colleges, hospitals, district/CHC are laudable initiatives to strengthen midwifery workforce and their participation in providing UHC and achieve SDGs.

The International Nurses Day gives nurses an opportunity to recognize that they can be spokespersons or voices to lead in improving access to health care, enabling people centered approach to health care and influencing health policy, planning and provision while transforming health care and health systems in India.

The International Nurses Day 2020 Resources

International Council of Nurses launches posters for International Nurses Day (IND) 2020 that reflect the diversity of nurses' work around the world, caring for all in a variety of settings and often under difficult circumstances. IND 2020 will consist of a variety of resources to help nurses lobby their governments for more investment, and to help the public understand exactly what it is that nurses do and why this is so important for achieving Universal Health Coverage and the Sustainable Development Goals. The IND report, which was released in the first quarter of 2020, consists of a series of compelling stories, research and evidence presented by leading experts in nursing and health from around the world. The case studies included in the report and on the website www.icnvoicetolead.com showcases the innovative work of nurses to provide safe, affordable, holistic care to people from all walks of life.

National Florence Nightingale Awards: Government of India

Florence Nightingale awards were instituted in the year 1973 by Ministry of Health & Family Welfare, Government of India as a mark of recognition for the meritorious services rendered by nurses to the society. The awards have been given on May 12, Florence Nightingale's Birthday. The nursing fraternity is grateful to Ministry of Health & Family Welfare, for enhancing the number of awards from 35 to 51 in the year 2020, which is a special year for nurses and midwives.

It is indeed a proud moment for all nurses!

NAMES & CITATIONS
OF
NATIONAL AWARDEES
2020

क्र.सं.	वर्ग	राज्य	नाम
1	नर्स	आंध्र प्रदेश	सुश्री डी. रूपकला
2	नर्स	आंध्र प्रदेश	डॉ. अमुलुरु पद्मजा
3	नर्स	अरुणाचल प्रदेश	सुश्री रुबू यापी
4	नर्स	असम	सुश्री रजिला रॉय
5	ए.एन.एम.	बिहार	सुश्री रेंजु कुमारी
6	नर्स	बिहार	सुश्री बंदना कुमारी
7	नर्स	चंडीगढ़	श्री अजय
8	नर्स	छत्तीसगढ़	डॉ. डेजी अब्राहम
9	ए.एन.एम.	दादरा एवं नगर हवेली	सुश्री समदर जानु कामदी
10	ए.एन.एम.	दमन एवं दीव	सुश्री विक्टोरिया ॲलविरा नोरोन्हा
11	नर्स	दिल्ली	सुश्री सोनिया चौहान
12	नर्स	दिल्ली	सुश्री शशि बाला कालरा
13	नर्स	दिल्ली	सुश्री उषा रानी आहूजा
14	नर्स	दिल्ली	ब्रिगेडियर एस.वी. सरस्वती
15	ए.एन.एम.	गोवा	सुश्री गीता चंद्रकांत सलगांवकर
16	नर्स	गोवा	श्री प्रशांत गुनु देवीदास
17	नर्स	गुजरात	सुश्री भानुमति सोमाभाई घीवाला
18	नर्स	गुजरात	डॉ. प्रज्ञा पी. धाबी
19	नर्स	हरियाणा	डॉ. इंदिरा जाधव डेनियल
20	एल.एच.वी.	हिमाचल प्रदेश	सुश्री विद्या भरंता
21	नर्स	हिमाचल प्रदेश	सुश्री अरुणा कुमारी
22	नर्स	जम्मू–कश्मीर	डॉ. शैला कैनी
23	नर्स	झारखंड	सुश्री अशीसन कुल्लू
24	ए.एन.एम.	कर्नाटक	सुश्री मरियम्मा एम.सी.
25	एल.एच.वी.	कर्नाटक	सुश्री के. गायत्री देवी
26	नर्स	केरल	सुश्री गीता पी.
27	नर्स	लक्षद्वीप	श्री मोहम्मद आसिफ

S.No.	Category	State	Name
1	Nurse	Andhra Pradesh	Ms. D. Roopakala
2	Nurse	Andhra Pradesh	Dr. Amuluru Padmaja
3	Nurse	Arunachal Pradesh	Ms. Rubu Yape
4	Nurse	Assam	Ms. Rajila Roy
5	ANM	Bihar	Ms. Renju Kumari
6	Nurse	Bihar	Ms. Bandana Kumari
7	Nurse	Chandigarh	Mr. Ajay
8	Nurse	Chhattisgarh	Dr. Daisy Abraham
9	ANM	Dadra & Nagar Haveli	Ms. Samdar Janu Kamdi
10	ANM	Daman and Diu	Ms. Victoria Elvira Noronha
11	Nurse	Delhi	Ms. Sonia Chauhan
12	Nurse	Delhi	Ms. Shashi Bala Kalra
13	Nurse	Delhi	Ms. Usha Rani Ahuja
14	Nurse	Delhi	Brig. S.V. Saraswati
15	ANM	Goa	Ms. Geeta Chandrakant Salgaonkar
16	Nurse	Goa	Mr. Prashant Gunu Devidas
17	Nurse	Gujarat	Ms. Bhanumati Somabhai Gheewala
18	Nurse	Gujarat	Dr. Pragna P. Dhabi
19	Nurse	Haryana	Dr. Indira Jadhav Daniel
20	LHV	Himachal Pradesh	Ms. Vidya Bharanta
21	Nurse	Himachal Pradesh	Ms. Aruna Kumari
22	Nurse	Jammu & Kashmir	Dr. Shailla Cannie
23	Nurse	Jharkhand	Ms. Ashisan Kullu
24	ANM	Karnataka	Ms. Mariyamma M.C.
25	LHV	Karnataka	Ms. K. Gayathri Devi
26	Nurse	Kerala	Ms. Geetha P.
27	Nurse	Lakshadweep	Mr. Mohammed Asif

क्र.सं.	वर्ग	राज्य	नाम
28	नर्स	मध्य प्रदेश	सुश्री रश्मि पांडेकर
29	ए.एन.एम.	महाराष्ट्र	सुश्री प्रेमलता संजय पाटिल
30	नर्स	महाराष्ट्र	सुश्री शालिनी नाजुकराव कुमारी
31	ए.एन.एम.	मेघालय	सुश्री लेटमॅन पसलेन
32	ए.एन.एम.	मणिपुर	सुश्री के. बेकलुन
33	नर्स	मणिपुर	सुश्री सगोलसम रमा मैतइ चानू
34	ए.एन.एम.	मिजोरम	सुश्री वनललथुॲमी
35	एल.एच.वी.	मिजोरम	सुश्री सी. डेंगथांगपुई
36	एल.एच.वी.	उड़ीसा	सुश्री प्रेमालता बारिक
37	ए.एन.एम.	पुडुचेरी	सुश्री पी. लथा
38	नर्स	पुडुचेरी	सुश्री के. अनुराधा
39	नर्स	पंजाब	सुश्री सत्या देवी
40	ए.एन.एम.	राजस्थान	सुश्री अनीता व्यास
41	ए.एन.एम.	राजस्थान	सुश्री सुनीता देवी
42	ए.एन.एम.	तमिलनाडु	सुश्री ओ.वी. उषा
43	ए.एन.एम.	तमिलनाडु	सुश्री एस. वेलंकनी
44	नर्स	तमिलनाडु	सुश्री जी. मणिमेगाले
45	ए.एन.एम.	तेलंगाना	सुश्री अनापर्थी अरुणा कुमारी
46	ए.एन.एम.	तेलंगाना	सुश्री एम.डी. शुकुरा
47	नर्स	त्रिपुरा	श्री अशीम दास
48	नर्स	उत्तर प्रदेश	सुश्री उर्वशी दीक्षित
49	नर्स	उत्तराखंड	सुश्री कमला थापा
50	ए.एन.एम.	पश्चिम बंगाल	सुश्री सुनीता दत्ता
51	नर्स	पश्चिम बंगाल	सुश्री नीलिमा दास

S.No.	Category	State	Name
28	Nurse	Madhya Pradesh	Ms. Rashmi Pandekar
29	ANM	Maharashtra	Ms. Premlata Sanjay Patil
30	Nurse	Maharashtra	Ms. Shalini Najukrao Kumare
31	ANM	Meghalaya	Ms. Leitmon Paslein
32	ANM	Manipur	Ms. K. Biaklun
33	Nurse	Manipur	Ms. Sagolsem Rama Meitei Chanu
34	ANM	Mizoram	Ms. Vanlalthuami
35	LHV	Mizoram	Ms. C. Dengthangpuii
36	LHV	Orissa	Ms. Premalata Barik
37	ANM	Puducherry	Ms. P. Latha
38	Nurse	Puducherry	Ms. K. Anuradha
39	Nurse	Punjab	Ms. Satya Devi
40	ANM	Rajasthan	Ms. Anitha Vyas
41	ANM	Rajasthan	Ms. Sunita Devi
42	ANM	Tamil Nadu	Ms. O.V. Usha
43	ANM	Tamil Nadu	Ms. S. Velankanni
44	Nurse	Tamil Nadu	Ms. G. Manimegalai
45	ANM	Telangana	Ms. Anaparthi Aruna Kumari
46	ANM	Telangana	Ms. MD. Shukura
47	Nurse	Tripura	Mr. Ashim Das
48	Nurse	Uttar Pradesh	Ms. Urwashi Dixit
49	Nurse	Uttarakhand	Ms. Kamla Thapa
50	ANM	West Bengal	Ms. Sunita Dutta
51	Nurse	West Bengal	Ms. Nilima Das

सुश्री डी. रूपकला

वरिष्ठ नर्स बी
सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र,
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन,
श्रीहरिकोटा, नेल्लोर, आंध्र प्रदेश

Ms. D. Roopakala

Senior Nurse B
Satish Dhawan Space Centre,
Indian Space Research Organization,
Sriharikota, Nellore, Andhra Pradesh

सुश्री डी. रूपकला एक ऊर्जस्वी और निष्ठावान नर्स हैं, जो सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा, नेल्लोर, आंध्र प्रदेश में पिछले 12 वर्ष से कार्यरत हैं। उनका अस्पताल में अपने कार्यकाल के साथ कुल मिलाकर 13 वर्ष का अनुभव है। उन्हें बीएलएस प्रशिक्षण प्राप्त करने पर सर्टिफाइड लाइफ सेवर प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया है। उन्हें सर्टिफाइड हेल्थ केयर लीन सिक्स सिग्मा ग्रीन बेल्ट प्रमाणपत्र से भी सम्मानित किया गया है। उन्होंने एडवांस कार्डियक नर्सिंग में सर्टिफिकेट कोर्स भी किया है।

सुश्री रूपकला को अस्पताल में ऑपरेशन थिएटर एवं प्रसूति कक्ष में कार्य करने का अनुभव है तथा वह आपातकालीन और जीवन रक्षक उपकरणों व यंत्रों का प्रयोग करने में सक्षम हैं। उन्होंने जनजातीय समुदाय की बहुत सी महिलाओं का प्रसव संचालन (जनाई) कार्य सुरक्षापूर्वक संपादित किया है। उन्होंने दुर्घटना पीड़ितों की जान बचाने में भी सहायता की है। उन्होंने राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधान मंत्री और अन्य वीआईपी लोगों को भी चिकित्सा सेवाएं प्रदान की हैं।

उन्होंने कंप्यूटर एप्लिकेशन और डेस्कटॉप मेनेजमेंट स्किल्स पर अतिरिक्त प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उन्हें अस्पताल प्रबंधन से सराहना पत्र भी मिला है।

Ms. D. Roopakala is a dynamic and sincere nurse working in Satish Dhawan Space Centre, Sriharikota, Nellore, Andhra Pradesh for the past 12 years with a total of 13 years' experience including her work experience in a hospital. She has undergone BLS training and certified as a life saver. She has also received certification as Certified Healthcare Lean Six Sigma Green Belt. She has also undergone certificate course in Advanced Cardiac Nursing.

Ms. Roopkala has worked in OT and Labour room in the hospital and is able to handle emergency and lifesaving equipment and devices. She has conducted various midwifery cases in the tribal community safely. She has assisted in saving lives of accident victims. She has provided medical service to President, Vice President, Prime Minister and other VIPs.

She has undergone additional training on computer application and desktop management skills. She has appreciation letter from her hospital management.

डॉ. अमुलुरु पद्मजा

प्रोफेसर/प्रभारी उपप्रधानाचार्या
कॉलेज ऑफ नर्सिंग,
श्री वेंकटेश्वर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, तिरुपति, आंध्र प्रदेश

Dr. Amuluru Padmaja

Professor/Vice Principal Incharge
College of Nursing,
Sri Venkateswara Institute of Medical Sciences, Tirupati, Andhra Pradesh

डॉ. ए. पद्मजा ने अपने 35 वर्ष के कार्यकाल में 10 वर्ष नर्सिंग सेवा और 25 वर्ष शिक्षण में बिताए हैं। वह एक कुशल शिक्षाविद हैं और वर्तमान में श्री वेंकटेश्वर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, तिरुपति के कॉलेज ऑफ नर्सिंग में प्रोफेसर एवं उपप्रधानाचार्या के पद पर कार्यरत हैं। वह एक पीएच.डी. गाइड हैं तथा उन्होंने दो पुस्तकें लिखी हैं और उनके कई लेख प्रकाशित हुए हैं। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में कई पेपर प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने 600 लोगों की ग्रीवा कैंसर स्क्रीनिंग की है तथा 3015 लोगों के लिए स्व–स्तन परीक्षण शिविरों का आयोजन किया है और समुदाय से 151 लोगों को अंगदान के लिए प्रेरित किया है। शिक्षा और समुदाय के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उनकी सराहना की जाती है।

Dr. A. Padmaja with 35 years of experience has 10 years in nursing service and 25 years in teaching. She is a well accomplished educator and is currently working as Professor/Vice Principal, College of Nursing, Sri Venkateswara Institute of Medical Sciences, Tirupati. She is a Ph.D. guide and is author of two books and has several publications to her credit. She has presented papers in national and international conferences. She has conducted cervical cancer screening for 600 people and self-breast examination camps for 3015 people and motivated 151 organ donors from the community. She has been acclaimed for her outstanding performance in the field of education and community.

सुश्री रुबू यापी

वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी एवं
ऑपरेशन थिएटर प्रभारी नर्सिंग
टोमो रिबा इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड
मेडिकल साइंसेज (TRIHMS), नाहरलागुन,
जिला पापुम परे, अरुणाचल प्रदेश

Ms. Rubu Yape

Senior Nursing Officer cum
OT Incharge Nursing
Tomo Riba Institute of Health &
Medical Science (TRIHMS), Naharlagun,
District Papum Pare, Arunachal Pradesh

सुश्री रुबू यापी, टोमो रिबा इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड मेडिकल साइंसेज, अरुणाचल प्रदेश में एक वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी के पद पर ऑपरेशन थिएटर की नर्स–प्रभारी के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने अपने कुल 27 वर्ष के कार्यकाल में देखभाल के जटिल क्षेत्रों में भी कार्य किया है। उनके हंसमुख व्यक्तित्व और उच्च कोटि के समर्पण के लिए सभी सहकर्मियों द्वारा उनकी सराहना की जाती है। वह अरुणाचल प्रदेश के अस्पतालों की ऑपरेशन थिएटर सेवाओं में गुणवत्ता सुधार परियोजनाओं में सक्रिय रूप से शामिल रही हैं।

सुश्री रुबू यापी ने आईसीयू, एनेस्थीसिया और नवजात देखभाल में विशेष प्रशिक्षण लिया है। ऑपरेशन थिएटर ब्लॉक की योजना बनाने और स्थापित करने में उनकी अनुकरणीय सेवाओं के लिए अस्पताल प्रशासन द्वारा उन्हें सराहना पत्र प्रदान किए गए हैं।

Ms. Rubu Yape is working as a Senior Nursing Officer, Nurse-in-Charge of OT in Tomo Riba Institute of Health & Medical Sciences, Arunachal Pradesh. She has also worked in critical care areas and has a total of 27 years of experience. She is appreciated by all her co-workers for her pleasant personality and high dedication. She was actively involved in quality improvement project for Arunachal Pradesh in OT services of the hospital.

Ms. Rubu Yape has taken special training in ICU, anaesthesia and neonatal care. She has received letters of appreciation for her exemplary services in planning and setting up the OT Block by the hospital administration.

सुश्री रजिला रॉय

वरिष्ठ नर्स
महेंद्र मोहन चौधरी –
एक संलग्न अस्पताल, पानबाजार,
पोस्ट ऑफिस पानबाजार, गुवाहाटी, असम

Ms. Rajila Roy

Senior Nurse
Mahendra Mohan Choudhury –
an Annexed Hospital, Panbazar
Post Office Panbazar, Guwahati, Assam

सुश्री रजिला रॉय एक वरिष्ठ नर्स हैं, जो पिछले दो दशक से अधिक समय से महेंद्र मोहन चौधरी हॉस्पिटल ऑफ जीएमसीएच, गुवाहाटी, असम की बाल चिकित्सा इकाइयों में कार्यरत हैं। उन्होंने आपातकालीन तथा कोविद–19 स्क्रीनिंग क्षेत्रों में भी कार्य किया है। वह कई नवजात देखभाल प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भी भाग ले चुकी हैं। उन्होंने इससे पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भी कार्य किया है।

सुश्री रजिला रॉय को अस्पताल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रमाण पत्र भी मिला है।

Ms. Rajila Roy is a Senior Nurse who has worked in paediatric units for over two decades in Mahendra Mohan Choudry Hospital of GMCH, Guwahati, Assam. She has also worked in emergency and COVID19 screening areas. She has undergone many trainings in new born care. She has also worked in CHC prior to this.

Ms. Rajila Roy was awarded with certificate of outstanding performance in the hospital.

सुश्री रेंजु कुमारी
ऑगज़िलरी नर्स मिडवाइफ (एएनएम)
प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र,
बगवानपुर हाट, जिला सीवान, बिहार

Ms. Renju Kumari
Auxiliary Nurse Midwife (ANM)
Primary Health Centre,
Bagwanpur Hat, District Siwan, Bihar

सुश्री रेंजु कुमारी को बिहार स्वास्थ्य सेवाओं में कार्य करने का कुल 21 वर्ष का अनुभव है। वह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) बगवानपुरहाट, जिला सीवान में कार्यरत हैं। वह एक कुशल जन्म परिचायक (एसबीए) के रूप में प्रशिक्षित हैं और प्रसवोत्तर अंतर्गर्भाशयी गर्भनिरोधक विधि (पीपीआईयूसीडी) लगाने में विशेष रूप से प्रशिक्षित हैं। उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में सक्रिय भाग लेकर सभी गतिविधियों में निष्कपट और कुशल योगदान दिया है। वे बिहार के बहुत ही दुर्गम क्षेत्र में स्थित एक ही पीएचसी में लगातार अपनी सेवाएं दे रही हैं।

Ms. Renju Kumari has a total of 21 years of experience in Bihar Health Services. She has been working in Primary Health Centre, Bagwanpurhat, Siwan District. She is SBA trained and particularly in PPIUCD training. She sincerely and efficiently contributed to all the Primary Health Centre activities involving actively in all the national health programs towards achievement of targets. She has continued to work in the same Primary Health Centre serving a very difficult area of Bihar.

सुश्री बंदना कुमारी

स्टाफ नर्स ग्रेड–ए
सदर अस्पताल,
जगतपुर, बांका, बिहार

Ms. Bandana Kumari

Staff Nurse Grade-A
Sadar Hospital,
Jagatpur, Banka, Bihar

सुश्री बंदना कुमारी 13 वर्ष से नर्सिंग जगत में कार्य कर रही हैं, और वर्तमान में सदर अस्पताल, जगतपुर, बांका, बिहार में वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने 8 वर्ष तक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में भी कार्य किया है। वह एक विनम्र, उत्साही और दल में कार्य करने वाली नर्स हैं। वह संकट की स्थितियों में हमेशा उपलब्ध रहती है, जिसके लिए समुदाय उनको सम्मान की नजर से देखता है। उन्हें एक अत्यधिक प्रभावशाली नायक माना जाता है।

सुश्री बंदना कुमारी ने कई लघु अवधि प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में भाग लिया है। वह गुणवत्ता सुधार क्षेत्र में एक मास्टर ट्रेनर मानी जाती हैं और उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर एनक्यूएएस प्रक्रिया में भी योगदान दिया है। सेवा क्षेत्र में बदलाव हेतु किए गए नवाचारों के लिए उनकी सराहना की जाती है।

Ms. Bandana Kumari having 13 years of experience is currently working as a Senior Nursing Officer in Sadar Hospital, Jagatpur, Banka, Bihar. She has also worked in a Primary Health Centre for 8 years. She is polite, enthusiastic and a good team player. She is always available to handle crisis situations and respected by the community. She was considered as a high impact leader.

Ms. Bandana Kumari has undergone many short term training courses. She is a master trainer in quality improvement and has contributed to the process of NQAS at National level. She has received recognition for innovation for change in service.

श्री अजय

स्टाफ नर्स
गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल,
सैक्टर–32, चंडीगढ़

Mr. Ajay

Staff Nurse
Govt. Medical College & Hospital,
Sector-32, Chandigarh

श्री अजय, दो दशक से अधिक के नैदानिक अनुभव के साथ गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, चंडीगढ़ के आर्थोपेडिक ऑपरेशन थिएटर में स्टाफ नर्स के पद पर कार्यरत हैं। वह निष्ठावान, मेहनती और रोगियों की देखभाल के लिए पूर्णतः समर्पित हैं। उनमें आपात स्थितियों को संभालने की अपूर्व क्षमता है। उन्होंने कई सीएनई कार्यक्रमों में भी भाग लिया है।

उन्होंने भूकंप राहत शिविर, गुजरात के बेस कैंप में बचाव दल के एक स्वैच्छिक सदस्य के रूप में कार्य किया है और सर्जरी के दौरान ऑपरेशन थिएटर को व्यवस्थित करने और शल्य क्रिया के संचालन में प्रमुख भूमिका निभाई है।

श्री अजय को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए निदेशक–प्राचार्य से सराहना पत्र और उनकी कड़ी मेहनत तथा कर्तव्यनिष्ठा के लिए प्रशंसा प्रमाणपत्र मिले हैं।

Mr. Ajay is working as Staff Nurse in Orthopaedic OT in Govt. Medical College & Hospital, Chandigarh with more than two decades of clinical experience. He is sincere, hardworking and committed to patient care. He has the ability to handle emergencies. He has participated in many CNE programs.

He has worked as a voluntary member of the earth quake relief team in Kutch, Gujarat at base camp and has played a major role in setting up and running OT in addition to assisting during surgeries.

Mr. Ajay has received appreciation letter from Director Principal for his outstanding performance and commendation certificate as best nurse for hard work and dedication to duty.

डॉ. डेजी अब्राहम

प्रोफेसर
पी.जी. कॉलेज ऑफ नर्सिंग,
भिलाई, छत्तीसगढ़

Dr. Daisy Abraham

Professor
P.G. College of Nursing,
Bhilai, Chhattisgarh

डॉ. डेजी अब्राहम एक ऊर्जस्वी शिक्षक हैं और नैदानिक तथा शिक्षण क्षेत्र में कुल 27 वर्ष का विविध अनुभव है। वह वर्तमान में पी.जी. कॉलेज ऑफ नर्सिंग, भिलाई में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। वह छात्रों को परामर्श तथा जीविका मार्गदर्शन प्रदान करने में उत्कृष्ट हैं। वह बुद्धिमान एवं मेहनती हैं होने के साथ–साथ उत्कृष्ट शिक्षण, संचार और प्रबंधकीय कौशल की धनी हैं। उन्होंने बहुत सी शिक्षण सामग्री विकसित करने के साथ–साथ कई शोध लेख भी प्रकाशित किए हैं, तथा स्थानीय एवं राज्य स्तर की सीएनई कार्यशालाओं और सम्मेलनों का आयोजन किया है। नवजात पुनर्जीवन के लिए वह एक मास्टर ट्रेनर रही हैं।

उन्होंने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने बहुत से स्वास्थ्य शिविरों में सक्रिय रूप से भाग लिया और उनकी भागीदारी हमेशा सराहनीय रही है।

डॉ. डेजी अब्राहम को उनकी समर्पित नैदानिक सेवाओं के लिए अपोलो बीएसआर अस्पताल, भिलाई से वर्ष 2018 में सर्वश्रेष्ठ नर्स पुरस्कार तथा स्थानीय अधिकारियों से सराहना–पत्र मिले हैं। उन्हें नेशनल कन्वेंशन ऑन क्वालिटी सर्कल, मुंबई से श्रीमती सुशीला घिरनिकर मेमोरियल अवार्ड फॉर बेस्ट लेडीज़ टीम भी प्रदान किया गया था।

Dr. Daisy Abraham is a dynamic teacher and has varied experience in clinical areas as well as teaching with 27 years of total experience. She is currently working in P.G. College of Nursing, Bhilai as Professor. She is excellent in providing mentorship and career guidance to students. She is intelligent, hardworking and has excellent teaching, communication and managerial skills. She has developed teaching materials, published research articles, organised local and state level CNE workshops and conferences. She has been a master trainer for neonatal resuscitation.

She has represented India at national and international forums. She actively participated in health camps and her involvement was praiseworthy.

Dr. Daisy Abraham has received letters of appreciation from local authorities for her dedicated clinical services and best nurse award in 2018 by Apollo BSR Hospital, Bhilai. She also received Smt. Sushila Ghirnikar Memorial Award for Best Ladies Team by National Convention on Quality Circle, Mumbai.

सुश्री समदर जानु कामदी

ऑगज़िलरी नर्स मिडवाइफ (एएनएम)
प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र,
मंडोनी, दादरा एवं नगर हवेली

Ms. Samdar Janu Kamdi

Auxiliary Nurse Midwife (ANM)
Primary Health Centre,
Mandoni, Dadra & Nagar Haveli

सुश्री समदर जानु कामदी ने एएनएम के रूप में लगभग 30 वर्ष कार्य किया है। उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, मंडोनी, दादरा एवं नगर हवेली में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, टीकाकरण, ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य, पल्स पोलियो और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान की हैं। वह बहुत ही ईमानदार और मेहनती एएनएम हैं।

सुश्री समदर जानु कामदी को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के मुख्य चिकित्सा अधिकारी और दादरा एवं नगर हवेली केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासन से दो प्रशंसा पत्र भी मिले हैं।

Ms. Samdar Janu Kamdi has worked almost 30 years as ANM. Has been providing excellent services in MCH, FP, Immunization, RCH, Pulse Polio and National Health Programs in Primary Health Centre, Mandoni, DNH. She is sincere and hardworking.

Ms. Samdar Janu Kamdi has received two letters of appreciation from CMH, Primary Health Centre's and from Administration of Dadra & Nagar Haveli UT.

सुश्री विक्टोरिया ॲलविरा नोरोन्हा

ऑगज़िलरी नर्स मिडवाइफ (एएनएम)
प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र,
मोती दमन, दमन एवं दीव

Ms. Victoria Elvira Noronha

Auxiliary Nurse Midwife (ANM)
Primary Health Centre,
Moti Daman, Daman and Diu

सुश्री विक्टोरिया ॲलविरा नोरोन्हा ने अपने 26 वर्ष के कार्यकाल में केंद्र शासित प्रदेश दमन एवं दीव में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, ग्रामीण सार्वजनिक स्वास्थ्य, एचआईवी/एड्स, तपैदिक, टीकाकरण, गैर–संचारी रोग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के क्षेत्र में मूल्यवान और उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान की हैं। वर्तमान में वह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, मोती दमन में कार्यरत हैं। वह एक कुशल, निष्कपट और मेहनती स्वास्थ्य कार्यकर्ता हैं। वह कई कार्यशालाओं और लघु अवधि प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में भाग ले चुकी हैं।

दमन एवं दीव केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन तथा आशा वूमेंस और दामिनी वूमेंस फाउंडेशन द्वारा उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए उनकी सराहना की गई है।

Ms. Victoria Elvira Noronha with 26 years of experience has provided valuable and remarkable services in MCH, FP, RCH, HIV/AIDS, TB, Immunization, NCD's, NHP's in the Union Territory of Daman & Diu. She works in Primary Health Centre, Moti Daman. She is efficient, sincere and hard working. Has participated in many workshops and short term training courses.

She has been appreciated for her excellent work by UT Administration of Daman & Diu and Asha Women's and Damini Women's Foundation.

सुश्री सोनिया चौहान

वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी
जेपीएन एपेक्स ट्रोमा सेंटर,
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
(एम्स), नई दिल्ली

Ms. Sonia Chauhan

Senior Nursing Officer
JPN Apex Trauma Centre,
All India Institute of Medical Science
(AIIMS), New Delhi

सुश्री सोनिया चौहान, बी.एससी. (नर्सिंग) योग्यता प्राप्त कर जेपीएन एपेक्स ट्रोमा सेंटर, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली में वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं और उन्हें 13 वर्ष कार्य करने का अनुभव है। उन्होंने अतिरिक्त शिक्षा के रूप में परामर्श एवं पारिवारिक चिकित्सा में एम.एससी., आपातकालीन नर्सिंग में फैलोशिप और अस्पताल प्रबंधन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का अध्ययन किया है। उन्होंने सेवाकाल में ट्रोमा, आपातकालीन चिकित्सा, संकटकालीन देखभाल और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में अल्पकालीन पाठ्यक्रमों का भी अध्ययन किया है। वह एक ऊर्जस्वी ट्रोमा नर्स; समर्पित, बुद्धिमान एवं सक्षम संगठक और दल में कार्य करने वाली नर्स हैं, जिनकी प्रवृत्ति सहानुभूति एवं संवेदना से परिपूर्ण देखभाल प्रदान करने की है। वह जेपीएन एपेक्स ट्रोमा सेंटर, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली में आयोजित विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों, अनुसंधान अध्ययनों और परियोजनाओं में सक्रिय रूप से शामिल रहती हैं।

वह ट्रोमा, आपातकालीन और आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर (थाईलैंड में) पाठ्यक्रम समन्वयक रह चुकी हैं। उन्हें एम्सोनियंश ऑफ अमेरिका अवार्ड फॉर बैस्ट नर्स (2018) और बैस्ट नर्स इन रिसर्च वर्क (2010) से सम्मानित किया जा चुका है।

सुश्री सोनिया को ट्रोमा नर्सेज सोसाइटी ऑफ थाईलैंड से इंटरनेशनल ट्रेनर फैकल्टी (2019) और साथ ही इंडुसेम–2015 से सम्मानित फैकल्टी के लिए प्रशंसा पत्र प्राप्त हुए हैं।

Ms. Sonia Chauhan, a senior nursing officer with B.Sc. (Nursing) qualification working in JPN Apex Trauma Centre, AIIMS, New Delhi has 13 years of experience. She has undergone additional education in M.Sc. in Counselling & Family Therapy, Fellowship in Emergency Nursing and PG Certificate course in Hospital Management. She has undergone variety of short term courses on the job, in trauma, emergency medicine, critical care and disaster management. She is a dynamic Trauma Nurse, dedicated, intelligent, able organizer and team player who demonstrates empathy, compassion and caring attitude. She has been actively involved in various academic activities, research studies and projects in JPN Apex Trauma Centre, AIIMS, New Delhi.

She has been course coordinator for Trauma, emergency and disaster management training programs at National as well as International level (Thailand). She has been awarded AIIMSONIANS of America Award for the Best Nurse (2018), and Best Nurse in Research Work (2010).

Ms. Sonia has earned letters of appreciation from Trauma Nurses Society of Thailand for being International Trainer Faculty (2019) and also as esteemed faculty from INDUSEM 2015.

सुश्री शशि बाला कालरा
वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी
डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल (आरएमएल), नई दिल्ली

Ms. Shashi Bala Kalra
Senior Nursing Officer
Dr. Ram Manohar Lohia Hospital (RML), New Delhi

सुश्री शशि बाला कालरा, 35 वर्ष से अधिक के अनुभव वाली बहुत ही निष्ठावान एवं मेहनती नर्स हैं। वह वर्तमान में बीएससी (नर्सिंग) योग्यता के साथ राम मनोहर लोहिया अस्पताल (आरएमएल), नई दिल्ली में नर्सिंग सिस्टर के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने अस्पताल के विभिन्न विशिष्ट क्षेत्रों में कार्य किया है। वह आईजीआई एयरपोर्ट दिल्ली (2005) में एच1एन1 के लिए अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों के प्रवेश पर स्क्रीनिंग, दिल्ली सीरियल बम ब्लास्ट के चोट पीड़ितों की देखभाल (2005), और आरएमएल अस्पताल के पास निर्माण संरचना के ढहने पर पीड़ितों की देखभाल (2009) में अपने योगदान के लिए अच्छी तरह से जानी जाती हैं। उन्होंने नेफ्रोलॉजी और रीनल ट्रांसप्लांट के आईसीयू की स्थापना और वर्ष 2020 में इसे कोरोना वायरस वार्ड में परिवर्तित कर रोगियों की देखभाल शुरू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

उन्होंने एचआईवी और पारिवारिक शिक्षा में डिप्लोमा किया है। उन्होंने स्ट्रोक देखभाल में 20 ई–लर्निंग मॉड्यूल पूरे किए हैं। उन्होंने कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में भी भाग लिया है। वर्ष 2018 में, उन्होंने भारत स्वास्थ्य चेतना और जन संपर्क अभियान के तहत भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में एनसीडी–स्क्रीनिंग और जागरूकता अभियान में भाग लिया था।

सुश्री शशि बाला कालरा को आरएमएल अस्पताल और साथ ही परिवार नियोजन, जिला प्रशासन, भिवानी, हरियाणा में उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए स्वास्थ्य अधिकारियों से सराहना पत्र मिले हैं।

Ms. Shashi Bala Kalra is very sincere, hardworking nurse with more than 35 years of experience. She is currently working as Nursing Sister with B.Sc. (Nursing) qualification in RML Hospital, New Delhi. She has worked in various specialty areas of the hospital. She is well known for her contributions in the entry screening of international passengers for H1N1 at IGI Airport Delhi (2005), care of Delhi serial bomb blast injury victims (2005), and care of victims of collapse of civil construction structure near RML Hospital (2009). She played a significant role in establishment of ICU of Nephrology and Renal Transplant and converting the same into Corona virus ward and initiating the care of patients in 2020.

She has undergone diploma in HIV and family education. She has completed 20 e-learning modules in Stroke care. She has participated in many training programs, workshops and conferences. In 2018, she participated in NCD-screening and awareness campaign India International Trade Fair under Swasthya Chetna and Jan Sampark Abhiyan.

Ms. Shashi Bala Kalra has received many letters of appreciation for her meritorious services by health authorities at RML Hospital, as well as FP, District Administration, Bhiwani, Haryana.

सुश्री उषा रानी आहूजा
वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी
गोविंद बल्लभ पंत इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, दिल्ली

Ms. Usha Rani Ahuja
Senior Nursing Officer
Govind Ballabh Pant Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Delhi

---

सुश्री उषा रानी आहूजा, 34 वर्ष अनुभव के साथ कार्डियक केयर यूनिट (जीबी पंत इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च) राजकीय अस्पताल, दिल्ली में वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने अपना कैरियर एएनएम के तौर पर शुरू किया था, तथा उसके पश्चात उन्होंने बी.एससी. (नर्सिंग) और एम.बी.ए. की पढ़ाई भी पूरी की। वह गंभीर रूप से बीमार रोगियों की देखभाल करने के लिए एक समर्पित और सहानुभूतिशील नर्स हैं। गहन देखभाल में उनके अनुकरणीय कौशल के लिए उनकी सराहना की जाती है। अस्पताल में सतत नर्सिंग प्रशिक्षण (सीएनई) इकाई स्थापित करने में उनका सक्रिय योगदान रहा था। उसने राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न कार्यशालाओं और सम्मेलनों में भाग लिया है।

उन्होंने भारत विकास परिषद, दिल्ली शाखा और रक्तदान शिविरों, मधुमेह कल्याण सेवाओं, नेत्र दान आदि के लिए आयोजित शिविरों में सक्रिय सदस्य के रूप में भाग लिया है। उन्हें वाशिंगटन यूएसए से इंटेंसिव कार्डिएक नर्सिंग में डब्ल्यूएचओ फैलोशिप भी मिली है।

सुश्री उषा रानी आहूजा को स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा राज्य पुरस्कार दिया गया है। उन्हें उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए अस्पताल से एक पुरस्कार के साथ–साथ कई सम्मान प्रमाणपत्र भी मिले हैं।

Ms. Usha Rani Ahuja is working as Senior Nursing Officer with 34 years of experience in Cardiac Care Unit of (GB Pant Institute of Postgraduate Medical Education & Research) Govt. Hospital Delhi. Starting her career as ANM, she has completed B.Sc. (Nursing) as well as MBA. She is a dedicated, and compassionate nurse in caring for critically ill patients. She is appreciated for her exemplary skills in critical care. She was actively involved in establishing CNE cell in the hospital. She has participated in various workshops and conferences at State and National level.

She has participated as active member in camps for Bharat Vikas Parishad, Delhi Branch and blood donation camps, diabetic's welfare services, eye donation etc. She has received WHO fellowship in Intensive Cardiac Nursing in Washington USA.

Ms. Usha Rani Ahuja has received State award from Department of Health & Family Welfare for her meritorious services in the field of health care. She has also received an award and many certificates of recognition from the hospital for her outstanding services.

ब्रिगेडियर एस.वी. सरस्वती

ब्रिगेडियर (एमएनएस)
मेडिकल ब्रांच, पश्चिमी कमांड मुख्यालय,
चण्डीमन्दिर, पंचकुला, हरियाणा

Brig. S.V. Saraswati

Brigadier (MNS)
Medical Branch, HQWC,
Chandimandir, Panchkula, Haryana

ब्रिगेडियर एस.वी. सरस्वती मिलटिरी नर्सिंग सेवा में साढ़े तीन दशक से विशिष्ट सेवाएं प्रदान कर रही हैं – विशेष रूप से पेरीऑपरेटिव नर्सिंग में। वह वर्तमान में पश्चिमी कमांड में नर्सिंग सेवा प्रमुख के पद पर कार्यरत हैं। इससे पहले, वह चंडीमंदिर के कमांड अस्पताल में प्रधान मैट्रन थीं। वह एक प्रसिद्ध शल्य–चिकित्सीय नर्स हैं। उन्होंने 3,000 से अधिक जीवन रक्षक और आपातकालीन शल्य–चिकित्साओं में सहायता प्रदान की है। उन्होंने बहुत से सर्जरी रेजीडेंट्स, ओआरए और सहायक कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया है, और रोगी शिक्षण सामग्री भी तैयार की है। उन्होंने कार्डियक सर्जरी के लिए ड्रेप किट और सिवनी पैकिंग में भी सुधार किया है।

वह अत्यंत कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ एक सहज व्यक्तित्व वाली मार्गदर्शक हैं। वह उत्कृष्ट पारस्परिक कौशल की धनी हैं। वह निरंतर अध्ययन में विश्वास रखती हैं और उन्होंने रोगियों की नर्सिंग देखभाल के लिए प्रासंगिक विभिन्न एसओपी, जॉब कार्ड और प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित किया है। उन्होंने मातृत्व एवं बाल देखभाल वार्ड में आग लगने की दुर्घटना के दौरान पैदा हुई कठिन परिस्थितियों में 45 महिलाओं और 12 नवजात शिशुओं को बचाकर अनुकरणीय व्यावसायिकता और गतिशील नेतृत्व गुणों का प्रदर्शन किया है। उन्होंने सैनिकों और उनके परिजनों के लिए विभिन्न आउटरीच गतिविधियों का संचालन किया है और 1,000 सैनिकों और परिजनों को बीएलएस में प्रशिक्षित किया है। उन्होंने झारखंड के पहाड़ी और जनजातीय क्षेत्रों में भी कार्य किया है।

ब्रिगेडियर एस.वी. सरस्वती को जीओसी–इन–सी कमेंडेशन, चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ कमेंडेशन और कांगो (डीआरसी) द्वारा संयुक्त राष्ट्र पदक से सम्मानित किया गया है।

Brig. S.V. Saraswati has a distinguished service in MNS of 3½ decades especially in perioperative nursing. She is currently the Head of Nursing Services in the Western Command. Prior to this, she had been the Principal Matron at Command Hospital at Chandimandir. She is a renowned OT nurse. She has assisted in more than 3000 lifesaving and emergency surgeries. She has trained surgery residents, ORA's and auxiliary staff, and has also prepared patient teaching materials. She improvised drape kits and suture packing for cardiac surgery.

She is a natural leader with utmost devotion, dedication and commitment to profession. She has excellent interpersonal skills. She is a staunch believer in continuous learning and has streamlined various SOPs, job cards and procedures relevant to nursing care of patients. She has displayed exemplary professionalism and dynamic leadership qualities by saving 45 women and 12 new born during a fire mishap in maternity and child care wards. She has conducted various outreach activities for the troops and families and has trained 1000 soldiers and families in BLS. She has also worked in the hilly and tribal areas of Jharkhand.

Brig. S.V. Saraswati has been awarded GOC-in-C Commendation, Chief of Army Staff Commendation and also United Nations medal by Congo (DRC).

सुश्री गीता चंद्रकांत सलगांवकर

ऑगज़िलरी नर्स मिडवाइफ (एएनएम)/ एमपीएचडब्ल्यू (एफ)
प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र,
अल्डोना, गोवा

Ms. Geeta Chandrakant Salgaonkar

Auxiliary Nurse Midwife (ANM) / MPHW (F)
Primary Health Centre,
Aldona, Goa

सुश्री गीता चंद्रकांत सलगांवकर ने ग्रामीण स्वास्थ्य क्षेत्र में अपने 21 वर्ष के कार्यकाल में पीएचसी और उप–केंद्र दोनों में ही कार्य किया है। वर्तमान में वह गोवा के बटोरा उप–केंद्र में कार्यरत हैं। उन्होंने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, तपैदिक, एचआईवी/एड्स, गैर–संचारी रोग, स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्रों और सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में निष्कपट, कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान की हैं। तपैदिक और कुष्ठ रोग के मामलों की खोज में उनकी भागीदारी सराहनीय रही है। उप–केंद्र में 100 प्रतिशत संस्थागत प्रसव और अन्य सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने में उनका सक्रिय योगदान रहा है। डेंगू के प्रकोप के दौरान, उन्होंने अपने सेवाक्षेत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया था।

वर्ष 2018–19 के दौरान विश्व स्वास्थ्य संगठन दल द्वारा उनके उप–केंद्र को सर्वश्रेष्ठ केंद्र के रूप में मान्यता दी गई थी। उन्हें पूरे कार्यकाल में दी गई सेवाओं के लिए सराहना मिली है।

वह अपनी कार्य अवधि के बाद भी गांव में समाज सेवा करती हैं और स्वयंसेवक के तौर पर बेहतरीन प्रदर्शन करती हैं। मछली बाजार तक ग्रामवासियों की पहुंच न होने के मद्देनजर वह मत्स्य हैचरी निर्माण जैसी नूतन परियोजनाओं के विकास में ग्रामवासियों की मदद करती हैं।

Ms. Geeta Chandrakant Salgaonkar, with 21 years of experience in rural health field has worked both in Primary Health Centre and Sub-Centre. She is currently working in Batora Sub-Centre of Goa. With sincerity, hard work and dedication, she has provided excellent services in the areas of MCH, FP, TB, HIV/AIDS, NCD's, Health Education and all national health programs. Her participation in case finding of TB and leprosy was commendable. She actively contributed in achieving 100% institutional deliveries and many other targets in the Sub-Centre. During the outbreak of dengue, she actively participated in its control in the areas she was serving.

Her Sub-Centre was recognized as the best performing centre by WHO team during the year 2018-19. She has been appreciated for her services during her tenure throughout.

She performs well beyond her duty hours and volunteers to do social service in the village. She helps villages to develop innovative projects such as construction of fish hatchery in view of non-accessibility of fish close to village.

श्री प्रशांत गुनु देवीदास

स्टाफ नर्स
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र,
कानाकोना, गोवा

Mr. Prashant Gunu Devidas

Staff Nurse
Community Health Centre,
Canacona, Goa

श्री प्रशांत गुनु देवीदास, 28 वर्ष के नैदानिक अनुभव के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, गोवा में एक नर्सिंग अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने राजकीय कुष्ठरोग एवं तपैदिक अस्पताल में पूर्ण समर्पण के साथ समुदाय की सेवा की है। वह एक निष्ठावान और मेहनती स्वास्थ्य कर्मचारी हैं और वह उत्कृष्ट तकनीकी नर्सिंग और प्रबंधन कौशल के स्वामी हैं। उन्होंने सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया है। समुदाय में गुर्दे की विफलता के रोगियों की पहचान करने और उनकी मदद करने के लिए उनका विशेष झुकाव सराहनीय है।

उन्होंने दूरदराज के क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चलाने के साथ–साथ कई रक्तदान शिविर, गैर–संचारी रोग शिविर और स्कूल स्वास्थ्य गतिविधियों में भी भाग लिया है।

बादल फटने और इमारत ढहने से उत्पन्न हुई आपदा स्थितियों के दौरान उन्होंने बहुत योगदान देते हुए पापातीत नैतिकता का प्रदर्शन किया है। वह अपनी कार्य अवधि के उपरांत समुदाय की बहुतसी सामाजिक सेवा गतिविधियों में शामिल रहे हैं।

श्री प्रशांत गुनु देवीदास को स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों से उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सराहना प्रमाण पत्र मिला है। उन्हें समुदाय में उत्कृष्ट कार्य की सराहना के लिए ग्राम प्रशासन से भी कई प्रमाण पत्र मिले हैं।

Mr. Prashant Gunu Devidas is working as a Nursing Officer at Community Health Centre, Goa, with 28 years of clinical experience. He has worked in Govt. Leprosy & TB Hospital and served the community with dedication. He is a sincere and hardworking staff and has excellent technical nursing and management skills. He has actively participated in all National health programs. His special inclination to identify and help patients with kidney failure in the community is commendable.

He has undertaken cleanliness drive and participated in blood donation camps, non-communicable diseases camps and school health activities in the remote areas.

He has contributed immensely during disaster situations arising out of cloud busting and building collapse and he demonstrated impeccable work ethics throughout. He was involved in many social service activities in the community besides his duty hours.

Mr. Prashant Gunu Devidas has received certificate of appreciation for his excellent services from the local health authorities. He has also received many certificates of appreciation for his outstanding work in the community by village administration.

सुश्री भानुमति सोमाभाई घीवाला

हैड नर्स
एसएसजी अस्पताल,
वडोदरा, गुजरात

Ms. Bhanumati Somabhai Gheewala

Head Nurse
SSG Hospital,
Vadodara, Gujarat

सुश्री भानुमति सोमाभाई घीवाला, 30 वर्ष से अधिक के नैदानिक अनुभव के साथ एसएसजी अस्पताल, वडोदरा में प्रसूति इकाई में हैड नर्स के पद पर कार्यरत हैं।

उन्होंने एनपीएम में पोस्ट बेसिक डिप्लोमा किया है और सम्मानपूर्वक प्रसूति के दौरान मातृत्व देखभाल कर रही हैं और महिलाओं में प्रसव के दौरान वैकल्पिक प्रसव अवस्थाओं (बर्थिंग पोजीशन) को अपनाने पर जोर दे रही हैं। वह एक कुशल, प्रेरक और कड़ी मेहनत करने वाली दाई हैं, जो एमएलसीयू में नायकत्व और प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती हैं। वह नर्सों, एनपीएम और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के शिक्षण और प्रशिक्षण में शामिल रहती हैं।

वह कई लघु अवधि प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और कार्यशालाओं में भाग ले चुकी हैं। उन्होंने वडोदरा में बाढ़ के समय कई प्रसव कुशलतापूर्वक सम्पन्न करवाए थे।

सुश्री भानुमति की अपनी इकाई में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सहकर्मियों और रोगियों द्वारा व्यापक रूप से प्रशंसी की जाती है।

Ms. Bhanumati Somabhai Gheewala is working as a Head Nurse in Obstetrical Unit in SSG Hospital, Vadodara, with more than 30 years of clinical experience.

She has undergone post basic diploma in NPM and is practicing respectful maternity care and promoting alternative birthing positions to mothers during delivery. She is an efficient, inspiring and hard-working midwife, who demonstrates leadership and commitment in MLCU. She is involved in teaching and training nurses, NPMs and PG residents.

She has attended many short term training courses and workshops. She had managed deliveries efficiently during the flood time in Vadodara.

Ms. Bhanumati has been widely acclaimed by professionals and patients for her excellent services in the unit under her charge.

डॉ. प्रज्ञा पी. धाबी
रजिस्ट्रार
गुजरात उपचर्या परिषद्,
आसना, अहमदाबाद, गुजरात

Dr. Pragna P. Dhabi
Registrar
Gujarat Nursing Council,
Asna, Ahmedabad, Gujarat

डॉ. प्रज्ञा पी. धाबी वर्तमान में गुजरात उपचर्या परिषद् में रजिस्ट्रार के पद पर कार्यरत हैं। उनके पास 13 वर्ष नैदानिक, 8 वर्ष शिक्षण और 4 वर्ष प्रशासनिक अनुभव के साथ कुल 25 वर्ष का अनुभव है। वह एक उत्कृष्ट शिक्षक तथा प्रशासक हैं। उन्होंने वर्ष 2016 में पीएच.डी. पूरी कर ली थी और तभी से शोध एवं प्रकाशन में लगी हुई हैं। उन्होंने एडवांस क्लिनिकल रिसर्च में पीजी डिप्लोमा किया है। उन्होंने अस्पताल प्रशासन और स्वास्थ्यसेवा संगठन के गुणवत्ता प्रबंधन प्रत्यायन में प्रशिक्षण लिया था। एक नैदानिक नर्स के रूप में, वह एक ईमानदार और जिम्मेदार नर्स हैं।

इससे पहले वह कॉलेज ऑफ नर्सिंग, सिविल अस्पताल, अहमदाबाद में कार्यरत थीं। उन्होंने संसाधन संकाय के रूप में कई सम्मेलनों तथा कार्यशालाओं में भाग लिया है और आयोजन भी किया है। वह एनएक्यूएस के लिए एक नेशनल एक्सटरनल असेसर, ओरल हेल्थ प्रमोशन के लिए मास्टर ट्रेनर, गुजरात राजकीय अस्पताल के लिए मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करने वाली समिति की सदस्य हैं। उन्होंने टेरिटरी आर्मी ट्रेनिंग में भाग लिया है। वह आदिवासी क्षेत्रों के विकास में शामिल रही हैं।

डॉ. प्रज्ञा पी. धाबी को स्थानीय और राज्य स्तर पर प्रशासन और समुदाय के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कई सराहना पत्र मिले हैं।

Dr. Pragna P. Dhabi is working currently as Registrar in Gujarat Nursing Council. She has 25 years of experience of which 13 years clinical, 8 years teaching and 4 years administrative experience. She is an excellent educator and administrator. She has completed Ph.D. in 2016 and was involved in research and publication. She has undergone PG Diploma in Advance Clinical Research. She had training in Hospital Administration and Quality Management Accreditation of Healthcare Organization. As a clinical nurse, she is a sincere and responsible nurse professional.

She has been working in College of Nursing, Civil Hospital, Ahmedabad. She has organized and participated as resource faculty in many conferences and workshops. She is a national external assessor for NQAS, Master Trainer for Oral Health Promotion, Member of Drafting Committee for SOPs of Gujarat Govt. Hospital. She has participated in Territory Army trainings. She was involved in development of tribal areas.

Dr. Pragna P. Dhabi has received many letters of appreciation for her outstanding performance in the field of administration and community at local and State level.

डॉ. इंदिरा जाधव डेनियल

प्रधानाचार्या
फिलाडेल्फिया स्कूल ऑफ नर्सिंग,
अंबाला सिटी, हरियाणा

Dr. Indira Jadhav Daniel

Principal
Philadelphia School of Nursing,
Ambala City, Haryana

डॉ. इंदिरा जाधव डेनियल को भारत में स्कूल तथा कॉलेज में प्रशिक्षक के रूप में और अस्पताल में प्रशासक के रूप में कार्य करने का दो दशक से अधिक का अनुभव है। वह वर्तमान में अंबाला के फिलाडेल्फिया अस्पताल की नर्सिंग अधीक्षक और फिलाडेल्फिया स्कूल ऑफ नर्सिंग की उपप्रधानाचार्या के रूप में कार्य कर रही हैं।

जीएनएम से शुरू करने वाली डॉ. इंदिरा जाधव अब डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त कर चुकी हैं। अस्पताल संचालन के दौरान, वह अंबाला शहर के लोगों की देखभाल करने में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए जानी जाती हैं। उसने विभिन्न सामुदायिक गतिविधियों में भी भाग लिया है। बाढ़ और अन्य आपदाओं के दौरान, स्वास्थ्य दल के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर राहत गतिविधियों की योजना बनाने और संचालन करने में उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा है।

Dr. Indira Jadhav Daniel has more than two decades of experience in India serving as a teacher in school and college and administrator in hospital. She is currently working as Nursing Superintendent of Philadelphia Hospital of Ambala and Principal of Philadelphia School of Nursing.

Dr. Indira Jadhav starting from GNM has moved up to doctoral degree. During the hospital leadership, she was known for her exemplary contribution in providing care to the people of Ambala city. She has also participated in various community activities. Her contribution during floods and other calamities in planning and organizing relief activities along with other health team members is significant.

सुश्री विद्या भरंता
लेडी हेल्थ विजिटर (एलएचवी)/
महिला स्वास्थ्य पर्यवेक्षक
सिविल अस्पताल, रोहड़ू,
शिमला, हिमाचल प्रदेश

Ms. Vidya Bharanta
Lady Health Visitor (LHV) /
Female Health Supervisor
Civil Hospital, Rohru,
Shimla, Himachal Pradesh

सुश्री विद्या भरंता ने अपने 36 वर्ष के महिला स्वास्थ्य पर्यवेक्षक के कार्यकाल में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, गैर–संचारी रोग, आईईसी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के संबंध में ग्रामीण और पिछड़े/दुर्गम क्षेत्रों में सराहनीय सेवाएं प्रदान की हैं और उनके पदस्थापन के सभी पांच ग्रामीण क्षेत्रों के उनके सहकर्मियों और मुख्य चिकित्सा अधिकारियों द्वारा उनकी बहुत ही प्रशंसा की गई है। वह उत्कृष्ट कोल्ड चेन हैंडलर, आशा ट्रेनर, कायाकल्प समिति की सदस्या हैं। वह समय की पाबंद हैं और अपने कार्य के प्रति समर्पित हैं।

उन्होंने वर्ष 1997 में आई चिरगांव बाढ़ त्रासदी में तथा कई अन्य बड़ी दुर्घटनाओं में लोगों की सेवा की है। उन्होंने वर्ष 2002 में आई प्लेग महामारी के दौरान उत्कृष्ट कार्य किया था। कैंसर रोगियों की उनकी उत्कृष्ट और उल्लेखनीय देखभाल और वित्तीय योगदान के लिए उन्हें उप–जिला मजिस्ट्रेट द्वारा सम्मानित किया गया था।

सुश्री विद्या भरंता को राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और कैंसर नियंत्रण अधिकारी, सिविल अस्पताल, रोहड़ू, शिमला, हिमाचल प्रदेश से उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए कई पुरस्कार और प्रमाण पत्र मिले हैं, जहां वह वर्तमान में कार्यरत हैं।

Ms. Vidya Bharanta, with 36 years of experience as LHV has provided meritorious services in rural and backward/difficult areas in regard to MCH, immunization, NCD's, IEC, National Health programs and highly appreciated by CMO's and her health team members in all her five rural field postings. She is excellent cold chain handler, ASHA trainer, member of Kayakalp committee etc. She is very punctual and dedicated in her work.

She attended many major accidents in the field and Chirgaon flood tragedy in 1997. She did outstanding work during plague epidemic in 2002. Her outstanding and remarkable care and contribution to cancer patients even providing financial support was recognized and honoured by Sub-District Magistrate.

Ms. Vidya Bharanta, has received numerous awards and certificates of appreciation for her meritorious services from State Health & Family Welfare and Cancer Control Officer, Civil Hospital, Rohru, Shimla, Himachal Pradesh where she is currently working.

सुश्री अरुणा कुमारी

वार्ड सिस्टर
नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जोनल अस्पताल, मंडी, हिमाचल प्रदेश

Ms. Aruna Kumari

Ward Sister
Netaji Subhash Chandra Bose Zonal Hospital, Mandi, Himachal Pradesh

---

सुश्री अरुणा कुमारी तीन दशक से वरिष्ठ नर्स हैं और वर्तमान में प्रभारी नर्स के पद पर कार्यरत हैं। वह एनएससीबी जोनल अस्पताल, मंडी, हिमाचल प्रदेश में प्रतिनियुक्ति पर हैं। वह अपने कार्यक्षेत्र में निष्कपट, निष्ठावान और कुशल हैं और उत्कृष्ट नेतृत्व और संचार कौशल की धनी हैं।

उन्होंने हिमाचल प्रदेश में आई बस दुर्घटना तथा भूमि–स्खलन जैसी बहुत सी आपदाओं में अत्यंत कुशलतापूर्वक सेवा प्रदान की हैं। वह कई रक्तदान शिविरों में भाग ले चुकी हैं और कायाकल्प कार्यक्रम में संक्रमण नियंत्रण नर्स के रूप में भी कार्य किया है। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में आपातकालीन कर्तव्यों का पालन किया है।

सुश्री अरुणा कुमारी को, जोनल अस्पताल में उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए सम्मान पुरस्कार मिला है और रक्तदान में उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, जोनल अस्पताल, मंडी द्वारा सम्मानित किया गया है।

Ms. Aruna Kumari is a Senior Nurse for over three decades and currently working as in-charge nurse. She is on deputation to NSCB Zonal Hospital, Mandi, Himachal Pradesh. She is honest, sincere and proficient in her field of work and has good leadership and communication skills.

She has served in various difficult catastrophes such as bus accident and land slide very efficiently in Himachal Pradesh. She has participated in various blood donation camps and served as infection control nurse in Kayakalp program. She has performed emergency duties in difficult circumstances.

Ms. Aruna Kumari has received award of honour for her meritorious services at Zonal Hospital and certificate of honour by Health & Family Welfare Department, Zonal Hospital, Mandi for her distinguished services in blood donation.

डॉ. शैला कैनी

प्रधानाचार्या
श्री माता वैष्णो देवी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, श्री माता वैष्णो देवी नारायणा सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल परिसर, करक्याल, कटरा, जम्मू–कश्मीर

Dr. Shailla Cannie

Principal
Shri Mata Vaisho Devi College of Nursing, SMVDNSH Campus, Karkyal, Katra, Jammu & Kashmir

डॉ. शैला कैनी, एसएमवीडी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एसएमवीडी यूनिवर्सिटी, कटरा, जम्मू–कश्मीर की प्रधानाचार्या एवं डीन के पद पर कार्यरत हैं। उन्हें 25 वर्ष का अनुभव है और उन्होंने अपने पूरे कार्यकाल में समर्पण का प्रदर्शन किया है। वह एक समर्थ, मेहनती, आत्मविश्वासी, ईमानदार और भरोसेमंद नर्स हैं। वह एक उत्कृष्ट शिक्षक, टीम लीडर, प्रशासक तथा पीएच.डी. मार्गदर्शक हैं।

उन्हें जिनेवा स्विट्जरलैंड में अंतर्राष्ट्रीय उपचर्या परिषद् नेतृत्व कार्यक्रम, 2018 के ग्लोबल नर्सिंग लीडरशिप इंस्टीट्यूट में भाग लेने के लिए चुना गया था। उन्होंने राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बहुत सी कार्यशालाओं और सम्मेलनों में शोध पत्र प्रस्तुत किए हैं तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित भी हुए हैं। उन्होंने कई अनुसंधान परियोजनाओं को अंजाम दिया है और सभी परियोजनाओं में, उन्होंने मिश्रित तरीकों का उपयोग किया है।

Dr. Shailla Cannie is working as Principal and Dean of SMVD College of Nursing, SMVD University, Katra, Jammu and Kashmir. She has 25 years of experience and has demonstrated dedication throughout. She is professionally sound, hardworking, confident, sincere and trustworthy. She is an excellent teacher, team leader, and administrator. She is a Ph.D. Guide.

She has been selected to participate in the Global Nursing Leadership Institute for the ICN leadership program, 2018 at Geneva Switzerland. She has presented various papers in workshops and conferences at National and International level. Has published papers in National and International journals. She has carried out many research projects and in all projects, she has used mixed methods approach.

सुश्री अशीसन कुल्लू

स्टाफ नर्स
आरआईएमएस अस्पताल,
बरियातू, रांची, झारखंड

Ms. Ashisan Kullu

Staff Nurse
RIMS Hospital,
Bariatu, Ranchi, Jharkhand

सुश्री अशीसन कुल्लू ने 22 वर्ष के अपने कार्यकाल में विभिन्न नैदानिक परिस्थितियों में कार्य किया है। वर्तमान में, वह आरआईएमएस अस्पताल, बरियातू, रांची, झारखंड में नर्सिंग अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। वह एक निष्ठावान, मेहनती और समर्पित नर्स हैं।

उन्होंने जीएफएटीएम में प्रशिक्षण प्राप्त करने के साथ–साथ कई सीएनई कार्यशालाओं में भाग लिया है। उन्होंने स्वेच्छा से जनजातीय क्षेत्र में आयोजित स्वास्थ्य शिविरों में भी भाग लिया है।

सुश्री अशीसन कुल्लू को आयुष्मान भारत योजना के निष्पादन में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए सराहना प्रमाण पत्र मिला है।

Ms. Ashisan Kullu with 22 years of experience has worked in different clinical settings. Currently, she is working as Nursing Officer in RIMS Hospital, Bariatu, Ranchi, Jharkhand. She is a sincere, hardworking and dedicated nurse.

She has undergone GFATM training and attended many CNE workshops. She has voluntarily participated in health camps in tribal area.

Ms. Ashisan Kullu received a certificate of appreciation for her exemplary contribution towards execution of Ayushman Bharat Scheme.

सुश्री मरियम्मा एम.सी.

ऑगज़िलरी नर्स मिडवाइफ (एएनएम)/
कनिष्ठ स्वास्थ्य सहायक
प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, नंदागुड़ी, तालुक
होसकोटे, जिला बंगलूरू, कर्नाटक

Ms. Mariyamma M.C.

Auxiliary Nurse Midwife (ANM) /
Junior Health Assistant
Primary Health Centre, Nandagudi, Taluk
Hoskote, District Bengaluru, Karnataka

सुश्री मरियम्मा एम.सी., को बंगलूरू ग्रामीण जिले के उप–केंद्र और पीएचसी दोनों में एएनएम के रूप में कार्य करने का 30 वर्ष का अनुभव है। वह वर्तमान में नंदागुड़ी पीएचसी, होसकोटे तालुक में कार्यरत हैं। उन्होंने सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों विशेष रूप से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, परिवार नियोजन और टीकाकरण कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया है। उप–केंद्र और पीएचसी में उनकी कड़ी मेहनत, ईमानदारी और दक्षता की सराहना की जाती है।

उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन द्वारा राज्य तथा केंद्र स्तर पर आयोजित बहुत से प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कार्यशालाओं में भाग लिया है।

सुश्री मरियम्मा एम.सी. को राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन द्वारा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, टीकाकरण और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में उनके अच्छे काम के लिए दो बार सम्मानित किया गया है।

Ms. Mariyamma M.C., ANM has 30 years of experience in both Sub-Centre and Primary Health Centre in Bangalore. She is currently working in Nandagudi Primary Health Centre, Hoskote Taluk. She has actively participated in all national health programs particularly in MCH, FP and immunization. Her hard work, sincerity and efficiency in Sub-Centre and Primary Health Centre were appreciated.

She has attended many training programs and workshops conducted by NRHM at state and central level.

Ms. Mariyamma M.C. was awarded two times by NRHM for her good work in regard to MCH, FP, Immunization and National Health Programs.

सुश्री के. गायत्री देवी

लेडी हेल्थ विजिटर (एलएचवी)
जिला तपैदिक केंद्र, सी.जी. अस्पताल,
दावनगिरी, कर्नाटक

Ms. K. Gayathri Devi

Lady Health Visitor (LHV)
District T.B. Center, C.G. Hospital,
Davangere, Karnataka

सुश्री गायत्री देवी पिछले 34 वर्ष से सेवा कर रही हैं। वह एक कुशल, दरियादिल और मेहनती नर्स हैं। वह मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, आरएनसीटीपी, एचआईवी/एड्स, संक्रामक रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण, आईईसी, परामर्श आदि के संबंध में स्वास्थ्य केंद्र में अपनी मेधावी सेवाओं के लिए जानी जाती हैं। वह वृद्धाश्रमों तथा महिलाओं एवं बच्चों की देखभाल करने वाले संस्थानों का दौरा करती रहती हैं और आवश्यकतानुसार स्वास्थ्य शिक्षा एवं परामर्श सेवाएं प्रदान करती हैं।

सुश्री गायत्री को कई प्रशंसा पमाणपत्र तथा पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। उनके अनुकरणीय कार्य के लिए जिला अस्पताल अधिकारियों द्वारा उन्हें सराहना प्रमाण पत्र प्रदान किया गया था।

लायंस क्लब, नेशनल प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया और न्यूजपेपर्स एसोसिएशन ऑफ कर्नाटक ने उन्हें फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार से सम्मानित किया था।

Ms. Gayathri Devi, has 34 years of service to her credit. She is an efficient, kind hearted and hardworking nurse. She is known for her meritorious services at the health centre in regard to MCH, FP, RNTCP, HIV/AIDS, prevention and control of infectious diseases, IEC, counselling etc. She visits old age homes and institutions caring for women and children and imparts need based health education and counselling.

Ms. Gayathri Devi has been honoured with certificates of appreciation and awards. She has received certificate of appreciation from District Hospital authorities for her exemplary work.

Lions Club, the National Press Council of India and the Newspapers Association of Karnataka awarded her Florence Nightingale Award.

सुश्री गीता पी.

हैड नर्स
गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल,
कोझीकोडे, केरल

Ms. Geetha P.

Head Nurse
Govt. Medical College Hospital,
Kozhikode, Kerala

सुश्री गीता पी. तीन दशक से अधिक का अनुभव रखने वाली एक बहुत ही वरिष्ठ नर्स हैं। वह गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल, कोझीकोड, केरल की कार्डियोलॉजी यूनिट में हैड नर्स के पद पर कार्यरत हैं। वह एक निष्ठावान, मेहनती और समर्पित नर्स हैं। उन्होंने कई सीएनई कार्यक्रमों में भाग लिया है।

उन्होंने नेपाह प्रकोप के दौरान सराहनीय कार्य किया है तथा केरल में बाढ़ राहत कार्यों में भी भाग लिया है। वह आपदा प्रबंधन दल की सदस्या हैं।

सुश्री गीता पी. को ''केरल राज्य की वर्ष 2019 की सर्वश्रेष्ठ नर्स'' के रूप में सम्मानित किया गया है और नेपाह महामारी को नियंत्रित करने में उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए उन्हें कई प्रशंसा पत्र भी मिले हैं।

Ms. Geetha P. is a very senior nurse having experience of over three decades. She has been working as Head Nurse in Cardiology Unit of Govt. Medical College Hospital, Kozhikode, Kerala. She is a sincere, hardworking and dedicated nurse. She has participated in several CNE programs.

She has worked during NIPAH outbreak. She has participated in flood relief operations in Kerala. She is a member of Disaster Management team.

Ms. Geetha P. has been awarded with "Best Nurse of Kerala State-2019" and has several appreciation letters for her commendable service to control NIPAH epidemic.

श्री मोहम्मद आसिफ
नर्सिंग अधिकारी
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी),
अंड्रॉथ, लक्षद्वीप

Mr. Mohammed Asif
Nursing Officer
Community Health Centre (CHC),
Androth, Lakshadweep

श्री मोहम्मद आसिफ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), अंड्रॉथ, लक्षद्वीप में कार्यरत एक निष्ठावान, मेहनती, जिम्मेदार और समर्पित वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी हैं। वह अपने 26 वर्ष के कार्यकाल में कई नवजात पुनर्जीवन, गहन देखभाल और बीएलएस में अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया है।

उन्होंने वर्ष 1998, 2006 और 2017 में हर बार 3 महीने के लिए मक्का (साउदी अरब) में भारतीय हज़ तीर्थयात्रियों की देखभाल की है, जिसे भारत सरकार, लक्षद्वीप प्रशासन और स्वास्थ्य सेवा निदेशालय (डीएचएस) द्वारा काफी सराहा गया है। उन्होंने सुनामी, ओखी चक्रवात और महा चक्रवात में आपातकालीन बचाव दल के सदस्य के रूप में बचाव कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लिया है।

श्री मोहम्मद आसिफ को हैजा, चिकनगुनिया और एच1एन1 फ्लू महामारी नियंत्रण सेवाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल, रीजनल सेंटर, केरल से कई सराहना पत्र मिले हैं।

Mr. Mohammed Asif is a sincere, hardworking, responsible and dedicated Senior Nursing Officer working in CHC, Androth, Lakshadweep. He has a total experience of 26 years. He has undergone short term training programs in new born resuscitation, critical care and BLS.

He cared for Indian Haji Pilgrims in Kingdom of Saudi Arabia at Makah for 3 months each time in 1998, 2006 and 2017 which is greatly appreciated by Government of India, Lakshadweep Administration and DHS. He actively participated in rescue operations in Tsunami, Okhi cyclone and MAHA cyclone as emergency rescue team member.

Mr. Mohammed Asif has received letters of appreciation from National Centre for Disease Control, Regional Centre, Kerala for his outstanding performance in cholera, chikungunya, and H1N1 flu epidemics control services.

सुश्री रश्मि पांडेकर

नर्सिंग सिस्टर
महात्मा गाँधी जिला अस्पताल,
देवास, मध्य प्रदेश

Ms. Rashmi Pandekar

Nursing Sister
Mahatma Gandhi District Hospital,
Dewas, Madhya Pradesh

सुश्री रश्मि पांडेकर एक वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी हैं, जिन्हें विभिन्न नैदानिक क्षेत्रों में कार्य करने का 42 वर्ष का अनुभव है। वह वर्तमान में महात्मा गाँधी जिला अस्पताल, देवास, मध्य प्रदेश में कार्यरत हैं। वह एक निष्ठावान, निष्कपट और मेहनती नर्स हैं। उन्होंने एएनएम के रूप में अपना कैरियर शुरू किया था और आगे चलकर नर्सिंग बहन तक पहुंची हैं।

उन्होंने प्रसव के लिए स्क्वाटिंग चेऑर विकसित कर उसका उपयोग करके मातृत्व क्षेत्र में अनूठा कार्य किया है। वह विभिन्न क्षेत्रों के कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग ले चुकी हैं। उन्होंने बहुत सी सामुदायिक और सामाजिक सेवा गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया है।

सुश्री रश्मि पांडेकर को उनकी मेधावी सेवाओं के लिए मान्यता पत्र भी प्राप्त हुए हैं।

Ms. Rashmi Pandekar is a Senior Nursing Officer who has worked in many clinical areas. She has 42 years of experience. She is currently working in Mahatma Gandhi District Hospital, Dewas, Madhya Pradesh. She is an honest, sincere and hardworking nurse. She started her career as ANM and has moved up to nursing sister.

She has done innovative work in maternity area by developing and using squatting chair for deliveries. She has undergone many trainings in various areas. She has actively participated in community and social service activities.

Ms. Rashmi Pandekar has received many letters of recognition for her meritorious services.

सुश्री प्रेमलता संजय पाटिल
ऑगज़िलरी नर्स मिडवाइफ (एएनएम)
प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र,
नशीराबाद, जिला जलगांव,
महाराष्ट्र

Ms. Premlata Sanjay Patil
Auxiliary Nurse Midwife (ANM)
Primary Health Centre,
Nashirabad, District Jalgaon,
Maharashtra

सुश्री प्रेमलता संजय पाटिल एक निष्कपट, मेहनती और समर्पित एएनएम हैं। वह वर्तमान में महाराष्ट्र के जलगांव खुर्द उप–केंद्र में कार्यरत हैं। उन्हें 14 वर्ष का अनुभव है और उन्होंने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, टीकाकरण, ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य, तपैदिक, कुष्ठ रोग, पोलियो और अन्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में कुशल स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की हैं। वह स्वास्थ्य शिक्षा क्षेत्र और अपने रोगियों को परामर्श देने में उत्कृष्ट एएनएम हैं। विभिन्न लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में उन्होंने महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

उन्होंने कई सतत नर्सिंग शिक्षा (सीएनई) कार्यशालाओं और अल्पावधि पाठ्यक्रमों में भाग लिया है। उन्हें अपनी सराहनीय सेवाओं के लिए स्थानीय, जिला एवं राज्य स्वास्थ्य अधिकारियों से प्रशंसा पत्र मिले हैं।

Ms. Premlata Sanjay Patil is a sincere, hardworking and dedicated ANM. She is currently working in the Jalgaon Khurd Sub-Centre of Maharashtra. She has 14 years of experience and provided efficient health services in MCH, FP, immunization, RCH, TB, Leprosy, Polio and other national health programs. She is excellent in health education and counselling of her patients. Has significantly contributed towards achieving various targets.

She has attended several CNE workshops and short term courses. She received numerous letters of appreciation from local/district/state health authorities for her meritorious services.

सुश्री शालिनी नाजुकराव कुमारी

प्रभारी नर्स (सेवानिवृत्त)
जिला अस्पताल,
गढ़चिरौली, महाराष्ट्र

Ms. Shalini Najukrao Kumare

In-charge Sister (Retired)
District Hospital,
Gadchiroli, Maharashtra

सुश्री शालिनी नाजुकराव कुमारी एक वरिष्ठ नर्सिंग कर्मी हैं जिन्होंने अपने 35 वर्ष के कार्यकाल में विभिन्न क्षमताओं में काम किया है। 31 जनवरी 2020 को सेवानिवृत्ति के समय वह जिला अस्पताल, गढ़चिरौली, महाराष्ट्र में प्रभारी बहन के पद पर कार्यरत थीं। उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी), टीबी अस्पताल और जिला अस्पताल में कार्य किया है। उन्होंने सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में उत्कृष्ट योगदान दिया है। वह आपातकालीन जीवन रक्षक उपकरणों को संभालने में अनुभवी हैं। वे बहुत से प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग ले चुकी हैं।

उन्होंने नक्सल पीड़ित क्षेत्रों में आपातकालीन इकाइयों में कार्य किया है और अंग दान जैसे क्षेत्रों में भी कार्य किया है। वह वीवीआईपी ड्यूटी भी कर चुकी हैं।

सुश्री शालिनी नाजुकराव कुमारी को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए अस्पताल प्रशासन से सराहना प्रमाण पत्र मिला है।

Ms. Shalini Najukrao Kumare is a senior nursing professional who has worked in various capacities and has a total of 35 years of experience. She was working as in-charge sister in District Hospital, Gadchiroli, Maharashtra and retired on 31st January 2020. She has worked in Primary Health Centre, TB Hospital and District Hospital. She has made excellent contribution in all National health programs. She is well experienced in handling emergency life-saving equipment. She has attended many training programs.

She worked in emergency units in Naxal afflicted areas. She has worked in the area of organ donation. She has done duties with VVIPs.

Ms. Shalini Najukrao Kumare has received certificate of appreciation for her outstanding services from the hospital administration.

सुश्री लेटमॅन पसलेन

ऑगज़िलरी नर्स मिडवाइफ (एएनएम)
सेमासी उप–केंद्र,
सुटुंगा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र,
जिला ईस्ट जैंटिया हिल्स, मेघालय

Ms. Leitmon Paslein

Auxiliary Nurse Midwife (ANM)
Semmasi Sub-Centre
under Sutnga Community Health Centre,
East Jaintia Hills District, Meghalaya

सुश्री लेटमॅन पसलेन ने मेघालय के दुर्गम क्षेत्रों में 20 वर्ष से कार्य करते हुए अपने समुदाय को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम, तपैदिक, मानसिक स्वास्थ्य, टीकाकरण, स्वास्थ्य शिक्षा और परामर्श से संबंधित उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान की हैं। वह पिछले दो दशकों से पहाड़ी जिले के विभिन्न उप–केंद्रों में कार्य कर रही हैं। उन्हें दुर्गम क्षेत्रों में अपनी सेवाएं प्रदान करने के लिए कई बार नदी पार करनी पड़ती हैं और बहुत बार पहाड़ियों पर चढ़कर जाना पड़ता है। वह अपने समर्पण, कड़ी मेहनत और ईमानदारी के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया है।

सुश्री लेटमॅन पसलेन को स्वास्थ्य केंद्र पर कार्य करने के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी, गैर–सरकारी संगठनों और ग्रामीणों से उनकी उत्कृष्ट प्रतिबद्ध सेवाओं और जीवनरक्षक गतिविधियों के लिए कई प्रशंसा पत्र मिले हैं।

Ms. Leitmon Paslein, with 20 years of working experience in difficult areas of Meghalaya has provided excellent services to her community in regard to MCH, FP, RCH, National Health Programs, TB, Mental Health, Immunization, Health Education and Counselling. She has been working in various Sub-Centres in the hilly district for the entire two decades. She has to travel via rivers and climbing up the hills for providing services. She is known for her dedication, hard work and sincerity. She has attended various workshops and training programs conducted by NRHM.

Ms. Leitmon Paslein, has received numerous letters of appreciation from CMO's at health centre, NGO's and villagers for her outstanding committed services and life-saving activities.

सुश्री के. बेकलुन

ऑगज़िलरी नर्स मिडवाइफ (एएनएम)
पोस्ट पार्टम प्रोग्राम सेंटर (पीपीसी),
जिला अस्पताल,
चूराचांदपुर, मणिपुर

Ms. K. Biaklun

Auxiliary Nurse Midwife (ANM)
Post Partum Program Centre (PPC),
District Hospital,
Churachandpur, Manipur

सुश्री के. बेकलुन ने अपने 14 वर्ष से अधिक अवधि के कार्यकाल में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, तपैदिक, एचआईवी/एड्स के क्षेत्र और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में बड़े पैमाने पर कार्य किया है। वर्तमान में वह मणिपुर के एक उप–केंद्र में कार्यरत हैं। उन्होंने डेंगू और जापानी इंसेफेलाइटिस के प्रकोप के नियंत्रण में सक्रिय रूप से भाग लिया था। वह अपनी निःस्वार्थ सेवा और कर्तव्य निष्ठा के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने कई सतत नर्सिंग शिक्षा (सीएनई) कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया है।

वह विभिन्न स्वयंसेवी सेवाओं में भी सम्मिलित होती रहती हैं जैसे कि होम केयर सेंटर्स पर परित्यक्त शिशु और बुजुर्गों की देखभाल करना। उन्होंने दो बच्चों को त्यूथा नदी में डूबने से बचाने में सक्रिय भूमिका निभाई थी।

उन्हें राज्य स्वास्थ्य अधिकारियों और अन्य संगठनों से उनकी समर्पित सेवाओं के लिए कई सराहना प्रमाण पत्र भी मिले हैं।

Ms. K. Biaklun, with more than 14 years of experience has worked extensively in providing MCH, FP, TB, HIV/AIDS and national health programs. She is working in a Sub-Centre in Manipur. She actively participated in the control of dengue and Japanese encephalitis outbreak. She is known for her selfless service and devotion. Has attended many CNE workshops and training programs.

She is involved in many volunteer services such as caring for abandoned babies and elderly in home care centres. She actively participated in saving two children who were drowned in Tuitha River.

She has received many certificates of appreciation for her dedicated services from the State health authorities and other organizations.

सुश्री सगोलसम रमा मैतइ चानू
नर्सिंग सिस्टर
जिला अस्पताल,
चूराचांदपुर, मणिपुर

Ms. Sagolsem Rama Meitei Chanu
Nursing Sister
District Hospital,
Churachandpur, Manipur

सुश्री सगोलेसम रमा मैतइ चानू, मणिपुर के जेएनआईएमएस अस्पताल में नर्सिंग सिस्टर के पद पर कार्यरत हैं और उन्हें 30 से अधिक वर्ष का अनुभव है। उन्हें सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्य करने के दौरान सुदूर पहाड़ी इलाकों में भी तैनात किया गया था। इस दौरान उन्होंने सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया था। वह निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों में भी भाग ले चुकी हैं। उन्होंने निरंतर व्यावसायिक विकास के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भी भाग लिया है।

उन्होंने आग के प्रकोप के दौरान लोगों की सेवा की और कई लोगों की जान बचाई है।

सुश्री सगोलसम रमा मैतई चानू ने समुदाय और अस्पताल दोनों में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान की हैं और उन्हें कई प्रशंसा प्रमाण पत्र भी मिले हैं।

Ms. Sagolsem Rama Meitei Chanu is working as a Nursing Sister in JNIMS Hospital, Manipur and has a total experience of more than 30 years. She was also posted in remote hilly areas while working in Primary Health Centres. During this time she has actively participated in all national health programs. She has also participated in free health camps. She has undergone various training programs for continued professional development.

She has served people during outbreak of fire and saved many lives and property.

Ms. Sagolsem Rama Meitei Chanu has rendered outstanding services in both community and hospital and has received many certificates of appreciation.

सुश्री वनललथुऑमी

ऑगज़िलरी नर्स मिडवाइफ (एएनएम)/
स्वास्थ्य कार्यकर्ता (महिला)
थैरिॲट उप–स्वास्थ्य केंद्र,
लुगलेइ, मिजोरम

Ms. Vanlalthuami

Auxiliary Nurse Midwife (ANM) /
Health Worker (F)
Theiriat Sub-Health Centre,
Luglei, Mizoram

सुश्री वनललथुऑमी ने मिजोरम के दूरदराज के क्षेत्रों में समुदाय की सेवा करते हुए, विभिन्न उप–केंद्रों में 28 वर्ष कार्य किया है। उन्हें बिना किसी सार्वजनिक परिवहन सुविधा के स्वास्थ्य केंद्र पहुंचना पड़ता था। उन्होंने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम, टीकाकरण, किशोर देखभाल, स्वास्थ्य शिक्षा एवं परामर्श से संबंधित उत्कृट सेवाएं प्रदान की हैं। वह अपनी सेवा के दौरान एक मां की बची हुई गर्भनाल को हाथ से निकालने में कामयाब रही थीं, जिनका घर पर प्रसव के बाद काफी मात्रा में रक्तस्राव हो रहा था। उन्होंने दवा देने के साथ–साथ आईवी फ्लुइड चढ़ाकर गर्भनाल को हाथ से निकालकर उसकी जान बचाई थी।

सुश्री वनललथुऑमी को संबंधित स्वास्थ्य अधिकारियों से उनकी समर्पित सेवाओं, प्रतिबद्धता और कड़ी मेहनत के लिए कई प्रशंसा पत्र मिले हैं।

Ms. Vanlalthuami, has worked for 28 years in various Sub-Centres, serving the community from remote areas of Mizoram. She had to reach the health centre without any public transport facility. She was excellent in providing services related to MCH, FP, National Health Programs, Immunization, Adolescent Care, Health Education and Counselling. During her service she managed to remove manually retained placenta of a mother who bled profusely after delivery at home. She saved her life by giving medication, IV Fluids alongside removing the retained placenta.

Ms. Vanlalthuami, has received letters of appreciation for her dedicated services, commitment and hard work from concerned health authorities.

सुश्री सी. डेंगथांगपुई

लेडी हेल्थ विजिटर (एलएचवी)/
स्वास्थ्य पर्यवेक्षक
आइजोल साउथ मेन सेंटर, मिजोरम

Ms. C. Dengthangpuii

Lady Health Visitor (LHV) /
Health Supervisor
Aizawl South Main Centre, Mizoram

सुश्री डेंगथांगपुई ने अपने 38 वर्ष के कार्यकाल में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, तपैदिक, मलेरिया, एचआईवी/एड्स, पर्यावरणीय स्वच्छता एवं स्वास्थ्य शिक्षा और परामर्श सेवा प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वह मिजोरम के एक दूरदराज के गांव आइजोल साउथ मेन सेंटर में स्वास्थ्य पर्यवेक्षक के पद पर कार्यरत हैं। वह एक ईमानदारी और समर्पित स्वास्थ्य कार्यकर्ता हैं। वह बहुत से राष्ट्रीय और राज्य–स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग ले चुकी हैं।

उन्हें राज्य स्वास्थ्य सोसाइटी (टीबी नियंत्रण), स्वास्थ्य सेवा निदेशालय द्वारा सर्वश्रेष्ठ डॉट प्रदाता पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, और सुदूर इलाके में, जहां कोई भी डॉक्टर उपलब्ध नहीं था, 7 दिन तक बेहोश अवस्था में मलेरिया से पीड़ित एक 13 वर्षीय लड़के की स्थायी आदेशों और मानक दिशानिर्देशों का पालन करते हुए चिकित्सा कर, उसे बचाने में उनके अनुकरणीय कार्य के लिए उनकी सराहना की गई है। यंग मिज़ो एसोसिएशन ने मलेरिया नियंत्रण, स्वच्छता सुधार और कृमिहरण (डीवर्मिंग) सेवाओं में सक्रिय भागीदारी के लिए उनकी अत्यधिक प्रशंसा की है।

Ms. C. Dengthangpuii with 38 years of experience made significant contribution in providing MCH, FP, TB, Malaria, HIV/AIDS, environmental hygiene and health education and counselling services. She is working in Aizawl South Main Centre, a remote village in Mizoram as health supervisor. She is a sincere dedicated health worker. She has attended many national and state training programs.

She received best DOT provider award by State Health Society (TB Control) DHS, and appreciations for her exemplary work in saving a 13 year old boy suffering from Malaria in remote area unconscious for 7 days, where no doctor was available and just treated with standing orders and standard guidelines. Young Mizo Association is highly appreciative of her active participation in malaria control, sanitation improvement and deworming services.

सुश्री प्रेमालता बारिक

लेडी हेल्थ विजिटर (एलएचवी)/
बहुउद्देशीय स्वास्थ्य पर्यवेक्षक
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र,
कुजंग, जगतसिंघपुर, ओड़िशा

Ms. Premalata Barik

Lady Health Visitor (LHV) /
Multipurpose Health Supervisor
Community Health Centre,
Kujang, Jagatasinghpur, Odisha

सुश्री प्रेमालता बारिक को ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य क्षेत्र में 22 वर्ष का अनुभव है। वर्तमान में वह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कुजंग, ओडिशा में कार्यरत हैं। वह ईमानदार, कर्मठ और परिश्रमी होने के साथ–साथ समय की पाबंद, अनुशासित और समर्पित भी हैं। वह समुदाय के साथ उत्कृष्ट तालमेल रखती हैं। वह राज्य में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संचालित कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कार्यशालाओं में भाग ले चुकी हैं।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, तपैदिक, कुष्ठ रोग, एचआईवी/एड्स, मानसिक स्वास्थ्य, राष्ट्रीय कृमिहरण (डीवर्मिंग), टीकाकरण, डेंगू, स्वाइन फ्लू और स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में उनका प्रदर्शन बहुत ही प्रशंसनीय रहा है और संबंधित स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा उसकी सराहना की जाती है। उन्होंने लक्ष्य प्राप्त करने में, विशेष रूप से संस्थागत प्रसव और टीकाकरण में, महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें कई सराहना प्रमाणपत्र दिए गए हैं।

Ms. Premalata Barik has 22 years of experience in rural community health field. Currently she is working in Community Health Centre, Kujang, Odhisa and is found sincere, diligent and hardworking. She is punctual, disciplined and dedicated. Maintains excellent rapport with the community. She has attended many training programs and workshops conducted by State NHM.

Her performance with regard to MCH, FP, TB, leprosy, HIV/AIDS, mental health, national deworming, immunization, dengue, swine flu and health education is very well acknowledged and appreciated by concerned health authorities. She has contributed significantly towards achieving targets particularly in institutional delivery and immunization.

Numerous certificates of appreciation for her outstanding work are bestowed on her.

सुश्री पी. लथा

ऑगज़िलरी नर्स मिडवाइफ (एएनएम)
प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र,
करयमबुथूर, पुडुचेरी

Ms. P. Latha

Auxiliary Nurse Midwife (ANM)
Primary Health Centre,
Karayambuthur, Puducherry

सुश्री पी. लता, ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य क्षेत्र में 22 वर्ष का अनुभव रखने वाली एक बहुत ही समर्पित, मेहनती और कुशल एएनएम हैं। वह वर्तमान में पुडुचेरी के एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत है। वह नई नर्सों के लिए एक आदर्श नर्स हैं। वह सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से शामिल रहती हैं। वह जिस समुदाय की सेवा करती हैं, उससे बहुत प्यार करती हैं। मातृ एवं नवजात सेवाएं प्रदान करने में उनकी दक्षता के फलस्वरूप प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उनके आने के बाद समुदाय में मातृ या नवजात मृत्यु को शून्य हो गया है।

वह नियमित रूप से रक्त दान करती है और UYIRTHULI से "बेस्ट ब्लड सपोर्टर" की प्राप्तकर्ता है।

सुश्री पी. लता को कई प्रशंसा प्रमाण पत्र मिले हैं। वर्ष 2018–19 में उन्हें सर्वश्रेष्ठ एएनएम के रूप में सम्मानित किया गया था।

Ms. P. Latha, having 22 years of experience in rural community health field is a very dedicated, hardworking and efficient ANM. She is currently working in a Primary Health Centre in Puduchery. She is a role model for budding nurses. She is actively involved in all national health programs. She is loved by the community she serves. Her efficiency in providing maternal and neonatal services has resulted in nil maternal or neonatal death in her community after she has joined the Primary Health Centre.

She donates blood regularly and is recipient of "Best Blood Supporter" from UYIRTHULI.

Ms. P. Latha has received numerous certificates of appreciation. In 2018-19, she was awarded best ANM.

सुश्री के. अनुराधा

नर्सिंग अधिकारी
इंदिरा गांधी गवर्नमेंट जनरल हॉस्पिटल
एंड पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट, पुडुचेरी

Ms. K. Anuradha

Nursing Officer
Indira Gandhi Govt. General Hospital
and Post Graduate Institute, Puducherry

सुश्री के. अनुराधा को कार्डियक इकाइयों जैसे कि सीसीयू और कैथ लैब में कार्य करने का व्यापक अनुभव है। 20 वर्ष के अनुभव के साथ, वह वर्तमान में इंदिरा गांधी गवर्नमेंट हॉस्पिटल, पुडुचेरी में नर्सिंग अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने कई सीएनई कार्यक्रमों में भाग लिया और आयोजित भी किए हैं।

उन्होंने रक्तदान तथा स्वास्थ्य जागरूकता रैलियों और शिविरों में सक्रिय रूप से भाग लिया है। वह सुनामी और ठाणे चक्रवात के दौरान बचाव कार्यों में भी सक्रिय रही हैं। उनके द्वारा चेन्नई और कुड्डालोर में बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री एकत्रित की गई और वितरित भी की गई थी।

सुश्री के. अनुराधा को सामाजिक सेवा गतिविधियों में उनकी भागीदारी के लिए रेड क्रॉस सोसाइटी तथा रोटरी क्लब से कई सराहना प्रमाण पत्र मिले हैं। उन्हें राज्य स्वास्थ्य विभाग से जीवन रक्षक सेवाओं में सर्वश्रेष्ठ नर्स का पुरस्कार और उत्कृष्टता पुरस्कार भी मिला है।

Ms. K. Anuradha has vast experience of working in Cardiac Units such as CCU and Cath Lab. With 20 years of experience, she is currently working as Nursing Officer at Indira Gandhi Govt. Hospital, Puducherry. She has attended and conducted many CNE programs.

She has actively participated in blood donation, health awareness rallies and camps. Has also participated in rescue operations during Tsunami and Thane Cyclone. Relief material for flood victims were collected and distributed by her in Chennai & Cuddalore.

Ms. K. Anuradha has received many certificates of appreciation from Red Cross Society and Rotary Club for her involvement in social service activities. She has also received best nurse award and award of excellence in life saving services from the State Health Department.

सुश्री सत्या देवी

स्टाफ नर्स
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी),
शंकर, जिला जलंधर, पंजाब

Ms. Satya Devi

Staff Nurse
Community Health Centre (CHC),
Shankar, District Jalandhar, Punjab

सुश्री सत्या देवी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), शंकर, जलंधर, पंजाब में स्टाफ नर्स के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने एचआईवी/एड्स नियंत्रण, स्तनपान परामर्श और प्रबंधन तकनीकों में प्रशिक्षण लिया है। उन्होंने सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया और लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वह अपने कार्य और कर्तव्यों के प्रति पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध हैं।

उन्होंने स्वच्छ भारत दल की अगुवाई की थी जिससे उनके सीएचसी को कायाकल्प–2019 के लिए राज्य में पहला स्थान प्राप्त करने में मदद मिली थी।

Ms. Satya Devi is working as Staff Nurse at CHC, Shankar, Jalandhar, Punjab. She has undergone training in HIV/AIDS control, breastfeeding counselling and management techniques. She actively participated in all National health programs and contributed significantly towards achieving targets. She is committed to her work and functions effectively.

She was a leader of Swacch Bharat Team which helped the CHC to receive the first position in the State for Kayakalp-2019.

सुश्री अनीता व्यास

ऑगज़िलरी नर्स मिडवाइफ (एएनएम)
उप–स्वास्थ्य केंद्र,
धावला, जिला जालौर, राजस्थान

Ms. Anitha Vyas

Auxiliary Nurse Midwife (ANM)
Sub-Health Centre,
Dhawla, District Jalaur, Rajasthan

सुश्री अनिता व्यास को 15 वर्ष का अनुभव है और वर्तमान में राजस्थान के जालौर उप–केंद्र में कार्यरत हैं। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, टीकाकरण, डॉट्स (तपैदिक), कुष्ठ रोग और बाल स्वास्थ्य कार्यक्रमों के क्षेत्र में उनकी सेवाएं सराहनीय हैं। उन्होंने सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया है और लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 100 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने में उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए उन्हें 3 जिला स्तरीय और 2 राज्य स्तरीय प्रशंसा पत्र और पुरस्कार मिले हैं।

वर्ष 2015 में, उन्हें राज्य फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। 49 बार रक्तदान करने के लिए स्वास्थ्य सेवा निदेशालय (डीएचएस) द्वारा उन्हें प्रशंसा पत्र दिया गया है।

Ms. Anita Vyas, has 15 years of experience and is currently working in the Jalaur Sub-Centre of Rajasthan. Her services in the areas of MCH, FP, Immunization, DOTS (TB), Leprosy and Child Health Programs are commendable. She actively participated in all national health programs and contributed significantly towards achieving targets. She has received 3 District level and 2 State level letters of appreciation and awards for her meritorious services in achieving 100% targets.

In 2015, she was given the State Florence Nightingale Award. Has received appreciation letters for donating blood 49 times from DHS.

सुश्री सुनीता देवी

ऑगज़िलरी नर्स मिडवाइफ (एएनएम)
उप–स्वास्थ्य केंद्र,
बदबिराना, नोहर,
जिला हनुमानगढ़, राजस्थान

Ms. Sunita Devi

Auxiliary Nurse Midwife (ANM)
Sub-Health Centre,
Badbirana, Nohar,
District Hanumangarh, Rajasthan

सुश्री सुनीता देवी, राजस्थान के स्वास्थ्य केंद्रों में ग्रामीण स्वास्थ्य क्षेत्र में 13 वर्ष से कार्यरत हैं। उन्होंने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, टीकाकरण और स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान की हैं। वह फिलहाल जीएनएम में डिप्लोमा कर रही हैं। उन्होंने अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि के रूप में अतिरिक्त योग्यता और सूचना प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उन्होंने राज्य स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया है।

सुश्री सुनीता देवी को सराहनीय सेवाएं प्रदान करने के लिए 5 जिला और 2 राज्य पुरस्कार मिले हैं और वर्ष 2018 में उन्हें राज्य फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

Ms. Sunita Devi has 13 years of experience in rural health working in health centres of Rajasthan. She has provided excellent services in MCH, FP, Immunization and Health Education. She is currently undergoing Diploma in GNM. She has also received additional qualification in MA Economics and undergone training in Information Technology. She has participated in many workshops and training programs at State Health Department.

Ms. Sunita Devi has received 5 District and 2 State Awards for providing meritorious services and got State Florence Nightingale Award in 2018.

सुश्री ओ.वी. उषा

ऑगज़िलरी नर्स मिडवाइफ (एएनएम)
गवर्नमेंट पेरिफेरल हॉस्पिटल,
के.के. नगर, चेन्नई, तमिलनाडु

Ms. O.V. Usha

Auxiliary Nurse Midwife (ANM)
Govt. Peripheral Hospital,
K.K. Nagar, Chennai, Tamil Nadu

सुश्री ओ.वी. उषा ने अपने 31 वर्ष से अधिक के कार्यकाल में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, एचआईवी/एड्स, कुष्ठ रोग, तपैदिक तथा कैंसर और स्वास्थ्य जागरूकता के क्षेत्र में कुशलतापूर्वक सेवाएं प्रदान की हैं। वह वर्तमान में गवर्नमेंट पेरिफेरल हॉस्पिटल, के.के. नगर, चेन्नई, तमिलनाडु में एएनएम के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने लक्ष्य हासिल करने के लिए सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में सक्रिय भाग लिया है। उन्होंने जिला स्तर पर सरकार द्वारा संचालित विभिन्न सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भी भाग लिया है। उन्होंने 11 वर्ष तक एक एक दूरस्थ गांव में स्थित उप–केंद्र में भी कार्य किया है। उन्होंने बिना किसी नुकसान के 1,000 प्रसव किए हैं और सफलतापूर्वक आईयूसीडी लगाए हैं।

सुश्री ओ.वी. उषा को तमिलनाडु उपचर्या परिषद् द्वारा वर्ष 2019 में सर्वश्रेष्ठ एएनएम पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। स्थानीय स्तर पर उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए स्वास्थ्य अधिकारियों से भी उन्हें प्रशंसा पत्र मिले हैं।

Ms. O.V. Usha, with more than 31 years of experience has provided efficient MCH, FP, HIV/AIDS, Leprosy, TB and cancer services and health awareness. She is currently working as an ANM in Govt. Peripheral Hospital, K.K. Nagar, Chennai, Tamil Nadu. In all the national health programs, she has actively participated towards achieving targets. She has attended various in-service training programs conducted by Government at district level. She has also worked in a Sub-Centre for 11 years which covers a remote village. She has conducted 1000 deliveries without any loss of life and inserted IUCD’s successfully.

Ms. O.V. Usha was given best ANM award in 2019 by Tamil Nadu Nursing Council. She also has received letters of appreciation for her meritorious services from health authorities at local level.

सुश्री एस. वेलंकनी

ऑगज़िलरी नर्स मिडवाइफ (एएनएम)/
ग्राम स्वास्थ्य नर्स
एचएससी, सोरनावोर, राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, रामपक्कम, ब्लॉक कंडामंगलम, जिला विल्लूपुरम, तमिलनाडु

Ms. S. Velankanni

Auxiliary Nurse Midwife (ANM) /
Village Health Nurse
HSC, Sornavour, Govt. Primary Health Centre, Rampakkam, Block Kandamangalam, District Villupuram, Tamil Nadu

सुश्री एस. वेलंकनी, 31 वर्ष के अनुभव के साथ तमिलनाडु के विल्लुपुरम में उप–केंद्र और पीएचसी दोनों में कार्य कर चुकी हैं। वह एक समर्पित, कड़ी मेहनत करने वाली और भावुक कार्यकर्ता हैं। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य और परिवार नियोजन सेवाएं प्रदान करने में उनकी दक्षता और दल के साथ कार्य करने की क्षमता सराहनीय है। उन्होंने बड़े उत्साह के साथ सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में भाग लिया है।

सुश्री एस. वेलंकनी को भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वर्ष 2019 में यूएचसी के तहत प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में उनके समर्पित कार्य के लिए सराहा गया है और साथ ही उनके पीएचसी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा उनकी सराहना की गई है।

Ms. S. Velankanni, with 31 years of experience has worked both in Sub-centre and Primary Health Centre in Vilupuram, Tamil Nadu. She is a dedicated, hard-working and passionate worker. Her efficiency, and team work in providing MCH and FP services are commendable. She has participated in all the National Health Programs with great zeal.

Ms. S. Velankanni has been appreciated for her dedicated work in strengthening delivery of Primary Health Centre services under UHC in 2019 by Ministry of Health & Family Welfare, Government of India and also been applauded by CMO's of Primary Health Centre in which she has been posted.

सुश्री जी. मणिमेगाले

स्टाफ नर्स
इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ एंड हॉस्पिटल फॉर चिल्ड्रन, एग्मोर, चेन्नई, तमिलनाडु

Ms. G. Manimegalai

Staff Nurse
Institute of Child Health & Hospital for Children, Egmore, Chennai, Tamil Nadu

सुश्री जी. मणिमेगाले वर्तमान में एम.एससी. (नर्सिंग) योग्यता के साथ एक वरिष्ठ नर्सिंग कर्मी के रूप में इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ एंड हॉस्पिटल फॉर चिल्ड्रन, एग्मोर, चेन्नई, तमिलनाडु में कार्यरत हैं। उन्होंने अपने 17 वर्ष के कार्यकाल में एक बाल चिकित्सा अस्पताल के पीआईसीयू के अलावा सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में भी कार्य किया है। वे उत्कृष्ट संचार कौशल की धनी हैं और वह अपने सभी सहयोगियों के साथ बहुत अच्छा तालमेल बनाए रखने में सक्षम हैं। वह बाल चिकित्सीय आपात स्थितियों से निपटने में कुशल हैं।

उन्होंने बहुत से प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया है और कई सेवारत प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन किया है।

सुश्री जी. मणिमेगाले को उनकी संस्था द्वारा सर्वश्रेष्ठ नर्स के रूप में सम्मानित किया गया है।

Ms. G. Manimegalai is presently working as a senior nursing professional with M.Sc. (Nursing) qualification in Institute of Child Health & Hospital for Children, Egmore, Chennai, Tamil Nadu. She has 17 years of experience and has worked in Primary Health Centre besides PICU of a paediatric hospital. She has excellent communication skills and is able to maintain very good rapport with all her colleagues. She is proficient in handling paediatric emergencies.

She has attended several training programs and has conducted many in-service training programs.

Ms. G. Manimegalai has been recognized as best nurse in her institution.

सुश्री अनापर्थी अरुणा कुमारी

ऑगज़िलरी नर्स मिडवाइफ (एएनएम)/
एमपीएचए (एफ)
ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र,
अफजल सागर, हैदराबाद, तेलंगाना

Ms. Anaparthi Aruna Kumari

Auxiliary Nurse Midwife (ANM) /
MPHA (F)
Urban Primary Health Centre,
Afzal Sagar, Hyderabad, Telangana

सुश्री अनापर्थी अरुणा कुमारी ने अपने 22 वर्ष के कार्यकाल में ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़े पैमाने पर कार्य किया है। वर्तमान में वह ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, अफजल सागर, हैदराबाद में कार्यरत हैं। उन्होंने सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया है और लक्ष्यों को प्राप्त करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान सराहनीय है।

उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत राज्य द्वारा आयोजित कई लघु अवधि प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों और कार्यशालाओं में भाग लेने के साथ–साथ भारतीय उपचर्या परिषद् के जीएफएटीएम कार्यक्रम और राष्ट्रीय कुष्ठ नियंत्रण कार्यक्रम में भी भाग लिया है।

Ms. Anaparthi Aruna Kumari, having 22 years of experience has extensively worked in Rural Community Health field. At present she works in Urban Primary Health Centre, Afzal Sagar, Hyderabad. Has participated actively in all national health programs and her significant contribution in achieving targets is appreciable.

She has undergone many short term training courses and workshops conducted by State NHM, INC (GFATM) and National Leprosy Control Program.

सुश्री एमडी. शुकुरा

ऑगज़िलरी नर्स मिडवाइफ (एएनएम)
प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र,
एल्काथुर्थी, जिला वारंगल (ग्रामीण),
तेलंगाना

Ms. MD. Shukura

Auxiliary Nurse Midwife (ANM)
Primary Health Centre,
Elkathurthy, District Warangal (Urban),
Tenalgana

सुश्री एम.डी. शुकुरा को इल्काथुर्थी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, जिला वारंगल और केशवपुर उप–केंद्र, तेलंगाना में कार्य करने का 28 वर्ष का अनुभव है। वह निष्कपट, मेहनती और प्रतिबद्ध स्वास्थ्य कार्यकर्ता हैं। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, टीकाकरण, एचआईवी/एड्स, तपैदिक, स्वास्थ्य शिक्षा और ग्रामीण समुदाय परामर्श के क्षेत्र में उनकी सेवाएं सराहनीय हैं। उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत राज्य द्वारा जिला एवं राज्य स्तर पर आयोजित कई लघु अवधि प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों और कार्यशालाओं में भाग लिया है।

उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें कई प्रशंसा प्रमाण पत्रों से सम्मानित किया जा चुका हैं।

Ms. M.D. Shukura has 28 years of experience working in Primary Health Centre, Elkathurthy, Warangal district and Sub-Centre Keshavapur, Telengana. She is honest, hardworking and committed. Her services in the areas of MCH, FP, Immunization, HIV/AIDS, TB, Health Education and Counselling to the rural community are commendable. Has attended many short term training courses and workshops at district and State level organized by State NHM.

Numerous certificates of appreciation have been bestowed on her for her excellent work.

श्री अशीम दास
स्टाफ नर्स
सबरूम सब–डिविजनल अस्पताल,
सबरूम, दक्षिणी त्रिपुरा

Mr. Ashim Das
Staff Nurse
Sabroom Sub-Divisional Hospital,
Subroom, South Tripura

श्री अशीम दास त्रिपुरा के थायबोंग गांव में कार्यरत एक बहुत ही सक्रिय नर्स कर्मी हैं। वह वर्तमान में सबरूम सब–डिविजनल अस्पताल में कार्यरत हैं और उनका कुल अनुभव 12 वर्ष का है। वह सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। अपनी कार्य अवधि के उपरांत भी, वह संबंधित गतिविधियों में संलग्न रहते हैं। उन्होंने 1,000 रोगियों की प्रशामक देखभाल और समुदाय के 15,000 लोगों की एनसीडी स्क्रीनिंग में योगदान दिया है। उन्होंने चक्रवात के दौरान चिकित्सा राहत शिविर और आपदा प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रमों में भी भाग लिया है।

उन्होंने त्रिपुरा राज्य की रेड क्रॉस एंड हेपेटाइटिस फाउंडेशन की गतिविधियों में भाग लिया है। वह रक्तदान शिविरों, आरबीएसके कार्यक्रमों और टीकाकरण शिविरों में भाग लेते रहे हैं और समुदाय में लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने जनसाधारण की मदद के लिए गैर–सरकारी संगठनों से भी सहयोग के लिए संपर्क करते रहते हैं। सामुदायिक स्तर पर स्वास्थ्य शिविरों और सामाजिक गतिविधियों में उनकी भागीदारी के लिए उन्हें सराहना प्रमाण पत्र मिला है।

Mr. Ashim Das is a very active nurse professional working in Thaibong village of Tripura. He is currently working in Sabroom Sub-Divisional Hospital and has a total experience of 12 years. He actively participates in all National health programs. Even during off duty hours, he continues to perform related activities. He has contributed to the palliative care of 1,000 patients and NCD screening of 15,000 people in the community. He has participated in cyclonic medical relief camps and disaster management awareness programs.

He has participated in the activities of Red Cross and Hepatitis Foundation of Tripura State. He has been participating in blood donation camps, RBSK programs and vaccination camps and works in community relentlessly. He also liaisons with NGOs for helping the public in seeking assistance. He has received certificate of appreciation for his involvement in health camps and social activities at community level.

सुश्री उर्वशी दीक्षित

स्टाफ नर्स
जिला अस्पताल,
इटावा, उत्तर प्रदेश

Ms. Urwashi Dixit

Staff Nurse
District Hospital,
Etawah, Uttar Pradesh

सुश्री उर्वशी दीक्षित एक समर्पित नर्स हैं और अस्पताल के साथ–साथ समुदाय में भी कार्य कर रही हैं। वह वर्तमान में जिला अस्पताल, इटावा, उत्तर प्रदेश में स्टाफ नर्स/सिस्टर–इंचार्ज के रूप में कार्यरत हैं। वह ईमानदार, मेहनती और कुशल हैं। वह विशेष रूप से राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन द्वारा राज्य स्तर पर आयोजित विभिन्न कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग ले चुकी हैं। उन्होंने बाल कल्याण के लिए गैर–सरकारी संगठनों के साथ रक्तदान और नेत्र शिविर जैसी कई सामुदायिक गतिविधियों में भाग लिया है।

अस्पताल की गुणवत्ता में सुधार लाने में उनके कुशल तथा उत्कृष्ट योगदान के लिए अस्पताल अधिकारियों द्वारा सुश्री उर्वशी दीक्षित की सराहना की गई है।

Ms. Urwashi Dixit is a dedicated professional and has been working in hospital as well as community. She is currently working as Staff Nurse/Sister-in-charge in District Hospital, Etawah, Uttar Pradesh. She is sincere, hardworking and efficient. She has attended various workshops and training programs conducted at state level particularly by NRHM. She has participated in several community activities such as blood donation and eye camps with NGOs for welfare of children.

Ms. Urwashi Dixit has been appreciated by the hospital authorities for her efficient and outstanding contributions in improving the quality of the hospital.

सुश्री कमला थापा

सहायक नर्सिंग अधीक्षक (सेवानिवृत्त)
राजकीय मेला अस्पताल, हरिद्वार,
(जिला अस्पताल – मेला, हरिद्वार),
उत्तराखंड

Ms. Kamla Thapa

Assistant Nursing Superintendent (Retd.)
Rajkiya Mela Hospital, Haridwar,
(District Hospital - Mela, Haridwar),
Uttarakhand

सुश्री कमला थापा, 37 वर्ष के अनुभव के साथ एक वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी हैं। वह वर्ष 2011 में अपनी सेवानिवृत्ति के समय राजकीय मेला अस्पताल, हरिद्वार, देहरादून, उत्तराखंड की तपेदिक इकाई में कार्यरत थीं। उन्होंने टीबी नर्सिंग, नर्सिंग प्रशासन और बीएलएस में विशेष प्रशिक्षण लिया है।

सुश्री कमला थापा को अस्पताल और समुदाय में उनके द्वारा की गई सराहनीय सेवाओं के लिए स्थानीय स्तर पर सराहना प्रमाण पत्र मिला है।

Ms. Kamla Thapa is a senior nursing officer with 37 years of experience. She has retired in 2011 as ANS and was working in tuberculosis unit of Rajkiya Mela Hospital, Haridwar, Dehradun, Uttarakhand. She has special training in TB nursing, nursing administration and BLS.

Ms. Kamla Thapa has received certificate of recognition at the local level for her meritorious services in the hospital and community.

सुश्री सुनीता दत्ता

ऑगज़िलरी नर्स मिडवाइफ (एएनएम)/
स्वास्थ्य सहायक (महिला)
सुल्कापाड़ा ग्रामीण अस्पताल,
पोस्ट व जिला जलपाईगुड़ी, पश्चिम बंगाल

Ms. Sunita Dutta

Auxiliary Nurse Midwife (ANM) /
Health Assistant (F)
Sulkapara Rural Hospital,
Post & District Jalpaiguri, West Bengal

सुश्री सुनीता दत्ता, पश्चिम बंगाल के एक जनजातीय इलाके के एक उप–केंद्र में एक एएनएम के रूप में कार्यरत हैं और उन्होंने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, एचआईवी/एड्स, तपैदिक विकलांग बच्चों, व्यसन एवं बाल–विवाह जैसे किशोरावस्था के मुद्दों के संबंध में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान की हैं। उन्होंने एक गर्भवती माँ को प्रसव पीड़ा के दौरान उच्च स्तरीय देखभाल केंद्र में समय पर स्थानांतरित कर उसके जीवन की रक्षा की है। स्कूली स्वास्थ्य सेवाओं में सक्रिय भागीदारी के लिए वह बच्चों एवं स्कूल अधिकारियों के बीच बहुत ही लोकप्रिय हैं। उन्होंने कई किशोरों और उनके परिजनों को बाल–विवाह की रोकथाम के बारे में परामर्श दिया है और अपने कार्य क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त की।

स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ–साथ ग्राम समुदाय द्वारा स्थानीय स्तर पर उनकी व्यापक सराहनीय सेवाओं के लिए सुश्री सुनीता दत्ता की प्रशंसा की जाती है।

Ms. Sunita Dutta, working as an ANM in a Sub-Centre, in a tribal area of West Bengal has provided excellent services with regard to MCH, FP, HIV/AIDS, TB, children with disabilities, adolescents with issues like addiction, early marriage etc. She has saved a pregnant mother's life in labour by transferring her timely to higher centre of care. She is very popular among children/school authorities for her active involvement in school health services. She has counselled many adolescents and their families about prevention of early marriage and gained fame in her work area.

Ms. Sunita Dutta is appreciated for her extensive meritorious services at local level by the health authorities as well as village community.

सुश्री नीलिमा दास

सार्वजनिक स्वास्थ्य नर्स
बीरपारा स्टेट जनरल हॉस्पिटल,
पोस्ट एवं थाना बीरपारा,
जिला अलीपुरद्वार, पश्चिम बंगाल

Ms. Nilima Das

Public Health Nurse
Birpara State General Hospital,
PO & PS Birpara,
District Alipurduar, West Bengal

सुश्री नीलिमा दास 23 से अधिक वर्ष से सार्वजनिक स्वास्थ्य नर्स के रूप में कार्यरत हैं। वह वर्तमान में बीरपारा, एसजी अस्पताल, अलीपुरद्वार, पश्चिम बंगाल में पीएचएन के रूप में कार्यरत हैं। वह एक ईमानदार, समर्पित और करुणामयी नर्स हैं और वंचित समुदाय की सेवा करने के लिए स्वतः ही प्रेरित रहती हैं।

उसने विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया है और अपने आप को वर्तमान विकास के साथ कदम–से–कदम मिलाकर चल रही हैं। वह एक असाधारण कार्यकर्ता रही हैं जिन्होंने अपने जिले में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों में काफी सुधार किया है।

अपने सामान्य कर्तव्यों के अलावा, सुश्री नीलिमा ने गैर–सरकारी संगठनों के साथ मिलकर कई सामाजिक सेवा गतिविधियों जैसे कि बाल विवाह और मानव तस्करी को रोकने का कार्य किया है।

जिला स्तर पर एसजी अस्पताल के आरसीएच कार्यक्रम में सुश्री नीलिमा दास को सर्वश्रेष्ठ कार्यकर्ता के रूप में सम्मानित किया गया है। उन्हें टीकाकरण तथा जीवन–रक्षक गतिविधियों को पूरा करने और समुदाय में एक अच्छी प्रेरक बनने के लिए कई प्रशंसा पत्र भी मिले हैं।

Ms. Nilima Das is working as a PHN with more than 23 years of experience. She is currently working as PHN in Birpara, SG Hospital, Alipurduar, West Bengal. She is a sincere, dedicated and compassionate nurse and is self-motivated to serve underserved community.

She has actively participated in various national health programs and kept herself abreast of current developments. She has been an exceptional worker who has made great improvement in maternal and child health programs in her district.

Besides her normal duties, Ms. Nilima has involved herself with NGOs in many social service activities such as prevention of child marriage and human trafficking.

Ms. Nilima Das has been awarded as the best worker on RCH program of the SG Hospital at district level. She has also received many appreciation letters for achieving immunization coverage, life-saving activities and being a good motivator in the community.

NAMES OF
NATIONAL AWARDEES
1973-2019

क्र.सं.	नाम	राज्य
	1973	
1	मेजर (सुश्री) प्रोमिला यशवंत	दिल्ली
2	कुमारी सी.वी. सिंह	उत्तर प्रदेश
3	श्रीमती पदमिनी डेमटा	पश्चिम बंगाल
	1974	
1	कुमारी गूल एम. गांधी	गुजरात
2	कुमारी शालिनी जी. शेट्टी	महाराष्ट्र
3	कुमारी सी. राल्ते	मिजोरम
	1975	
1	कुमारी आर. मॅरी	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह
2	कुमारी एम.जी. थनकामा	दिल्ली
3	श्रीमती अमीना मुस्तफा	केरल
4	सिस्टर मॅरी फिनिया	केरल
5	श्रीमती लाल बिया क्वेली	मिजोरम
6	कुमारी एम.सी. जेवियर	उत्तर प्रदेश
	1976	
1	श्री नथनील क्लमेंट एस. डेविड	गुजरात
2	श्रीमती ॲल्गु गंगुबेन	महाराष्ट्र
3	श्रीमती खान हजरबी बशीर	महाराष्ट्र
4	श्रीमती ॲमेलिन चिने	मेघालय
5	श्रीमती ॲवरी कॉर्डर वलंग	मेघालय
6	कुमारी रेहाला खातून बेग	पश्चिम बंगाल
	1977 और 1978 में कोई पुरस्कार नहीं दिए गए	
	1979	
1	श्रीमती ढेकना सुहासिनी सदानंद	महाराष्ट्र
2	श्रीमती वी. जोचमी	मिजोरम
3	श्रीमती के. सावित्री	तमिलनाडु
4	डॉ. (सुश्री) पॉलिन ई. किंग	तमिलनाडु
	1980	
1	श्रीमती प्रमिला एन. चितालिया	गुजरात
2	श्रीमती सुशांत कुमारी	हिमाचल प्रदेश
3	कुमारी क्रिस्टिना हेनरी	मध्य प्रदेश
4	श्रीमती लाला विमलॅर स्ट्रॉन्ग	मेघालय
5	श्रीमती रूबीवेल लालू	मेघालय
6	कुमारी बी.ए. देवनेसन	तमिलनाडु

No.	Name	State
	1973	
1	Major (Miss) Promila Yeswant	Delhi
2	Kumari C.V. Singh	Uttar Pradesh
3	Smt. Padmini Demta	West Bengal
	1974	
1	Kumari Gool M. Gandhi	Gujarat
2	Kumari Shalini G. Shetye	Maharashtra
3	Kumari C. Ralte	Mizoram
	1975	
1	Kumari R. Mary	Andaman & Nicobar Islands
2	Kumari M.G. Thankama	Delhi
3	Smt. Ameena Mustapha	Kerala
4	Sr. Mary Finia	Kerala
5	Smt. Lal Bia Kveli	Mizoram
6	Kumari M.C. Xavier	Uttar Pradesh
	1976	
1	Shri Nathaniel Clment S. David	Gujarat
2	Smt. Elgu Gangubain	Maharashtra
3	Smt. Khan Hajarbee Bashir	Maharashtra
4	Smt. Emmeline Chyne	Meghalaya
5	Smt. Ivory Kordor Wallang	Meghalaya
6	Kumari Rehala Khatun Begg	West Bengal
	1977 and **1978** no awards were given	
	1979	
1	Smt. Dhekana Suhasini Sadhanand	Maharashtra
2	Smt. V. Zochami	Mizoram
3	Smt. K. Savithri	Tamil Nadu
4	Dr. (Miss) Pauline E. King	Tamil Nadu
	1980	
1	Smt. Pramila N. Chitaliya	Gujarat
2	Smt. Sushant Kumari	Himachal Pradesh
3	Kumari Christina Henery	Madhya Pradesh
4	Smt. Lala Wimler Strong	Meghalaya
5	Smt. Rubywell Laloo	Meghalaya
6	Kumari B.A. Devaneson	Tamil Nadu

क्र.सं.	नाम	राज्य
	1981	
1	कुमारी मेट्रॉन्ज एथेल हॉगसन	बिहार
2	श्रीमती फॅवरिना खॅर लूखी	मेघालय
3	श्रीमती स्टेली बोनी खोंगला	मेघालय
4	कुमारी ए. कुरुविला	तमिलनाडु
	1982	
1	श्रीमती ग्रेस स्टीफन	बिहार
2	मेजर (सुश्री) पप्पनमन इस्वामी	दिल्ली
3	श्रीमती एम. आर्थर	हरियाणा
4	श्रीमती आशाबाई मारदंडराव कुलकर्णी	महाराष्ट्र
5	श्री जी. संदनासामी	तमिलनाडु
6	कुमारी शुवा दास गुप्ता	पश्चिम बंगाल
	1983	
1	सुश्री सुरक्षा कुमारी वर्मा	दिल्ली
2	कुमारी सुलोचना डी. कुलकर्णी	गुजरात
3	कुमारी बिमला रवि वर्मा	हिमाचल प्रदेश
4	श्रीमती कुंडा एस. दीक्षित	महाराष्ट्र
5	श्रीमती लालनुंट्लुअंगी	मिजोरम
6	श्रीमती विट्सजुले सोफी	नागालैंड
7	सेल्वी पी.पी. भानुमथी	तमिलनाडु
8	डॉ. (सुश्री) ए. चांदी	उत्तर प्रदेश
9	कुमारी वडलामनी सुभद्रा	पश्चिम बंगाल
	1984	
1	श्रीमती आनंदिनी एम. बेग	बिहार
2	श्रीमती उर्मिल गुप्ता	दिल्ली
3	श्री रमन एजपरी गोस्वामी	गुजरात
4	श्रीमती कमल कांता दास	मध्य प्रदेश
5	श्रीमती टी. सरस्वती नायर	मध्य प्रदेश
6	श्रीमती सुरेखा प्रभाकर	महाराष्ट्र
7	सिस्टर एलिजाबेथ एडट्टुकरन	मेघालय
8	श्रीमती मामू सुब्बा	सिक्किम
9	श्रीमती रुक्मणी बक्कप्पा	तमिलनाडु
	1985 में कोई पुरस्कार नहीं दिए गए	

No.	Name	State
	1981	
1	Kumari Matronj Ethel Hodgson	Bihar
2	Smt. Fewrina Khar Lukhi	Meghalaya
3	Smt. Stayley Bonie Khongla	Meghalaya
4	Kumari A. Kuruvilla	Tamil Nadu
	1982	
1	Smt. Grace Stephen	Bihar
2	Major (Miss) Pappanman Easwami	Delhi
3	Smt. M. Arthur	Haryana
4	Smt. Ashabai Martandrao Kulkarni	Maharashtra
5	Shri G. Sandanasamy	Tamil Nadu
6	Kumari Shuva Das Gupta	West Bengal
	1983	
1	Miss Suraksha Kumari Varma	Delhi
2	Kumari Sulochana D. Kulkarni	Gujarat
3	Kumari Bimla Ravi Verma	Himachal Pradesh
4	Smt. Kunda S. Dixit	Maharashtra
5	Smt. Lalnuntluangi	Mizoram
6	Smt. Vitsozhule Sophie	Nagaland
7	Selvi P.P. Bhanumathy	Tamil Nadu
8	Dr. (Miss) A. Chandy	Uttar Pradesh
9	Kumari Vadlamani Subhadra	West Bengal
	1984	
1	Smt. Anandini M. Bage	Bihar
2	Smt. Urmil Gupta	Delhi
3	Shri Raman Ejpari Goswami	Gujarat
4	Smt. Kamal Kanta Das	Madhya Pradesh
5	Smt. T. Saraswathy Nair	Madhya Pradesh
6	Smt. Surekha Prabhakar	Maharashtra
7	Sr. Elizabeth Edattukaran	Meghalaya
8	Smt. Mamoo Subba	Sikkim
9	Smt. Rukmani Bakkappa	Tamil Nadu
	1985 No awards were given	

क्र.सं.	नाम	राज्य
1986		
1	श्रीमती एस.ए. सैमुअल	चंडीगढ़
2	सुश्री टी.यू. अनम्मा	गोवा
3	सुश्री मूवलिया रमाबेन पी.	गुजरात
4	सुश्री ताशी अंगमो	हिमाचल प्रदेश
5	श्री एच.एच. दास गौड़ा	कर्नाटक
6	श्रीमती एलिजा गोपाल	मध्य प्रदेश
7	श्रीमती छाया घटे	महाराष्ट्र
8	लेफ्टिनेंट कर्नल (सुश्री) हिल्डा आइवी वेलीस	महाराष्ट्र
9	श्रीमती एच. निंगलियन	मणिपुर
10	सुश्री नीता चन्नानी	राजस्थान
11	श्रीमती जेड. नामचु लेपचा	सिक्किम
12	श्रीमती गोपाल गजेंद्री	तमिलनाडु
13	सुश्री अरुणा घोष	पश्चिम बंगाल
1987 से 2006 तक कोई पुरस्कार नहीं दिए गए		
2007		
1	सुश्री ताहिरा हाशिम अली खान	आंध्र प्रदेश
2	श्रीमती जवाल्थुमकिम	असम
3	श्रीमती सी.एस. ताडा	चंडीगढ़
4	सुश्री मधु पुरी	चंडीगढ़
5	श्रीमती एम. गोस्वामी	छत्तीसगढ़
6	सुश्री खातिजा एम. शेख	दादरा एवं नगर हवेली
7	मेजर जनरल (सुश्री) शशि बाला	दिल्ली
8	श्री उदयसिंह डी. दमोर	गुजरात
9	प्रोफेसर सलोमी जॉर्ज	केरल
10	सुश्री भोसले विजया बाबुराव	महाराष्ट्र
11	श्रीमती सुबासिनी जेना	ओड़िशा
12	श्रीमती अन्ना सिरोमनी राजन बाबू	पुडुचेरी
13	डॉ. (श्रीमती) मार्ग्रेट डीन	पंजाब
14	श्रीमती सी. महालक्ष्मी	तमिलनाडु
15	श्रीमती चेल्लामल मरियप्पन	तमिलनाडु
16	श्रीमती हरदीप कौर	उत्तर प्रदेश
17	श्रीमती रीना बोस	पश्चिम बंगाल

No.	Name	State
1986		
1	Mrs. S.A. Samuel	Chandigarh
2	Miss T.U. Anamma	Goa
3	Miss Movalia Ramaben P.	Gujarat
4	Miss Tashi Angmo	Himachal Pradesh
5	Shri H.H. Dase Gowda	Karnataka
6	Mrs. Eliza Gopal	Madhya Pradesh
7	Mrs. Chaya Ghate	Maharashtra
8	Lt. Col. (Miss) Hilda Ivy Vellis	Maharashtra
9	Mrs. H. Nianglian	Manipur
10	Miss Neeta Channani	Rajasthan
11	Mrs. Z. Namchu Lepcha	Sikkim
12	Mrs. Gopal Gajendri	Tamil Nadu
13	Miss Aruna Ghosh	West Bengal
1987 to **2006** no awards were given		
2007		
1	Ms. Tahira Hashim Ali Khan	Andhra Pradesh
2	Mrs. Zawlthuomkim	Assam
3	Mrs. C.S. Tada	Chandigarh
4	Ms. Madhu Puri	Chandigarh
5	Mrs. M. Goswami	Chhattisgarh
6	Miss Khatija M. Shaikh	Dadra & Nagar Haveli
7	Maj. Gen. (Ms.) Shashi Bala	Delhi
8	Mr. Udaysinh D. Damor	Gujarat
9	Prof. Salomey George	Kerala
10	Miss Bhosale Vijaya Baburao	Maharashtra
11	Mrs. Subasini Jena	Odisha
12	Mrs. Anna Siromani Rajan Babu	Puducherry
13	Dr. (Mrs.) Margaret Dean	Punjab
14	Mrs. C. Mahalakshmi	Tamil Nadu
15	Mrs. Chellamal Mariappan	Tamil Nadu
16	Mrs. Hardeep Kaur	Uttar Pradesh
17	Mrs. Reena Bose	West Bengal

क्र.सं.	नाम	राज्य
	2008	
1	सुश्री सरोजीदेवी	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह
2	सिस्टर मैरी मारियान	आंध्र प्रदेश
3	सुश्री पद्मा घोष	छत्तीसगढ़
4	सुश्री जी.के. खुराना	दिल्ली
5	ब्रिगेडियर लक्ष्मी पीचू	दिल्ली
6	सुश्री नीलिमा पी. राणे	गोवा
7	सुश्री रेखा रामकुमार चौधरी	गुजरात
8	सुश्री मेहमुदा रेगु	जम्मू–कश्मीर
9	सुश्री बी.एन. सरोजा	कर्नाटक
10	सुश्री रथनाबाई वाई. नारी	कर्नाटक
11	सिस्टर मर्लिन	केरल
12	सुश्री रोज विपाना	केरल
13	सुश्री सरला राजेंद्र भावसर	महाराष्ट्र
14	सुश्री वैशाली सुरेश पाटिल	महाराष्ट्र
15	सुश्री खोइरॅम बिमॅला देवी	मणिपुर
16	सुश्री लॉरम्बाम राधारानी देवी	मणिपुर
17	सुश्री मार्गरिटा लालू	मेघालय
18	सुश्री क्विस्ला वरजरी	मेघालय
19	सुश्री सी. रोमावी	मिजोरम
20	सुश्री के. लिआनचिंगी	मिजोरम
21	सुश्री ए. राजलतचुमी	पुडुचेरी
22	श्री महेश चंद शर्मा	राजस्थान
23	डॉ. अलमेलू वेंकटरामन	तमिलनाडु
24	सुश्री अल्फोन्सा मेरी	तमिलनाडु
25	सुश्री बंदना दास	पश्चिम बंगाल
26	सुश्री पारुल दत्ता	पश्चिम बंगाल
	2009	
1	सुश्री जॉयस सिकदर	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह
2	सुश्री अरुणज्योति बरुआ	असम
3	डॉ. संतोष कुमारी	चंडीगढ़
4	डॉ. एम.ई. पट्लिया	छत्तीसगढ़
5	मेजर जनरल टी. पद्मिनी	दिल्ली
6	सुश्री अनीता फर्नांडीस कूटिन्हो	गोवा

No.	Name	State
2008		
1	Ms. Sarojidevi	Andaman & Nicobar Islands
2	Sister Mary Marianne	Andhra Pradesh
3	Ms. Padma Ghosh	Chhattisgarh
4	Brig. Lakshmi Pichu	Delhi
5	Ms. G.K. Khurana	Delhi
6	Ms. Nilima P. Rane	Goa
7	Ms. Rekha Ramkumar Chaudhary	Gujarat
8	Ms. Mehmooda Regu	Jammu & Kashmir
9	Ms. B.N. Saroja	Karnataka
10	Ms. Rathnabai Y. Nari	Karnataka
11	Sister Merlin	Kerala
12	Ms. Rose Vypana	Kerala
13	Ms. Sarala Rajendra Bhavsar	Maharashtra
14	Ms. Vaishali Suresh Patil	Maharashtra
15	Ms. Khoirom Bimola Devi	Manipur
16	Ms. Lourembam Radharani Devi	Manipur
17	Ms. Margrita Laloo	Meghalaya
18	Ms. Quissila Warjri	Meghalaya
19	Ms. C. Romawii	Mizoram
20	Ms. K. Lianchhingi	Mizoram
21	Ms. A. Rajalatchumi	Puducherry
22	Mr. Mahesh Chand Sharma	Rajasthan
23	Dr. Alamelu Venketaraman	Tamil Nadu
24	Ms. Alphonsa Mary	Tamil Nadu
25	Ms. Bandana Das	West Bengal
26	Ms. Parul Datta	West Bengal
2009		
1	Ms. Joyce Sikdar	Andaman & Nicobar Islands
2	Ms. Arunjyoti Baruah	Assam
3	Dr. Santosh Kumari	Chandigarh
4	Dr. M.E. Patlia	Chhattisgarh
5	Major General T. Padmini	Delhi
6	Ms. Anita Fernandes Coutinho	Goa

क्र.सं.	नाम	राज्य
7	श्री बगथरिया मनसुखलाल	गुजरात
8	सुश्री एम.सी. होनायक	कर्नाटक
9	सुश्री शकुंतला बी. नागारेड्डी	कर्नाटक
10	सुश्री डी. संथाकुमारी अम्मा	केरल
11	सुश्री रेखा लक्ष्मण गायकवाड़	महाराष्ट्र
12	सुश्री शुभांगी मारुति तलंग	महाराष्ट्र
13	सुश्री फीरोइजम रानी देवी	मणिपुर
14	सुश्री एस. निसा	मणिपुर
15	सुश्री थौनाओजम चओबा लीमा	मणिपुर
16	सुश्री अल्बिना दखर	मेघालय
17	सुश्री दरोइला वारबाह	मेघालय
18	सुश्री के. थॅनसियामी	मिजोरम
19	सुश्री कपजावनी	मिजोरम
20	सुश्री डेजी मार्टिन	पुडुचेरी
21	सुश्री लसोंग तमंग	सिक्किम
22	सुश्री लखमित लेपचा	सिक्किम
23	सुश्री मेरी रतनम	तमिलनाडु
24	डॉ. पी.वी. रामाचंद्रन	तमिलनाडु
25	सुश्री वी. वालरमाथी	तमिलनाडु
26	सुश्री बन रानी चौधरी	त्रिपुरा
27	सुश्री लॅलन कावली	त्रिपुरा
28	सुश्री ललिता बिष्ट	उत्तराखंड
29	सुश्री किॲ बिस्वास	पश्चिम बंगाल
	2010	
1	श्रीमती शांति टेरेसा लाकड़ा	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह
2	प्रोफेसर आर.एस. केरोलिन	आंध्र प्रदेश
3	श्रीमती बासुमती कलिता	असम
4	श्रीमती रचना गुप्ता	छत्तीसगढ़
5	सुश्री दक्षबेन दुरलभभाई अहीर	दमन एवं दीव
6	श्रीमती ग्लेडिस संजय मेसी	दिल्ली
7	श्रीमती जोनिता नोरोन्हा	गोवा
8	श्री कडिवाला इकबाल अब्दुलरहमान	गुजरात
9	श्रीमती इंदिरा वती	हरियाणा
10	श्रीमती राम देवी मट्टू	हिमाचल प्रदेश

No.	Name	State
7	Mr. Bagtharia Mansukhlal	Gujarat
8	Ms. M.C. Honnayak	Karnataka
9	Ms. Shakuntala B. Nagaraddi	Karnataka
10	Ms. D. Santhakumari Amma	Kerala
11	Ms. Rekha Laxman Gaikwad	Maharashtra
12	Ms. Shubhangi Maruti Talang	Maharashtra
13	Ms. Pheiroijam Rani Devi	Manipur
14	Ms. S. Nisa	Manipur
15	Ms. Thounaojam Chaoba Leima	Manipur
16	Ms. Albina Dkhar	Meghalaya
17	Ms. Droila Warbah	Meghalaya
18	Ms. K. Thansiami	Mizoram
19	Ms. Kapzawni	Mizoram
20	Ms. Daisy Martin	Puducherry
21	Ms. Lassong Tamang	Sikkim
22	Ms. Lhakmit Lepcha	Sikkim
23	Ms. Mary Ratnam	Tamil Nadu
24	Dr. P.V. Ramachandran	Tamil Nadu
25	Ms. V. Valarmathi	Tamil Nadu
26	Ms. Bana Rani Choudhury	Tripura
27	Ms. Lalen Kawli	Tripura
28	Ms. Lalita Bisht	Uttarakhand
29	Ms. Keya Biswas	West Bengal
2010		
1	Mrs. Shanti Teresa Lakra	Andaman & Nicobar Islands
2	Prof. R.S. Caroline	Andhra Pradesh
3	Mrs. Basumati Kalita	Assam
4	Mrs. Rachana Gupta	Chhattisgarh
5	Ms. Daxaben Durllabhbhai Ahir	Daman & Diu
6	Mrs. Gladyes Sanjay Massey	Delhi
7	Mrs. Joanita Noronha	Goa
8	Mr. Kadiwala Iqbal Abdulrehman	Gujarat
9	Mrs. Indra Wati	Haryana
10	Mrs. Ram Devi Mattoo	Himachal Pradesh

क्र.सं.	नाम	राज्य
11	श्रीमती अनसुयम्मा	कर्नाटक
12	श्रीमती ए.पी. सुबद्रा	केरल
13	सिस्टर सुनीता चिरायथ	केरल
14	श्रीमती अन्नपूर्णा तिवारी	मध्य प्रदेश
15	श्रीमती कल्पना दीपक नगारे	महाराष्ट्र
16	श्रीमती लिंगनीलम किपजॅन	मणिपुर
17	श्रीमती मोंगजम थवा देवी	मणिपुर
18	श्रीमती बीनापति सेठी	ओड़िशा
19	श्री सुरेन्द्र सिंह बंकावत	राजस्थान
20	श्रीमती केसंग यौडेन भूतिया	सिक्किम
21	प्रोफेसर एम. विजयालक्ष्मी	तमिलनाडु
22	श्रीमती मणिका रॉय	त्रिपुरा
23	श्रीमती निर्मला पांडे	उत्तराखंड
24	श्रीमती गौरी लामा	पश्चिम बंगाल
2011		
1	मल्लिका देवी पिल्ले	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह
2	प्रोफेसर श्रीलता पिल्ले	छत्तीसगढ़
3	सुश्री नलिनी मिका हबिट	दादरा एवं नगर हवेली
4	रजनी कोसाम्बे	दमन एवं दीव
5	सेलीकुट्टी ई. जॉर्ज	दमन एवं दीव
6	मेजर जनरल जे.के. ग्रेवाल	दिल्ली
7	जेकिंटा गुंजियाल	दिल्ली
8	लूसी पेट्रिक साइमन	दिल्ली
9	मंजुला शर्मा	दिल्ली
10	गीता बेन एम. त्रिवेदी	गुजरात
11	निमिशाबेन चावड़ा	गुजरात
12	हसीना वानी	जम्मू–कश्मीर
13	डी. रमानी प्रीमलथा	कर्नाटक
14	लक्ष्मी बी.	कर्नाटक
15	एम.सी. ललिता	कर्नाटक
16	सुगंधि वी. पोलिसपटिॲल	कर्नाटक
17	सुषमा एस.	केरल
18	उषा देवी वी.	केरल
19	अरविंद भास्कर कुलकर्णी	महाराष्ट्र

No.	Name	State
11	Mrs. Anasuyamma	Karnataka
12	Mrs. A.P. Subadra	Kerala
13	Sister Sunitha Chirayath	Kerala
14	Mrs. Annapurna Tiwari	Madhya Pradesh
15	Mrs. Kalpana Deepak Nagare	Maharashtra
16	Mrs. Lhingneilam Kipgen	Manipur
17	Mrs. Mongjam Thaba Devi	Manipur
18	Mrs. Binapani Sethy	Odisha
19	Mr. Surendra Singh Bankawat	Rajasthan
20	Mrs. Kesang Youden Bhutia	Sikkim
21	Prof. M. Vijayalakshmi	Tamil Nadu
22	Mrs. Manika Roy	Tripura
23	Mrs. Nirmala Pandey	Uttarakhand
24	Mrs. Gouri Lama	West Bengal
2011		
1	Mallika Devi Pillai	Andaman & Nicobar Islands
2	Prof. Sreelata Pillai	Chhattisgarh
3	Ms. Nalini Mika Habit	Dadra & Nagar Haveli
4	Rajani Kossambe	Daman & Diu
5	Sallykutty E. George	Daman & Diu
6	Maj. Gen. J.K. Grewal	Delhi
7	Jacinta Gunjiyal	Delhi
8	Lucy Patrick Simon	Delhi
9	Manjula Sharma	Delhi
10	Geeta Ben M. Trivedi	Gujarat
11	Nimishaben Chavda	Gujarat
12	Hassina Wani	Jammu & Kashmir
13	D. Ramani Premlatha	Karnataka
14	Laxmi B.	Karnataka
15	M.C. Lalitha	Karnataka
16	Sugandhi V. Policepatial	Karnataka
17	Sushama S.	Kerala
18	Usha Devi V.	Kerala
19	Arvind Bhaskar Kulkarni	Maharashtra

क्र.सं.	नाम	राज्य
20	आशा रामदास पाटिल	महाराष्ट्र
21	कोनसम सतराबती देवी	मणिपुर
22	थोंगाम बिनोदिनी देवी	मणिपुर
23	वुंगखोनिअंग	मणिपुर
24	लालबिआकसंगी	मिजोरम
25	आर. कन्नम्मल	पुडुचेरी
26	द्रोपदी घिमिरॉय	सिक्किम
27	सिस्टर शोभना	तमिलनाडु
28	नारायण बीर	त्रिपुरा
29	सीमा देब	त्रिपुरा
30	माधुरी स्मिथ	उत्तर प्रदेश
31	नारदी बिष्ट	उत्तराखंड
32	सरिता थापा	उत्तराखंड
33	उषा श्रीवास्तव	उत्तराखंड
34	माधबी दास	पश्चिम बंगाल
35	रीना सामंता	पश्चिम बंगाल
	2012	
1	नवा लचू अहटे	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह
2	बोनम एस्तर हेमानलिनी	आंध्र प्रदेश
3	कु. चालाना जे. राठोड	दमन एवं दीव
4	सुनीता आर. ढोंड	दमन एवं दीव
5	हरबंस बत्रा	दिल्ली
6	जयकुमारी सी.एच.	दिल्ली
7	सतवंत कौर	दिल्ली
8	सुरेश टी.पी.	दिल्ली
9	अग्रवाल दिनेश सतीश कुमार	गुजरात
10	सुरेश कुमारी	हरियाणा
11	रेहाना अख्तर	जम्मू–कश्मीर
12	अरुणा कुमारी सिंहा	झारखंड
13	बासम्मा टी. हंचिनल	कर्नाटक
14	डी. पद्मावती	कर्नाटक
15	राधामनी पी.जी.	केरल
16	सुदर्शसा के.	केरल
17	वी.जी. पद्मिनी	केरल

No.	Name	State
20	Asha Ramdas Patil	Maharashtra
21	Konsam Satrabati Devi	Manipur
22	Thongam Binodini Devi	Manipur
23	Vungkhoniang	Manipur
24	Lalbiaksangi	Mizoram
25	R. Kannammal	Puducherry
26	Droupadi Ghimiray	Sikkim
27	Sister Shobhana	Tamil Nadu
28	Narayan Bir	Tripura
29	Sima Deb	Tripura
30	Madhuri Smith	Uttar Pradesh
31	Nardi Bisht	Uttarakhand
32	Sarita Thapa	Uttarakhand
33	Usha Srivastava	Uttarakhand
34	Madhabi Das	West Bengal
35	Rina Samanta	West Bengal
	2012	
1	Naw Lachu Ahtee	Andaman & Nicobar Islands
2	Bonam Esther Hemanalini	Andhra Pradesh
3	Kum. Chalana J. Rathod	Daman & Diu
4	Sunita R. Dhonde	Daman & Diu
5	Harbans Batra	Delhi
6	Jayakumari C.H.	Delhi
7	Satwant Kaur	Delhi
8	Suresh T.P.	Delhi
9	Agrawal Dinesh Satish Kumar	Gujarat
10	Suresh Kumari	Haryana
11	Rehana Akhter	Jammu & Kashmir
12	Aruna Kumari Sinha	Jharkhand
13	Basamma T. Hanchinal	Karnataka
14	D. Padmavathy	Karnataka
15	Radhamani P.G.	Kerala
16	Sudarsa. K.	Kerala
17	V.G. Padmini	Kerala

क्र.सं.	नाम	राज्य
18	स्वर्गीय रेमा राजप्पन	केरल
19	स्वर्गीय विनीता पी.के.	केरल
20	सुजाता प्रेम लोखंडे	महाराष्ट्र
21	उषा दिनकर तलेले	महाराष्ट्र
22	लोरेम्बॅम कमला देवी	मणिपुर
23	एस. होइखोलहिंग	मणिपुर
24	उदासी साहू	ओड़िशा
25	आर. गीता	पुडुचेरी
26	शीला	पंजाब
27	पेत्सी आर. मेसी	राजस्थान
28	आर. सकिला	तमिलनाडु
29	श्री संजय साहा	त्रिपुरा
30	सुब्रत दास	त्रिपुरा
31	डेजी मेथ्यूज	उत्तर प्रदेश
32	ब्रिगेडियर शेरिंग खेंदो भूतिया	उत्तर प्रदेश
33	भवानी देव	उत्तराखंड
34	सुजाता सुरेंद्रन	उत्तराखंड
35	जयश्री मेती	पश्चिम बंगाल
36	ललिता जैना	पश्चिम बंगाल
2013		
1	सुश्री एन. लीला सेमुअल	आंध्र प्रदेश
2	सुश्री सुनीता कुमारी	बिहार
3	सुश्री अमश्ता एडविन	चंडीगढ़
4	सुश्री भानुबेन आर. पटेल	दादरा एवं नगर हवेली
5	सुश्री गीता सत्यासिंह ठाकुर	दादरा एवं नगर हवेली
6	सुश्री अनीथा अब्राहम	दमन एवं दीव
7	मेजर जनरल हरजिंदर भुल्लर, वीएसएम	दिल्ली
8	सुश्री नियांग नीकिम सिमटे	दिल्ली
9	सुश्री पुष्पा एवलिन सिंह	दिल्ली
10	सुश्री एलिजा रॉड्रिग्स	गोवा
11	सुश्री कमला दहिया	हरियाणा
12	सुश्री विजयालक्ष्मी बनर्जी	हरियाणा
13	सुश्री गोमती डडवाल	हिमाचल प्रदेश
14	सुश्री राठी शेठी	कर्नाटक

No.	Name	State
18	Late Remya Rajappan	Kerala
19	Late Vineetha P.K.	Kerala
20	Sujata Prem Lokhande	Maharashtra
21	Usha Dinkar Talele	Maharashtra
22	Lourembam Kamala Devi	Manipur
23	S. Hoikholhing	Manipur
24	Udasi Sahu	Odisha
25	R. Geetha	Puducherry
26	Sheela	Punjab
27	Petsy R. Massey	Rajasthan
28	R. Sakila	Tamil Nadu
29	Mr. Sanjoy Saha	Tripura
30	Subrata Das	Tripura
31	Daisy Mathews	Uttar Pradesh
32	Brig. Tshering Khendo Bhutia	Uttar Pradesh
33	Bhawani Dev	Uttarakhand
34	Sujata Surendran	Uttarakhand
35	Jayasri Maiti	West Bengal
36	Lalita Jana	West Bengal
2013		
1	Ms. N. Leela Samuel	Andhra Pradesh
2	Ms. Sunita Kumari	Bihar
3	Ms. Amrita Edwin	Chandigarh
4	Ms. Bhanuben R Patel	Dadra & Nagar Haveli
5	Ms. Geeta Satyasinh Thakore	Dadra & Nagar Haveli
6	Ms. Aneetha Abraham	Daman & Diu
7	Maj. Gen. Harjinder Bhullar, VSM	Delhi
8	Ms. Niang Neikim Simte	Delhi
9	Ms. Pushpa Evelyne Singh	Delhi
10	Ms. Eliza Rodrigues	Goa
11	Ms. Kamla Dahiya	Haryana
12	Ms. Vijayalakshmi Banerjee	Haryana
13	Ms. Gomti Dadwal	Himachal Pradesh
14	Ms. Rathi Shedthy	Karnataka

क्र.सं.	नाम	राज्य
15	सुश्री वाई. फ्लोरा थंगम	कर्नाटक
16	डॉ. कोचुथ्रेसियम्मा थॉमस	केरल
17	सुश्री पी.के. इंदिरा	केरल
18	सुश्री द्रोपदी तुकाराम साल्वे	महाराष्ट्र
19	सुश्री शकीला बशीर शेख	महाराष्ट्र
20	सुश्री शोभा सैमुअल योहाना	महाराष्ट्र
21	सुश्री वंदना नारायणराव उकी	महाराष्ट्र
22	सुश्री होइखोचिन हओकिप	मणिपुर
23	सुश्री थोंगाम मेमचा देवी	मणिपुर
24	सुश्री बिसिल्डा लैंगस्टीह	मेघालय
25	सुश्री इतिस मुकतीह	मेघालय
26	सुश्री थेमखोनेंग	नागालैंड
27	सुश्री के. कन्नम्मल	पुडुचेरी
28	सुश्री अन्नम्मा सैमुअल	राजस्थान
29	सुश्री आशा सेन	राजस्थान
30	श्री हेमेन्द्र कुमार	राजस्थान
31	डॉ. जयासेलन एम. देवदासन	तमिलनाडु
32	सुश्री जयलक्ष्मी वडीवेल	तमिलनाडु
33	सुश्री लीला मसीह	उत्तर प्रदेश
34	सुश्री माया बिष्ट	उत्तराखंड
35	सुश्री अपर्णा भूषण	पश्चिम बंगाल
	2014	
1	सुश्री ए. ज्ञान लक्ष्मी	आंध्र प्रदेश
2	सुश्री डेजी थॉमस	आंध्र प्रदेश
3	सिस्टर सौम्या	आंध्र प्रदेश
4	सुश्री गायती जेलंग	अरुणाचल प्रदेश
5	सुश्री तापसी पंडित	अरुणाचल प्रदेश
6	सुश्री बुलुमा साइकिया	असम
7	सुश्री रूनू भराली	असम
8	सुश्री अन्नम्मा वरघिस	बिहार
9	सुश्री मार्था डोदरे	बिहार
10	सुश्री कैलाश रशीद मसीह	चंडीगढ़
11	सुश्री सुनीता शर्मा	चंडीगढ़
12	सुश्री भानुमती कांतिलाल पोपटानी	दादरा एवं नगर हवेली

No.	Name	State
15	Ms. Y. Flora Thangam	Karnataka
16	Dr. Kochuthresiamma Thomas	Kerala
17	Ms. P.K. Indira	Kerala
18	Ms. Dropadi Tukaram Salve	Maharashtra
19	Ms. Shakila Bashir Shaikh	Maharashtra
20	Ms. Shobha Samuel Yohanna	Maharashtra
21	Ms. Vandana Narayanrao Uikey	Maharashtra
22	Ms. Hoikhochin Haokip	Manipur
23	Ms. Thongam Memcha Devi	Manipur
24	Ms. Bisilda Langstieh	Meghalaya
25	Ms. Itees Muktieh	Meghalaya
26	Ms. Themkhoneng	Nagaland
27	Ms. K Kannammal	Puducherry
28	Ms. Annamma Samuel	Rajasthan
29	Ms. Asha Sen	Rajasthan
30	Shri Hamendra Kumar	Rajasthan
31	Dr. Jeyaseelan M. Devadason	Tamil Nadu
32	Ms. Jayalakshmi Vadivel	Tamil Nadu
33	Ms. Leela Masih	Uttar Pradesh
34	Ms. Maya Bisht	Uttarakhand
35	Ms. Aparna Bhusan	West Bengal
2014		
1	Ms. A. Gnana Laxmi	Andhra Pradesh
2	Ms. DaizyThomas	Andhra Pradesh
3	Sister Saumya	Andhra Pradesh
4	Ms. Gyati Jailang	Arunachal Pradesh
5	Ms. Tapasi Pandit	Arunachal Pradesh
6	Ms. Buluma Saikia	Assam
7	Ms. Runu Bharali	Assam
8	Ms. Annamma Varughese	Bihar
9	Ms. Martha Dodray	Bihar
10	Ms. Kailash Rashid Masih	Chandigarh
11	Ms. Sunita Sharma	Chandigarh
12	Ms. Bhanumati Kantilal Popatani	Dadra & Nagar Haveli

क्र.सं.	नाम	राज्य
13	सुश्री मंजुलाबेन केशवभाई पटेल	दादरा एवं नगर हवेली
14	सुश्री मारिया कॉन्सेकॉओ सतोस डि कोस्टा	दमन एवं दीव
15	सुश्री आशा खोसला	दिल्ली
16	सुश्री कमला शर्मा	दिल्ली
17	सुश्री सुमन आर. कश्यप	दिल्ली
18	मेजर जनरल सुनीता कपूर	दिल्ली
19	सुश्री रफीका बशीर	जम्मू–कश्मीर
20	सुश्री प्रवीण एफ. गोरवनकोला	कर्नाटक
21	डॉ. साइलक्ष्मी गांधी	कर्नाटक
22	सुश्री शर्मिला के.	केरल
23	डॉ. सुधामनी अम्मा एस.	केरल
24	सुश्री छाया प्रमोद लाड	महाराष्ट्र
25	सुश्री वैशाली विलास रुइकर	महाराष्ट्र
26	सुश्री एल. चोंगनु कॉम	मणिपुर
27	सुश्री यमनाम सरोजा देवी	मणिपुर
28	सुश्री एलिस्टिना मारबनियांग	मेघालय
29	सुश्री लल्लुंगमुआनी	मिजोरम
30	सुश्री पद्माबती मेहर	ओड़िशा
31	श्री बलदेव सिंह	राजस्थान
32	सुश्री बेला इंद्रानी	तमिलनाडु
33	डॉ. पुनीता विजया एजिलारसु	तमिलनाडु
34	सुश्री लक्ष्मी रोंगकाली	उत्तराखंड
35	सुश्री सुप्रिति काना मंडल	पश्चिम बंगाल
	2015	
1	सुश्री सरोजिनी नायक	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह
2	डॉ. शराफ अनुराधा	आंध्र प्रदेश
3	सुश्री रेवती जेराम	अरुणाचल प्रदेश
4	सुश्री मिनाती कलिता	असम
5	सुश्री कुमारी रूपा सिंहा	बिहार
6	सुश्री अम्नम्मा के.	दादरा एवं नगर हवेली
7	श्री कृष्ण बिहारी	दिल्ली
8	सुश्री नीलम आर. लाल	दिल्ली
9	सुश्री शकुंतला देवी	दिल्ली
10	मेजर जनरल सुशीला शाही, एमएनएस	दिल्ली

No.	Name	State
13	Ms. Manjulaben Keshavbhai Patel	Dadra & Nagar Haveli
14	Ms. Maria Conceicao Satos De Costa	Daman & Diu
15	Ms. Asha Khosla	Delhi
16	Ms. Kamla Sharma	Delhi
17	Ms. Suman R. Kashyap	Delhi
18	Maj. Gen. Sunita Kapoor	Delhi
19	Ms. Rafiqa Bashir	Jammu & Kashmir
20	Ms. Praveen F. Goravanakolla	Karnataka
21	Dr. Sailaxmi Gandhi	Karnataka
22	Ms. Sharmila K.	Kerala
23	Dr. Sudhamani Amma S.	Kerala
24	Ms. Chhaya Pramod Lad	Maharashtra
25	Ms. Vaishali Vilas Ruikar	Maharashtra
26	Ms. L. Chongnu Kom	Manipur
27	Ms. Yumnam Soroja Devi	Manipur
28	Ms. Elistina Marbaniang	Meghalaya
29	Ms. Lallungmuani	Mizoram
30	Ms. Padmabati Mehar	Odisha
31	Mr. Baldev Singh	Rajasthan
32	Dr. Punitha Vijaya Ezhilarasu	Tamil Nadu
33	Ms. Beula Indrani	Tamil Nadu
34	Ms. Laxmi Rongkali	Uttarakhand
35	Ms. Supriti Kana Mandal	West Bengal
2015		
1	Ms. Sarojini Naik	Andaman & Nicobar Islands
2	Dr. Sharaf Anuradha	Andhra Pradesh
3	Ms. Rewati Jeram	Arunachal Pradesh
4	Ms. Minati Kalita	Assam
5	Ms. Kumari Rupa Sinha	Bihar
6	Ms. Annamma K.	Dadra & Nagar Haveli
7	Shri Krishan Bihari	Delhi
8	Ms. Neelam R. Lall	Delhi
9	Ms. Shakuntla Devi	Delhi
10	Maj. Gen. Sushila Shahi, MNS	Delhi

क्र.सं.	नाम	राज्य
11	सुश्री जयश्रीबेन जी. चावड़ा	गुजरात
12	सुश्री राम दुलारी नेगी	हिमाचल प्रदेश
13	सुश्री रेहाना कौसर	जम्मू–कश्मीर
14	डॉ. के. ललिता	कर्नाटक
15	डॉ. आर. श्रीवाणी	कर्नाटक
16	सुश्री के. सोजा बेबी	केरल
17	सुश्री अनीता उस्र्थे	मध्य प्रदेश
18	सुश्री अमिना अब्बास नदफ	महाराष्ट्र
19	सुश्री विजया मुकाजी राउत	महाराष्ट्र
20	सुश्री वुंगजानेम वाल्ते	मणिपुर
21	सुश्री मारवांका मशचियांग	मेघालय
22	सुश्री वंदानोरा मार्पा	मेघालय
23	सुश्री वानुआइथंगी	मिजोरम
24	सुश्री उल्लाश मंजरी महापात्रा	ओड़िशा
25	डॉ. ई. प्रेमिला	पुडुचेरी
26	सुश्री कल्पना सम्पथ	पुडुचेरी
27	सुश्री गुरमीत कौर	पंजाब
28	श्री जोगेंद्र शर्मा	राजस्थान
29	सुश्री के. कस्थुरी	तमिलनाडु
30	सुश्री एम. उमानगेंद्रमणि	तेलंगाना
31	सुश्री अनुपमा कार	त्रिपुरा
32	सुश्री छंदा पांडे	उत्तर प्रदेश
33	सुश्री गिबिमोल टी. मैथ्यू	उत्तराखंड
34	सुश्री मिठु संबिघना	पश्चिम बंगाल
35	सुश्री त्रिप्ता बनर्जी	पश्चिम बंगाल
2016		
1	सुश्री गुंडाला सुगंधम्मा	आंध्र प्रदेश
2	सुश्री नामने मीना	अरुणाचल प्रदेश
3	सुश्री हिमादा साइकिया	असम
4	सुश्री सुरिया बेगम	असम
5	सुश्री पुष्पा कुमारी	बिहार
6	सुश्री जसविंदर बख्सी	चंडीगढ़
7	सुश्री सेसिलिया आर. जाधव	दादरा एवं नगर हवेली
8	सुश्री जयश्री नरहर कुलकर्णी	दमन एवं दीव

No.	Name	State
11	Ms. Jayshriben G. Chavda	Gujarat
12	Ms. Ram Dulari Negi	Himachal Pradesh
13	Ms. Rehana Kousar	Jammu & Kashmir
14	Dr. K. Lalitha	Karnataka
15	Dr. R. Sreevani	Karnataka
16	Ms. K. Soja Baby	Kerala
17	Ms. Anita Usrathe	Madhya Pradesh
18	Ms. Amina Abbas Nadaf	Maharashtra
19	Ms. Vijaya Mukaji Raut	Maharashtra
20	Ms. Vungzanem Valte	Manipur
21	Ms. Marwanka Myrchiang	Meghalaya
22	Ms. Wandanora Marpna	Meghalaya
23	Ms. Vanhnuaithangi	Mizoram
24	Ms. Ullash Manjari Mohapatra	Odisha
25	Dr. E. Premila	Puducherry
26	Ms. Kalpana Sampath	Puducherry
27	Ms. Gurmeet Kaur	Punjab
28	Shri Jogendra Sharma	Rajasthan
29	Ms. K. Kasthuri	Tamil Nadu
30	Ms. M. Umanagendramani	Telangana
31	Ms. Anupama Kar	Tripura
32	Ms. Chhanda Pandey	Uttar Pradesh
33	Ms. Gibymol T. Mathew	Uttarakhand
34	Ms. Mithu Sanbighna	West Bengal
35	Ms. Tripta Banerjee	West Bengal
2016		
1	Ms. Gundala Sugandhamma	Andhra Pradesh
2	Ms. Namne Mena	Arunachal Pradesh
3	Ms. Himada Saikia	Assam
4	Ms. Suriya Begum	Assam
5	Ms. Pushpa Kumari	Bihar
6	Ms. Jaswinder Bakshi	Chandigarh
7	Ms. Cecilia R. Jadhav	Dadar & Nagar Haveli
8	Ms. Jayshree Narhar Kulkarni	Daman & Diu

क्र.सं.	नाम	राज्य
9	मेजर जनरल एलिजाबेथ जॉन	दिल्ली
10	सुश्री जीना प्रदीप	दिल्ली
11	सुश्री निर्मला सिंह	दिल्ली
12	सुश्री संध्या शर्मा	दिल्ली
13	श्री सुरेश चंद सांगी	दिल्ली
14	सुश्री लिबेरता परेरा	गोवा
15	सुश्री विभा जी. सलालीया	गुजरात
16	सुश्री आशा सिंगता	हिमाचल प्रदेश
17	डॉ. मुनीरा कचरु	जम्मू–कश्मीर
18	सुश्री वाई शैलजा	झारखंड
19	डॉ. रामचंद्र	कर्नाटक
20	सुश्री शांति बाई कट्टीमणि	कर्नाटक
21	सुश्री लिंसी पी.जे.	केरल
22	सुश्री श्रीलेखा आर.	केरल
23	सुश्री ज्योति मुरलीधर भांगले	महाराष्ट्र
24	सुश्री मीरा किशोर परदेशी	महाराष्ट्र
25	सुश्री नीजाचोंग थांग्यो	मणिपुर
26	सुश्री तोजम मोम्बी देवी	मणिपुर
27	सुश्री संती श्याला	मेघालय
28	डॉ. रेबेका सेमसन	पुडुचेरी
29	सुश्री साहिरा बानू	पुडुचेरी
30	सुश्री सेंगमलरसेल्वी एम.	पुडुचेरी
31	सुश्री मधु कला मिश्रा	सिक्किम
32	सुश्री जी. श्यामला गोपु	तमिलनाडु
33	सुश्री स्वप्ना देबबर्मा	त्रिपुरा
34	सुश्री दीपा जोशी	उत्तराखंड
35	सुश्री रीता रॉय	पश्चिम बंगाल
2017		
1	श्रीमती गोविंदम्मा वेजेंदला	आंध्र प्रदेश
2	श्रीमती मडेला एम.एच. प्रमीला देवी	आंध्र प्रदेश
3	श्रीमती कागो टी. यॅसुंग	अरुणाचल प्रदेश
4	श्रीमती विभा कुमारी	बिहार
5	प्रोफेसर डॉ. अभिलेखा बिस्वाल	छत्तीसगढ़
6	सुश्री लालपेकमावी	दादरा एवं नगर हवेली

No.	Name	State
9	Major General Elizabeth John	Delhi
10	Ms. Jeena Pradeep	Delhi
11	Ms. Nirmala Singh	Delhi
12	Ms. Sandhya Sharma	Delhi
13	Mr. Suresh Chand Sangi	Delhi
14	Ms. Liberata Pereira	Goa
15	Ms. Vibha G. Salaliya	Gujarat
16	Ms. Asha Singta	Himachal Pradesh
17	Dr. Munira Kachroo	Jammu & Kashmir
18	Ms. Y. Shailaja	Jharkhand
19	Dr. Ramachandra	Karnataka
20	Ms. Shantha Bai Kattimani	Karnataka
21	Ms. Lincy P.J.	Kerala
22	Ms. Sreelekha R.	Kerala
23	Ms. Jyoti Muralidhar Bhangale	Maharashtra
24	Ms. Meera Kishor Pardeshi	Maharashtra
25	Ms. Neizachong Thangeo	Manipur
26	Ms. Toijam Mombi Devi	Manipur
27	Ms. Santee Shylla	Meghalaya
28	Dr. Rebecca Samson	Puducherry
29	Ms. M. Sahira Banu	Puducherry
30	Ms. Sengamalarselvi M.	Puducherry
31	Ms. Madhu Kala Mishra	Sikkim
32	Ms. G. Shyamala Gopu	Tamil Nadu
33	Ms. Swapna Debbarma	Tripura
34	Ms. Deepa Joshi	Uttarakhand
35	Ms. Rita Roy	West Bengal
2017		
1	Smt. Govindamma Vejedla	Andhra Pradesh
2	Smt. Maddela M.H. Prameela Devi	Andhra Pradesh
3	Smt. Kago T. Yasung	Arunachal Pradesh
4	Smt. Vibha Kumari	Bihar
5	Prof. Dr. Abhilekha Biswal	Chhattisgarh
6	Ms. Lalpekmawii	Dadra & Nagar Haveli

क्र.सं.	नाम	राज्य
7	श्रीमती मीनाबेन ए. मिस्त्री	दादरा एवं नगर हवेली
8	डॉ. अलेयम्मा टी. कोरा	दिल्ली
9	श्रीमती हरविंदर कौर	दिल्ली
10	प्रोफेसर डॉ. पिती कौल	दिल्ली
11	श्रीमती सौमिनी प्रसन्नन	दिल्ली
12	श्रीमती उर्मिला गुलेरिया	हिमाचल प्रदेश
13	श्रीमती वजीरा फिरदॉस	जम्मू–कश्मीर
14	श्रीमती शकुंतला डी.बी.	कर्नाटक
15	श्रीमती शिवम्मा वी.	कर्नाटक
16	श्रीमती गीताकुमारी बी.एस.	केरल
17	श्रीमती सिंधु एन.आर.	केरल
18	श्रीमती सुरा कुमारी आर.	केरल
19	श्री अहमद खफी	लक्षद्वीप
20	श्री पी. मोहम्मद सलाहुद्दीन	लक्षद्वीप
21	श्रीमती अरबीना शेख	मध्य प्रदेश
22	श्रीमती चंद्रकला अविनाश चव्हाण	महाराष्ट्र
23	श्रीमती कल्पना लक्ष्मण गायकवाड़	महाराष्ट्र
24	श्रीमती स्वप्ना सतीश जोशी	महाराष्ट्र
25	श्रीमती नम्पानलिउ रियामेई	मणिपुर
26	श्रीमती मोडिरा सिंजोइन	मेघालय
27	श्रीमती के. कृष्णा कुमारी	ओड़िशा
28	श्रीमती एन. बंगाराम्मल	पुडुचेरी
29	श्री राज कुमार	राजस्थान
30	श्रीमती वी. जयंती	तमिलनाडु
31	श्रीमती डुन्ना जया	तेलंगाना
32	श्रीमती भाग्य सिंह	त्रिपुरा
33	श्रीमती सुजाता गून	त्रिपुरा
34	सुश्री दलिरानी मन्ना	पश्चिम बंगाल
35	श्रीमती सुदीप भट्टाचार्जी	पश्चिम बंगाल
2018		
1	श्रीमती शकीला	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह
2	श्रीमती यसुपोगू सौजन्या	आंध्र प्रदेश
3	श्रीमती टॅगे मुनिया	अरुणाचल प्रदेश
4	श्रीमती इला सुतिया	असम

No.	Name	State
7	Smt. Minaben A. Mistry	Dadra & Nagar Haveli
8	Dr. Aleyamma T. Kora	Delhi
9	Smt. Harvinder Kaur	Delhi
10	Prof. Dr. Pity Koul	Delhi
11	Smt. Saumini Prasannan	Delhi
12	Smt. Urmila Guleria	Himachal Pradesh
13	Smt. Wazira Firdous	Jammu & Kashmir
14	Smt. Shakunthala D.B.	Karnataka
15	Smt. Shivamma V.	Karnataka
16	Smt. Geethakumari B.S.	Kerala
17	Smt. Sindhu N.R.	Kerala
18	Smt. Sura Kumari R	Kerala
19	Shri Ahammed Khafi	Lakshadweep
20	Shri P. Mohammed Salahudeen	Lakshadweep
21	Smt. Arbeena Shaikh	Madhya Pradesh
22	Smt. Chandrakala Avinash Chavan	Maharashtra
23	Smt. Kalpana Laxman Gaikwad	Maharashtra
24	Smt. Swapna Satish Joshi	Maharashtra
25	Smt. Nampanliu Riamei	Manipur
26	Smt. Modyra Synjoin	Meghalaya
27	Smt. K Krishna Kumari	Odisha
28	Smt. N Bangarammal	Puducherry
29	Shri Raj Kumar	Rajasthan
30	Smt. V Jayanthi	Tamil Nadu
31	Smt. Dunna Jaya	Telangana
32	Smt. Bhagya Singha	Tripura
33	Smt. Sujata Goon	Tripura
34	Ms. Dalirani Manna	West Bengal
35	Smt. Sudipta Bhattacharjee	West Bengal
	2018	
1	Smt. Shakila	Andaman & Nicobar Islands
2	Smt. Yesupogu Sowjanya	Andhra Pradesh
3	Smt. Tage Munya	Arunachal Pradesh
4	Smt. Ila Chutia	Assam

क्र.सं.	नाम	राज्य
5	श्रीमती मालती सैकिया	असम
6	श्रीमती उषा कुमारी	बिहार
7	श्रीमती रविंदर गिल	चंडीगढ़
8	श्रीमती जाहिदा खान	छत्तीसगढ़
9	श्रीमती सविताबेन एल. चौहान	दादरा एवं नगर हवेली
10	श्रीमती भाग्यलक्ष्मी के. सोलंकी	दमन एवं दीव
11	श्रीमती अनिता तोमर पंवार	दिल्ली
12	मेजर जनरल अन्नॅकुट्टी बाबू	दिल्ली
13	श्रीमती हरजीत कौर	दिल्ली
14	श्रीमती मोनिका महाजन	दिल्ली
15	श्रीमती नीलम रसेली	दिल्ली
16	श्री सुशांत एस. भटिकर	गोवा
17	श्री परमार कमलेश गोविंदभाई	गुजरात
18	श्रीमती चंपा चौहान	हिमाचल प्रदेश
19	श्रीमती वृंदम्मा	कर्नाटक
20	श्रीमती पद्मजा देवी एस.एस.	केरल
21	श्री अकबर अली पी.के.	लक्षद्वीप
22	श्रीमती आशा नरेंद्र महाजन	महाराष्ट्र
23	श्रीमती शोभा माधव पाटिल	महाराष्ट्र
24	श्रीमती एस. आशिआ	मणिपुर
25	श्रीमती अनिता कुमारी परीदा	ओड़िशा
26	श्रीमती इंदिरा पी.	पुडुचेरी
27	डॉ. (श्रीमती) दर्शन कौर सोही	पंजाब
28	सुश्री रूपा उपाध्याय	राजस्थान
29	श्रीमती भारती आर,	तमिलनाडु
30	थिरुमती पी. भुवनेश्वरी	तमिलनाडु
31	श्रीमती बी. विजय लक्ष्मी	तेलंगाना
32	श्रीमती शीमा भौमिक	त्रिपुरा
33	श्रीमती वीना वर्मा	उत्तर प्रदेश
34	श्रीमती रंजना वालिया	उत्तराखंड
35	श्रीमती सोनाली सामंता	पश्चिम बंगाल
2019		
1	श्रीमति के. अन्नालक्ष्मी	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह
2	श्रीमति दरिवेमुला विना कुमारी	आंध्र प्रदेश

No.	Name	State
5	Smt. Malti Saikia	Assam
6	Smt. Usha Kumari	Bihar
7	Smt. Ravinder Gill	Chandigarh
8	Smt. Zahida Khan	Chhattisgarh
9	Smt. Savitaben L. Chauhan	Dadra & Nagar Haveli
10	Smt. Bhagyalaxmi K. Solanki	Daman & Diu
11	Smt. Anita Tomar Panwar	Delhi
12	Maj. Gen. Annakutty Babu	Delhi
13	Smt. Harjit Kaur	Delhi
14	Smt. Monika Mahajan	Delhi
15	Smt. Neelam Rasaily	Delhi
16	Shri Sushant S. Bhatikar	Goa
17	Shri Parmar Kamlesh Govindbhai	Gujarat
18	Smt. Chamba Chauhan	Himachal Pradesh
19	Smt. Vrundamma	Karnataka
20	Smt. Padmaja Devi S.S.	Kerala
21	Shri Akbar Ali P.K.	Lakshadweep
22	Smt. Asha Narendra Mahajan	Maharashtra
23	Smt. Shobha Madhav Patil	Maharashtra
24	Smt. S. Ashia	Manipur
25	Smt. Anita Kumari Parida	Odisha
26	Smt. Indira P.	Puducherry
27	Dr. (Smt.) Darshan Kaur Sohi	Punjab
28	Ms. Rupa Upadhyay	Rajasthan
29	Smt. Bharathi R.	Tamil Nadu
30	Tmt. P. Bhuvaneswari	Tamil Nadu
31	Smt. B. Vijay Laxmi	Telangana
32	Smt. Shima Bhowmik	Tripura
33	Smt. Veena Verma	Uttar Pradesh
34	Smt. Ranjana Walia	Uttarakhand
35	Smt. Sonali Samanta	West Bengal
2019		
1	Smt. K. Annalakshmi	Andaman & Nicobar Islands
2	Smt. Darivemula Vinna Kumari	Andhra Pradesh

क्र.सं.	नाम	राज्य
3	श्रीमति डूसु रिनया	अरुणाचल प्रदेश
4	श्रीमति अनिता देवी	असम
5	श्रीमति रूपा कुमारी	बिहार
6	श्रीमति शोभना पठानिया	चंडीगढ
7	श्रीमति रश्मि कमलाशंकर पाठक	दादरा एवं नगर हवेली
8	श्रीमति अचला	दिल्ली
9	श्रीमति बीना मल्होत्रा	दिल्ली
10	ब्रिगेडियर उषा देवी पी.जी	दिल्ली
11	श्री सोमा रामनाथ सिनारी	गोवा
12	श्रीमति कैलाशबेन जितेशभाई सोलंकी	गुजरात
13	श्रीमति सुनीता जाखड़	हरियाणा
14	हसीना परवीन (सोफी)	जम्मू कश्मीर
15	श्रीमति एस. लता	कर्नाटक
16	श्रीमति लिनी पी.एन. **(मरणोपरांत)**	केरल
17	श्रीमति सोभना एन.	केरल
18	मोहम्मद सलीह पी.एस.	लक्षद्वीप
19	श्रीमति अल्का श्रीवास्तव	मध्य प्रदेश
20	डॉ. (श्रीमति) सुनीता लॉरेंस	मध्य प्रदेश
21	श्रीमति आशा पंडित गजरे	महाराष्ट्र
22	श्रीमति छाया गम्भीरा पाटिल (धनविजय)	महाराष्ट्र
23	श्रीमति मैबम रनिता देवी	मणिपुर
24	श्रीमति रिमिस सुचिआंग	मेघालय
25	श्रीमति खिरिलाखोनुअॅ अनगामी	नागालैंड
26	श्रीमति ममता भोई	ओड़िशा
27	श्रीमति आर. हेमलता	पुडुचेरी
28	श्रीमति तेजिंदर पाल कौर	पंजाब
29	श्री सतीश चंद गुप्ता	राजस्थान
30	श्रीमति पी. कलाइसेलवी	तमिलनाडु
31	श्रीमति अस्का सलोम	तेलंगाना
32	श्रीमति सिखा देब	त्रिपुरा
33	श्रीमति सुशीला देवी	उत्तर प्रदेश
34	श्रीमति सुनीता रावत	उत्तराखंड
35	श्रीमति अरूपा साहा	पश्चिम बंगाल
36	श्रीमति संध्या रानी जना (डे)	पश्चिम बंगाल

No.	Name	State
3	Smt. Dusu Rinya	Arunachal Pradesh
4	Smt. Anita Devi	Assam
5	Smt. Rupa Kumari	Bihar
6	Smt. Shobhna Pathania	Chandigarh
7	Smt. Rashmi Kamlashankar Pathak	Dadra & Nagar Haveli
8	Smt. Achala	Delhi
9	Smt. Beena Malhotra	Delhi
10	Brig. Usha Devi P.G.	Delhi
11	Shri Soma Ramnath Sinari	Goa
12	Smt. Kailashben Jiteshbhai Solanki	Gujarat
13	Smt. Sunita Jakhar	Haryana
14	Ms. Haseena Parveen (Sofi)	Jammu & Kashmir
15	Smt. S. Latha	Karnataka
16	Smt. Lini P.N. **(Posthumous)**	Kerala
17	Smt. Sobhana N.	Kerala
18	Mohammed Salih P.S.	Lakshwadeep
19	Smt. Alka Shrivastava	Madhya Pradesh
20	Dr. (Smt.) Sunita Lawrence	Madhya Pradesh
21	Smt. Asha Pandit Gajare	Maharashtra
22	Smt. Chhaya Gambhira Patil (Dhanvijay)	Maharashtra
23	Smt. Maibam Ranita Devi	Manipur
24	Smt. Rimis Suchiang	Meghalaya
25	Smt. Khrielakhonuo Angami	Nagaland
26	Smt. Mamata Bhoi	Orissa
27	Smt. R. Hemalatha	Puducherry
28	Smt. Tejinder Pal Kaur	Punjab
29	Shri Satish Chand Gupta	Rajasthan
30	Smt. P. Kalaiselvi	Tamil Nadu
31	Smt. Aska Salome	Telangana
32	Smt. Sikha Deb	Tripura
33	Smt. Susheela Devi	Uttar Pradesh
34	Smt. Sunita Rawat	Uttrakhand
35	Smt. Arupa Saha	West Bengal
36	Smt. Sandhya Rani Jana (De)	West Bengal

राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल नर्स पुरस्कार-2020 के चयन हेतु मानदंड

राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार, भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा नर्सों की सराहनीय सेवाओं के सम्मान स्वरूप देने के लिए वर्ष 1973 में स्थापित किया गया था। वर्तमान वर्ष (2020) सहित अब तक कुल 533 नर्सों को इस पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

पुरस्कारों का विवरण

1. राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार में एक पदक, एक प्रमाण पत्र, एक उद्धरण और 50,000/– रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाता है।
2. सराहनीय सेवाएं करने वाले नर्सिंग कर्मियों की उपलब्धता के चलते प्रत्येक राज्य/केंद्रशासित प्रदेश, केंद्र सरकार और रक्षा सेवाओं के लिए एक–एक पुरस्कार निर्धारित किया गया है। पुरस्कार केंद्रीय/राजकीय/केंद्रशासित प्रदेश, गैर–सरकारी और स्वैच्छिक संगठनों में कार्यरत नर्सिंग कर्मियों को दिया जाता है।

पुरस्कारों का वर्गीकरण

पुरस्कारों की विभिन्न श्रेणियों का विवरण और प्रत्येक श्रेणी में दिए गए पुरस्कारों की संख्या निम्नानुसार हैः–

1. पंजीकृत सहायक नर्स प्रसाविका (एएनएम) – 17
2. पंजीकृत महिला स्वास्थ्य परिदर्शिका (एलएचवी) – 04
3. पंजीकृत नर्स एवं पंजीकृत दाई (रजिस्टर्ड नर्स एंड रजिस्टर्ड मिडवाइफ) – 30

पात्रता मानदंड

1. संबंधित श्रेणी में न्यूनतम 10 वर्ष का अनुभव। असाधारण प्रदर्शन के मामले में उम्र की कोई बाधा नहीं होगी।
2. राज्य सरकार, केंद्र सरकार, निजी संस्थानों/मिशनरियों और संबंधित राज्यों के प्रमुख स्वैच्छिक संस्थाओं से नामांकन मांगे जाने चाहिए।
3. केंद्रीय संस्थानों और स्वायत्त संस्थानों के अलावा सभी नामांकनों का नियंत्रण संबंधित राज्य के सचिव (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) द्वारा किया जाना चाहिए।
4. केंद्र सरकार के संस्थानों जैसे विश्वविद्यालय, अर्ध–सैन्य बल, सैन्य नर्सिंग बल, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), कर्मचारी बीमा निगम (ईएसआई), भारतीय रेलवे और आयुध कारखाने इत्यादि द्वारा आवेदन संस्थानाध्यक्ष के माध्यम से सीधे भारतीय उपचर्या परिषद् (आईएनसी) को भेजे जा सकते हैं।
5. सचिव (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) की अध्यक्षता वाली राज्य चयन समिति द्वारा चयन के बाद निरपवाद अनुशंसित पुरस्कार नामितों के आवेदनों को ही भेजा जाना चाहिए।
6. किसी भी परिस्थिति में राज्य चयन समिति के विचार और अनुशंसा के बिना कोई भी नामांकन नहीं भेजा जाना चाहिए। अगर नामांकन बिना अनुशंसा के प्राप्त होता है तो उस पर केंद्रीय चयन समिति द्वारा विचार नहीं किया जाएगा।
7. नर्स को राष्ट्रीय सराहनीय पुरस्कार के चयन के लिए अपने दावे के समर्थन में सभी दस्तावेज चयन समिति के अवलोकनार्थ प्रस्तुत करने होंगे, जिनसे यह साबित हो सके कि उसने समकक्ष उत्तरदायित्व वाले अन्य लोगों की तुलना में सामान्य रूप से अपेक्षित कर्तव्यों से परे प्रदर्शन किया है। नामितों का संक्षिप्त विवरण (रिज्यूम), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत एक सांविधिक निकाय – भारतीय उपचर्या परिषद्

CRITERIA FOR SELECTION FOR THE NATIONAL FLORENCE NIGHTINGALE NURSES AWARD-2020

National Florence Nightingale Award was instituted as a mark of recognition for the meritorious services of nurses, since 1973 onwards by Ministry of Health & Family Welfare, Government of India. The total number of nurses decorated with the award including those being awarded for the current year (2019) is 533.

Award Details

1. National Florence Nightingale Award carries a medal, a certificate, a citation and also a cash award of Rs.50,000/-.
2. One award is earmarked for each State/UT, Central Government and Defence Services subject to the availability of nursing personnel with meritorious services. The award is given to outstanding nursing personnel employed in Central/State/ UTs, Non-Government and Voluntary Organizations.

Categorization of Award

The various categories of awards and the number of awards given in each category are as under:-

1. Registered Auxiliary Nurse & Midwife (ANM) – 17
2. Registered Lady Health Visitors – 04
3. Registetred Nurses and Registered Midwives – 30

Eligibility Criteria

1. Minimum 10 years of experience in the respective category. In case of extraordinary performance age may not be a constraint.
2. The nominations should be called from State Government, Central Government, Private Institutions/Missionaries and Prominent Voluntary Organizations of the concerned State.
3. All nominations should be handled by the Secretary (Health & Family Welfare) of the concerned State except Central Government Institutions and Autonomous Organisations.
4. Central Government Institutions like Universities, Paramilitary Forces, Military Nursing Forces, AIIMS, ESI, Railways and Ordnance Factories etc. may directly send the applications to the Indian Nursing Council (INC) through the Head of Institutions.
5. The applications of the recommended Awardees must invariably be sent after making selection by the State Selection Committee headed by Secretary (Health & Family Welfare).
6. No nomination in any case should be sent without considering and recommendation of the State Selection Committee. If the nomination is received without the recommendation that will not be considered by the Central Selection Committee.
7. The nurses to be selected for a national meritorious award should furnish documents in support of her/his claim for the perusal of the Selection Committee that she/he has performed beyond the normal expectation of the job when compared to others with equivalent attributes. The resume should be strictly prepared on the

द्वारा जारी प्रोफोर्मा में दिए गए दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन करते हुए किया जाना चाहिए।

8. अपूर्ण आवेदन या निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन अथवा प्राधिकृत अधिकारियों द्वारा अग्रेषित नहीं किए गए आवेदन पुरस्कार के लिए विचारणीय नहीं होंगे और इस मामले में आगे कोई संदर्भ नहीं दिया जाएगा।

9. निर्धारित प्रोफार्मा में आवेदन के साथ निम्नलिखित दस्तावेज संलग्न किए जाने चाहिए :–

   (क) दो पासपोर्ट आकार के फोटोग्राफ

   (ख) शैक्षिक योग्यता और पंजीकरण प्रमाण पत्र के साथ जीवनवृत्त (बायोडाटा), उपलब्धियों का सारांश – उसके समर्थन में दस्तावेजों के साथ (जैसा कि मानदंडों में वांछित है)।

   (ग) मसौदा उद्धरण/ड्राफ्ट साइटेशन (एक पृष्ठ से अधिक नहीं होनी चाहिए)।

सहायक नर्स प्रसाविकाओं/महिला स्वास्थ्य परिदर्शिकाओं (ए.एन.एम./एल.एच.वी.) के चयन हेतु मानदंड

नीचे दिए गए सभी मानदंडों के समर्थन में दस्तावेज संलग्न करना आवश्यक है :–

1. **शैक्षिक योग्यता**

   (क) उनकी नौकरी के लिए आवश्यक योग्यताओं से परे अतिरिक्त योग्यताएं

   (ख) नर्सिंग के लिए आवश्यक अतिरिक्त योग्यताएं

2. **अनुभव (वर्ष में)**

3. **समुदाय/अस्पताल में दी गई विशेष सेवाएं**

   (क) राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन/राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रम – किसी एक या एक से अधिक गतिविधियों या कार्यक्रमों में विशेष योगदान/सहयोग :–

      (क) कुष्ठ नियंत्रण

      (ख) यक्ष्मा/तपेदिक (ट्यूबरकुलोसिस)

      (ग) एचआईवी और एड्स

      (घ) कैंसर देखभाल

      (ङ) प्रशामक देखभाल

      (च) मानसिक स्वास्थ्य

      (छ) वृद्धावस्था/जराचिकित्सा प्रबंधन

      (ज) विशिष्ट बच्चे (मानसिक रूप से मंद, शारीरिक रूप से विकलांग, शोषित/सुविधाओं से वंचित)

      (झ) संक्रामक रोग

      (ञ) कोई अन्य

   (ख) टीकाकरण, संस्थागत प्रसव/प्रसव संचालन के अंतर्गत प्राप्त किए गए लक्ष्य

   (ग) जीवन रक्षक तकनीकों का सफल निष्पादन

   (घ) पहल लेकर या नेतृत्व करते हुए स्वैच्छिक सेवाएं प्रदान करना/तबाही की रोकथाम

   (ङ) आपदा के पश्चात आपदा स्थल पर रहकर सेवा प्रदान करना और अनुवर्ती सेवाएं प्रदान करना

   (च) स्वास्थ्य शिक्षा/स्वास्थ्य शिविर/स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम/जागरूकता कार्यक्रम में भाग लेना

   (छ) गैर–संचारी रोग

   (ज) अभिलेख एवं प्रतिवेदन (रिकॉर्ड और रिपोर्ट)

4. **सेवाकालीन शिक्षा – कॉन्फ्रेंस, सेमिनार, वर्कशॉप, निरंतर नर्सिंग शिक्षा**

   (क) स्थानीय/जिला स्तर

   (ख) राजकीय स्तर

   (ग) राष्ट्रीय स्तर

basis of proforma and guidelines issued by Indian Nursing Council, a statutory body under the Ministry of Health & Family Welfare, Government of India.

8. Incomplete application or application received after the prescribed date or without forwarded by the prescribed authorities will not be eligible for consideration of award and no further reference in the matter will be made.

9. Application in the prescribed Proforma should be accompanied by:-

   (a) Two passport sized photographs.

   (b) Biodata with qualification and registration certificates, summary of achievements & documents in support thereof (as desired in the criteria).

   (c) Draft Citation (not exceeding one page).

Criteria for Selection of ANM/LHV

Supportive documents required for all criteria's mentioned below should be enclosed with the application.

1. Educational Qualification

   (a) Additional qualification beyond essential requirement for his/her job

   (b) Additional qualification applicable to nursing

2. Years of Experience

3. Special Services in the Community/ Hospital

   (a) National Health and Family Welfare programmes under NRHM/NHM: Special contribution/association towards the activities or programmes in any one or more:-

      (a) Leprosy Control

      (b) Tuberculosis

      (c) HIV & AIDS

      (d) Cancer Care

      (e) Palliative Care

      (f) Mental Health

      (g) Geriatric Management

      (h) Special children (mentally retarded, physically challenged, underprivileged)

      (i) Infectious diseases

      (j) Any other

   (b) Achievement of targets under immunization, institutional delivery/ conduction of delivery

   (c) Performing life saving techniques with a successful outcome

   (d) Prevention of a catastrophe/volunteer services by initiative taken or leadership assumed

   (e) Remaining and doing service at the post disaster site and follow-up service

   (f) Health education/participating in health camps/school health programme/awareness programme

   (g) Non-communicable diseases

   (h) Records and Reports

4. In-Service Education – Conference, Seminar, Workshop, Continuing Nursing Education (CNE)

   (a) Local/District level

   (b) State level

   (c) National level

5. **पेशेवर संगठनों/सांविधिक निकायों/मान्यता प्रदान करने वाली एजेंसियों, आदि की सदस्यता**

6. **प्राप्त किए गए सम्मान/पुरस्कार**

   (क) स्थानीय/जिला स्तर

   (ख) राजकीय/राष्ट्रीय स्तर

7. **जनजातीय/पहाड़ी/सुदूरवर्ती/दुर्गम क्षेत्रों में कार्य करना**

   जनजातीय समुदाय के साथ कार्य करना, दूरदराज के ऐसे क्षेत्रों जहां परिवहन, बिजली और बुनियादी सुविधाएं या तो उपलब्ध ही नहीं हैं या बहुत कम उपलब्ध हैं, दुर्गम क्षेत्रों जहां पहुंचने के लिए बहुत दूर तक पैदल अथवा नाव से यात्रा करनी पड़ती हो, में लोगों की सेवा करना। (सक्षम प्राधिकारी की प्रमाणित प्रति के अभाव में, कार्य–स्थल पर विचार किया जाएगा।)

आर.एन.आर.एम. (अस्पताल सेवा)/सार्वजनिक स्वास्थ्य नर्स के चयन हेतु मानदंड

नीचे दिए गए सभी मानदंडों के समर्थन में दस्तावेज संलग्न करना आवश्यक है :–

1. **शैक्षिक योग्यता**

   (क) उनकी नौकरी के लिए आवश्यक योग्यताओं से परे अतिरिक्त योग्यताएं – **स्टाफ नर्स,** न्यूनतम आवश्यक योग्यता – जी.एन.एम.

   (ख) नर्सिंग अभ्यास (विशिष्ट नर्सिंग कौशल और शिक्षा) के लिए प्रासंगिक/लाभकारी 6 माह से अधिक वाले पाठ्यक्रमों का अध्ययन कर प्राप्त की गई अतिरिक्त योग्यताएं

2. **अनुभव (वर्ष में)**

3. **अस्पताल/समुदाय में कार्यरत नर्स के रूप में विशेष योगदान (स्टाफ नर्स/पब्लिक हेल्थ नर्स)**

3.1 नर्सों द्वारा **अस्पताल** में नियमित नौकरी के दौरान अपनी कार्य सीमाओं से परे रोगियों और परिवारीजनों की देखभाल में सुधार लाने के लिए कार्य किया जाता है।

(क) किसी भी नए नर्सिंग देखभाल व्यवधान/रोगी शिक्षण सामग्री के विकास या भागीदारी में शामिल उत्कृष्ट नैदानिक नर्सिंग सेवा

(ख) नर्सिंग अभ्यास में प्रगतिशील गतिविधियां या उत्कृष्ट योगदान प्रदान करना, रोगियों की देखभाल की गुणवत्ता में गौर करने लायक सुधार लाने के लिए रोल मॉडल के रूप में कार्य करना।

(ग) किसी जिम्मेवार नर्सिंग इकाई (विशेष भूमिका/इकाई–संवहनी नर्स, दर्द नर्स, आईवी थेरेपी नर्स आदि) का विकास और व्यवस्थापन। अपने स्वयं के कौशल और ज्ञान को बढ़ाकर, कर्मचारियों का विकास कर, आपूर्ति और उपकरणों की खरीद कर, तकनीक को सुव्यवस्थित कर और टीम भावना को बनाए रखकर रोगियों को असाधारण देखभाल प्रदान करना, जिसके परिणामस्वरूप संस्था को सम्मान मिलता है।

या

नर्सों द्वारा **समुदाय या किसी अन्य सामुदायिक स्वास्थ्य संबंधी स्वैच्छिक संगठन** में नियमित नौकरी के दौरान अपनी कार्य सीमाओं से परे ग्राहकों, परिवारीजनों और सामुदायिक देखभाल में सुधार लाने के लिए कार्य किया जाता है।

(क) सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र में सृजनात्मक और अग्रणी भावना के साथ अनुकरणीय सेवाएं प्रदान करना जो नर्सिंग पेशे या स्वास्थ्य देखभाल के प्रावधानों पर निरंतर महत्वपूर्ण प्रभाव डालती हों।

(ख) अपने स्वयं के कौशल और ज्ञान को बढ़ाकर, कर्मचारियों का विकास कर, आपूर्ति और संसाधनों की खरीद कर और बहुविषयक टीम भावना और सहयोग को बनाए रखकर, उनकी सामूहिक स्वास्थ्य स्थिति में सुधार लाने के लिए एक समुदाय का विकास करना, जिसके परिणामस्वरूप

5. **Member in Professional Organizations/ Statutory Bodies/Accrediting Agencies etc.**

6. **Recognition/Awards Received**

    (a) Local/District level

    (b) State/National level

7. **Working in Tribal/Hilly/Remote/Difficult Area**

    Working with tribal community, in remote areas where no/less transport, electricity and basic amenities are available, difficult areas such as travelling by foot/boat for long distance to reach people for providing service. *In the absence of certified copy of competent authority, place of posting will be considered.*

Criteria for Selection of RNRM (Hospital Service)/Public Health Nurses

Supportive documents required for all criteria's mentioned below should be enclosed with the application.

1. **Educational Qualification**

    (a) Additional qualification beyond essential requirement for his/her job – **Staff Nurse.** *Essential requirement* – Minimum GNM

    (b) Additional qualification by undergoing courses for more than 6 months relevant/beneficial to nursing practice (Specialized nursing skills and education)

2. **Years of Experience**

3. **Special Contributions as a Practicing Nurse at Hospital/Community (Staff Nurse/Public Health Nurse)**

3.1 The nurse in her/his regular job in the **hospital** contributes to improve patient and family care by exceeding the limitations of the job functions.

(a) Excellent clinical nurse involving in development or participation in any new nursing care interventions/ patient teaching material.

(b) Innovative activities or outstanding contributions in nursing practice, acting as role model to improve quality of care impacting measurable patient care outcomes.

(c) Development and organization of a nursing unit of responsibility (Specialized role/unit-Vascular nurse, pain nurse, IV therapy nurse etc.) that provides extraordinary care to patients by increasing own skills and knowledge, developing staff, procuring supplies and equipment, streamlining techniques and maintaining team spirit resulting in recognition to the institution.

OR

The nurse in her/his regular job in the **community or any other community health related voluntary organization** contributes to improve client, family and community care by exceeding the limitations of the job functions.

(a) Exemplary services with a creative and pioneering spirit in the area of public health that have resulted significant impact on nursing profession or healthcare provision over a sustained period of time.

(b) Development of a community or section of community in promotion of their collective health status through increasing their own skills and knowledge, staff development, procuring supplies and resources

संगठन/स्वास्थ्य टीम/राज्य/राष्ट्र को सम्मान मिलता हो।

(ग) प्रगतिशील दृष्टिकोण के साथ स्वैच्छिक सेवा गतिविधियों (विशेष रूप से कमजोर/असुरक्षित जन–समुदाय के बीच), और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के सामुदायिक स्वास्थ्य मामलों में भागीदारी और असाधारण योगदान (विकलांग, बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य और सामाजिक विकास से संबंधित अनुकरणीय कार्य) किसी भी नए नर्सिंग देखभाल व्यवधान/रोगी शिक्षण सामग्री के विकास या भागीदारी में शामिल उत्कृष्ट नैदानिक नर्सिंग सेवा

3.2 अस्पताल/समुदाय में नियमित सेवारत नर्स द्वारा निम्नलिखित में से किसी एक या एक से अधिक गतिविधियों या कार्यक्रमों में विशेष योगदान/सहयोग का प्रदर्शन : –

(क) कुष्ठ नियंत्रण

(ख) यक्ष्मा/तपेदिक (ट्यूबरकुलोसिस)

(ग) एचआईवी और एड्स

(घ) कैंसर देखभाल

(ङ) प्रशामक देखभाल

(च) मानसिक स्वास्थ्य

(छ) वृद्धावस्था/जराचिकित्सा प्रबंधन

(ज) विशिष्ट बच्चे (मानसिक रूप से मंद, शारीरिक रूप से विकलांग, शोषित/सुविधाओं से वंचित)

(झ) अन्य संक्रामक और गैर–संक्रामक रोग तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम

(ञ) कोई अन्य

3.3 नियमित सेवारत नर्स द्वारा संकटकालीन परिस्थितियों जैसे दुर्घटना, आग, बाढ़, अकाल, आदि (जो किसी भी समय घटित हो सकती हैं) में अपनी सुरक्षा और संपत्ति की परवाह किए बिना निम्नलिखित किए गए वीरतापूर्ण कार्य (असाधारण सेवाओं के लिए अधिकारियों/एजेंसियों से प्रशंसा)

(क) खतरनाक परिस्थितियों में किसी व्यक्ति को बचाया जाना

(ख) एक सफल परिणाम के साथ जीवन रक्षक तकनीकों का प्रदर्शन

(ग) बिना किसी आधिकारिक मंजूरी के पहल कर या नेतृत्व कर तबाही की रोकथाम – (अग्निशमन, निकासी, भीड़ नियंत्रण)

(घ) आपदा के पश्चात एक लंबे समय तक घटना–स्थल पर तैनात रहकर संचार, पोषण, प्राथमिक चिकित्सा, निकासी या अन्य गतिविधियों जो भी आपात स्थिति के दौरान आवश्यक हों का आयोजन करना, जिससे किसी समूह/समुदाय को स्वास्थ्य लाभ में सहायता मिलती हो।

(ङ) असाधारण सेवाओं के लिए अधिकारियों/एजेंसियों से प्रशंसा

4. कॉन्फ्रेंस, सेमिनार, वर्कशॉप में सेवाकालीन शिक्षा/निरंतर नर्सिंग शिक्षा

(क) स्थानीय/राजकीय स्तर

(ख) राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर

5. पेशेवर संगठनों/सांविधिक निकायों/मान्यता प्रदान करने वाली एजेंसियों, आदि की सदस्यता

6. प्राप्त किए गए सम्मान/पुरस्कार

(क) स्थानीय/राजकीय स्तर

(ख) राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर

7. जनजातीय/पहाड़ी/सुदूरवर्ती/दुर्गम क्षेत्रों में कार्य करना

जनजातीय समुदाय के साथ कार्य करना, दूरदराज के ऐसे क्षेत्रों जहां परिवहन, बिजली और बुनियादी सुविधाएं या तो उपलब्ध ही नहीं हैं या बहुत कम उपलब्ध हैं, दुर्गम क्षेत्रों जहां पहुंचने के लिए बहुत दूर तक पैदल अथवा नाव से यात्रा करनी पड़ती हो, में लोगों की सेवा करना। (सक्षम प्राधिकारी की प्रमाणित प्रति के अभाव में, कार्य–स्थल पर विचार किया जाएगा।)

and maintaining interdisciplinary team spirit and cooperation that resulted in bringing recognition to the organization/healthcare team/state/nation.

(c) Participation and extraordinary contribution in community health affairs volunteering service activities with an innovative outlook particularly among vulnerable population and also in national health programs (Exemplary work among disabled, children and women-related to health or social development)

3.2 The Nurse who has regular job in the hospital/community demonstrates special contribution/association towards the activities or programmes in any one or more:-

(a) Leprosy Control

(b) Tuberculosis

(c) HIV & AIDS

(d) Cancer Care

(e) Palliative Care

(f) Mental Health

(g) Geriatric Management

(h) Special children (mentally retarded, physically challenged, underprivileged)

(i) Other communicable and non-communicable diseases and National health programmes

(j) Any other

3.3 The Nurse who has regular job but in times of crisis events such as accidents, fire, flood, famine etc. that may occur at any time, performs the following heroic acts regardless of one's own time, safety and possessions. (Testimonies from Authorities/Agencies for exceptional services)

(a) Rescuing a person/s under hazardous conditions

(b) Performing life saving techniques with a successful outcome

(c) Prevention of a catastrophe by taking initiative or assuming leadership without official sanction (fire fighting, evacuation, mob control).

(d) Remaining at post over an extended period of time which aids in recovery of a group/community following a disaster such as organizing communication, nutrition, first aid, evacuation or other activities that are essential during emergencies.

(e) Testimonies from Authorities/Agencies for exceptional services

4. In-Service Education/Continuing Nursing Education (CNE) at Conference, Seminar, Workshop

(a) Local/State level

(b) National/International level

5. Member in Professional Organizations/ Statutory Bodies/Accrediting Agencies etc.

6. Recognition/Awards Received

(a) Local/State level

(b) National/International level

7. Working in Tribal/Hilly/Remote/Difficult Area

Working with tribal community, in remote areas where no/less transport, electricity and basic amenities are available, difficult areas such as travelling by foot/boat for long distance to reach people for providing service. *In the absence of certified copy of competent authority, place of posting will be considered.*

नर्स प्रशासकों के चयन हेतु मानदंड

नीचे दिए गए सभी मानदंडों के समर्थन में दस्तावेज संलग्न करना आवश्यक है :–

1. **शैक्षिक योग्यता**

(क) उनकी नौकरी के लिए आवश्यक योग्यताओं से परे अतिरिक्त शैक्षिक योग्यताएं – **नर्स प्रशासक/प्रबंधक**

(ख) नर्सिंग अभ्यास/शिक्षा/अनुसंधान के लिए प्रासंगिक/लाभकारी 6 माह से अधिक वाले पाठ्यक्रमों का अध्ययन कर प्राप्त की गई अतिरिक्त योग्यताएं

2. **अनुभव (वर्ष में)**

3. **नर्स प्रशासक के रूप में विशेष योगदान**

(क) अस्पताल/समुदाय में रोगी देखभाल के मानकों और गुणवत्ता की ओर असाधारण योगदान। **उदाहरणः** केयर डिलीवरी मॉडल/प्रोटोकॉल विकसित करना, साक्ष्य आधारित अभ्यास शुरु/कार्यान्वित करना, नई नर्सिंग इकाई या सेवा (नर्सों के नेतृत्व वाले विशेष क्लीनिक जैसे स्टोमा क्लीनिक/डायबिटीज फुट क्लीनिक) स्थापित करना, डायबिटीज़ शिक्षक की तरह विशेषज्ञ भूमिकाएं निभाना, और गुणवत्तापूर्वक नर्सिंग देखभाल प्रदान करने के लिए आपूर्तियों और उपकरणों को उन्नत बनाना।

(ख) नर्सिंग के लिए जुनून का प्रदर्शन कर नर्सों की आजीविका के विकास और सलाह प्रदान कर नर्सिंग पेशे की उन्नति में योगदान देकर नर्सिंग समुदाय की हैसियत, उनके कल्याण और व्यावसायिक विकास में सुधार करना, सेवारत/निरंतर नर्सिंग शिक्षा (सीएनई) कार्यक्रमों/गतिविधियों का विकास और संचालन।

(ग) छात्रों और कर्मचारियों के नैदानिक शिक्षण में उत्कृष्टता लाने के लिए असाधारण प्रदर्शन और योगदान, सेवा और शिक्षा के बीच की खाई को पाटना, टीम भावना का प्रदर्शन और शिक्षण संस्थानों में सेवा और शिक्षा के बीच सहयोग।

(घ) प्रभावी नेतृत्व के द्वारा स्थापित प्रशासनिक तंत्र में किए गए प्रगतिशील परिवर्तन। (**उदाहरणः** शोध, परीक्षण, संक्रमण नियंत्रण पर अध्ययन, रोगी संतुष्टि के आधार पर स्टाफ के स्वरूप में परिवर्तन), प्रभावकारी संचार स्थापित कर नर्सिंग इकाइयों में कामकाज की नई प्रणाली विकसित करना और टीम प्रबंधन (**उदाहरणः** विशेष इकाइयों में नर्सों की अतिरिक्त भूमिका), ऐसे नीतिगत मुद्दों और गुणवत्ता सुधार में भूमिका निभाना जो नर्सिंग देखभाल की गुणवत्ता और कर्मचारियों के कल्याण को प्रभावित करते हैं जिससे देखभाल और शिक्षा प्राप्त करने वाले लोगों के जीवन पर असर पड़ता हो।

(ङ) प्राकृतिक त्रासदी, आपदा और युद्ध आदि जैसी विशेष परिस्थितियों के दौरान अनुकरणीय योगदान/स्वैच्छिक जीवनदायी गतिविधियां करना, संचार सुविधा, प्राथमिक चिकित्सा और पोषण, निकासी और अन्य आपातकालीन गतिविधियों की योजना बनाना और आयोजन करना, स्टाफ उपलब्ध कराना/प्रबंध करना, ऑनसाइट और निर्दिष्ट आपातकालीन इकाईयों में संसाधनों को खोजने के लिए निर्देशन, समन्वयन, रिपोर्टिंग जिसके परिणामस्वरूप सफल परिणाम मिल सकें।

4. **प्रकाशन और अनुसंधान**

(क) पोस्टर/पुस्तिका/रोगी शिक्षण सामग्री तैयार करना

(ख) पाठ्य पुस्तक/पत्रिका प्रकाशन

(ग) साक्ष्य आधारित अभ्यास की रहनुमाई करने वाले अनुसंधान कार्य में भाग लेना/करना

Criteria for Selection of Nurse Administrator

Supportive documents required for all criteria's mentioned below should be enclosed with the application.

1. **Educational Qualification**

   (a) Additional educational qualification beyond essential requirement for his/her job – **Nurse Administrator/ Manager**

   (b) Additional qualification by undergoing courses for more than 6 months relevant/beneficial to nursing practice/education/research

2. **Years of Experience**

3. **Special Contributions as Administrator**

   (a) Extraordinary Contribution towards standard and quality of patient care in the hospital/community. **Example:** Develop care delivery models/protocols, initiate/implement evidence based practice, plan and establish new nursing unit or service (specialty clinics-nurse led clinics such as stoma clinic/diabetes foot clinic), establish specialist roles like diabetes educator, and innovate supplies and equipment to deliver quality nursing care.

   (b) Improvements made in the status, welfare and professional development of the nursing community exhibiting passion for nursing and contribution towards advancement of nursing profession through mentoring and influencing career development of nurses, and developing and conducting in-service/CNE programs/ activities.

   (c) Extraordinary performance in contributing towards excellence in clinical teaching for students and staff, bridging the gap between service and education demonstrating team spirit and collaboration between service and education in teaching institutions.

   (d) Innovative Changes made in the administrative set up through effective leadership. (**Ex.** Staffing pattern changes based on research, audit, studies on infection control, patient satisfaction), developing new system of functioning in nursing units through effective communication liasoning & team management (**Ex.** Expanded roles of nurses in specialty units), involving in policy issues and quality improvement that influence nursing care quality and staff welfare making a difference to people receiving care and education.

   (e) Exemplary contribution during special circumstances like natural calamities, disasters and war etc./volunteer services by performing life-saving activities, planning and organising communication, first aid & nutrition, evacuation and other emergency activities, providing/arranging staffing, directing, coordinating, reporting and finding resources both in onsite and referral emergency units resulting in successful outcomes.

4. **Publications & Research**

   (a) Preparation of Posters/booklets/ patient teaching material

   (b) Text book/journal publications

   (c) Research (participating/conducting) leading to evidence based practice

5. **कान्फ्रेंस, सेमिनार, कार्यशाला के आयोजक/संसाधन संकाय/पेपर प्रस्तुतकर्ता**

(क) आयोजक – राजकीय/राष्ट्रीय स्तर

(ख) संसाधन संकाय/पेपर प्रस्तुतिकरण – राजकीय/राष्ट्रीय स्तर

6. **पेशेवर संगठनों/परिषदों/एसोसिएशंस की सदस्यता**

(क) स्थानीय स्तर/राजकीय स्तर

(ख) राष्ट्रीय स्तर

(ग) अन्तर्राष्ट्रीय स्तर

7. **प्राप्त किए गए सम्मान/पुरस्कार**

(क) स्थानीय स्तर/राजकीय स्तर

(ख) राष्ट्रीय स्तर/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर

8. **जनजातीय/पहाड़ी/सुदूरवर्ती/दुर्गम क्षेत्रों में कार्य करना**

जनजातीय समुदाय के साथ कार्य करना, दूरदराज के ऐसे क्षेत्रों जहां परिवहन, बिजली और बुनियादी सुविधाएं या तो उपलब्ध ही नहीं हैं या बहुत कम उपलब्ध हैं, दुर्गम क्षेत्रों जहां पहुंचने के लिए बहुत दूर तक पैदल अथवा नाव से यात्रा करनी पड़ती हो, में लोगों की सेवा करना। (सक्षम प्राधिकारी की प्रमाणित प्रति के अभाव में, कार्य–स्थल पर विचार किया जाएगा।)

नर्स शिक्षकों/नर्स शोधकर्ताओं के चयन हेतु मानदंड

नीचे दिए गए सभी मानदंडों के समर्थन में दस्तावेज संलग्न करना आवश्यक है :–

1. **शैक्षिक योग्यता**

(क) उनकी नौकरी के लिए आवश्यक योग्यताओं से परे अतिरिक्त शैक्षिक योग्यताएं – **नर्स शिक्षक/नर्स शोधकर्ता,** न्यूनतम आवश्यक योग्यता – ट्यूटर हेतु बी.एससी. तथा लेक्चरर हेतु एम.एससी.

(ख) नर्सिंग अभ्यास/शिक्षा/अनुसंधान के लिए प्रासंगिक/लाभकारी 6 माह से अधिक वाले पाठ्यक्रमों का अध्ययन कर प्राप्त की गई अतिरिक्त योग्यताएं

2. **शैक्षिक अनुभव (वर्ष)**

3. **नर्स शिक्षक के रूप में विशेष योगदान**

3.1 शिक्षण विधियों, शैक्षिक मीडिया/शिक्षण सामग्री जैसे पाठ्यक्रम कार्यान्वयन के प्रगतिशील तरीकों का विकास या शुरुआत और स्नातक (यूजी) और स्नातकोत्तर (पीजी) स्तर पर छात्रों का आंकलन/मूल्यांकन

3.2 उत्कृष्ट शिक्षण कौशल का प्रदर्शन, और प्रशंसा पत्र या पारितोषिक द्वारा सम्मानित

3.3 छात्रों को कार्योत्तर, स्वैच्छिक सेवाएं, प्राकृतिक त्रासदी/आपदा/स्वास्थ्य शिविरों के दौरान कार्य करने के लिए सलाह और मार्गदर्शन देना और परामर्श प्रदान कर छात्रों को अनुकरणीय योगदान देना।

3.4 सेवारत नर्सों/प्रगतिशील शिक्षण रणनीतियों और मूल्यांकन विधियों को एकीकृत करने वाली निरंतर नर्सिंग शिक्षा (सीएनई) के लिए अल्पावधि पाठ्यक्रमों का विकास करना/उनका कार्यान्वयन करना/उनकी तैयारी में भाग लेना

3.5 ऐसे शिक्षण मैनुअल या शैक्षिक फिल्म/प्रकाशन तैयार करना, जिसे उसकी अपनी शैक्षिक संस्था से परे स्वीकार किया जाता हो या उपयोग में लाया जाता हो और जो उस संस्था को सम्मान दिलाती हो जहां वह कार्यरत है।

(क) पाठ्य पुस्तक

(अ) एकल लेखक

(ब) अध्याय/खण्ड लेखक

(ख) अनुक्रमित राष्ट्रीय पत्रिकाएं (इंडेक्स्ड नेशनल जर्नल्स)

(अ) शोध लेख (नर्सिंग)

5. **Organizer/Resource Faculty/Paper Presenter – Conference, Seminar, Workshop**

   (a) Organizer – State/National level

   (b) Resource Faculty/Paper presentations – State/National level

6. **Membership of Professional Bodies/ Councils/Associations**

   (a) Local/State level

   (b) National level

   (c) International level

7. **Recognition/Awards Received**

   (a) Local/State level

   (b) National/International level

8. **Working in Tribal/Hilly/Remote/Difficult Area**

   Working with tribal community, in remote areas where no/less transport, electricity and basic amenities are available, difficult areas such as travelling by foot/boat for long distance to reach people for providing service. *In the absence of certified copy of competent authority, place of posting will be considered.*

Criteria for Selection of Nurse Educator/ Nurse Researcher

Supportive documents required for all criteria's mentioned below should be enclosed with the application.

1. **Educational Qualification**

   (a) Additional educational qualification beyond essential requirement for his/her job – **Nurse Educator/ Researcher**. *Essential requirement* – Minimum B.Sc. for Tutor and M.Sc. for Lecturer

   (b) Additional qualification by undergoing courses for more than 6 months relevant/beneficial to nursing practice/education/research

2. **Years of Experience in Teaching**

3. **Special Contributions as Nurse Educator**

3.1 Development or initiation of innovative methods of curriculum implementation such as teaching methods, educational media/teaching materials and assessment/ evaluation of students at the UG & PG levels.

3.2 Demonstrating excellent teaching skills, and recognized by appreciation letters or awards.

3.3 Exemplary contribution to students through mentoring and providing career guidance & counselling to students beyond work schedule/volunteer services/worked during natural disaster, calamites, health camps.

3.4 Develop/implement/participate in preparation of short term courses for in-service/CNE integrating innovative teaching strategies, and evaluation methods.

3.5 Preparation, teaching manual or educational film/publications that is accepted and used beyond her/his educational setting and brings recognition to the organisation which pays her/his salary.

   (a) Text book

      (i) Single author

      (ii) Author of chapter/s

   (b) Indexed National Journals

      (i) Research articles (Nursing)

      (ii) Health related articles

(ब) स्वास्थ्य संबंधी लेख

(ग) अनुक्रमित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाएं (इंडेक्स्ड इंटरनेशनल जर्नल्स)

(अ) शोध लेख (नर्सिंग)

(ब) स्वास्थ्य संबंधी लेख

(घ) स्वतंत्र या सहयोगात्मक अनुसंधान

4. **आयोजक/संसाधन संकाय/पेपर प्रस्तुततकर्ता – कॉन्फ्रेंस, सेमिनार, वर्कशॉप**

(क) आयोजक – स्थानीय स्तर/राजकीय स्तर

(ख) आयोजक – राष्ट्रीय स्तर/अंतर्राष्ट्रीय स्तर

(ग) संसाधन संकाय/प्रस्तुतकर्ता – स्थानीय स्तर/राजकीय स्तर

(घ) संसाधन संकाय/प्रस्तुतकर्ता – राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर

5. **पेशेवर संगठनों/सांविधिक निकायों/मान्यता प्रदान करने वाली एजेंसियों, आदि के सदस्य/पदाधिकारी के रूप में योगदान/उपलब्धियां**

(क) स्थानीय स्तर/राजकीय स्तर

(ख) राष्ट्रीय स्तर/अंतर्राष्ट्रीय स्तर

6. **प्राप्त किए गए सम्मान/पुरस्कार**

(क) स्थानीय स्तर/राजकीय स्तर

(ख) राष्ट्रीय स्तर

(ग) अन्तर्राष्ट्रीय स्तर

7. **जनजातीय/पहाड़ी/सुदूरवर्ती/दुर्गम क्षेत्रों में कार्य करना**

जनजातीय समुदाय के साथ कार्य करना, दूरदराज के ऐसे क्षेत्रों जहां परिवहन, बिजली और बुनियादी सुविधाएं या तो उपलब्ध ही नहीं हैं या बहुत कम उपलब्ध हैं, दुर्गम क्षेत्रों जहां पहुंचने के लिए बहुत दूर तक पैदल अथवा नाव से यात्रा करनी पड़ती हो, में लोगों की सेवा करना। (सक्षम प्राधिकारी की प्रमाणित प्रति के अभाव में, कार्य–स्थल पर विचार किया जाएगा।)

(c) Indexed International Journals

(i) Research articles (Nursing)

(ii) Health related articles

(d) Independent or collaborative research

4. Organizer/Resource Faculty/Paper Presenter – Conference, Seminar, Workshop

(a) Organizer – Local/State level

(b) Organizer – National/International level

(c) Resource faculty/presentation – Local/State level

(d) Resource faculty/presentation – National/International level

5. Contributions as Member/Office Bearer in Professional Organizations/Statutory Bodies/Accrediting Agencies etc.

(a) Local/State level

(b) National/International level

6. Recognition/Awards Received

(a) Local/State level

(b) National level

(c) International level

7. Working in Tribal/Hilly/Remote/Difficult Area

Working with tribal community, in remote areas where no/less transport, electricity and basic amenities are available, difficult areas such as travelling by foot/boat for long distance to reach people for providing service. *In the absence of certified copy of competent authority, place of posting will be considered.*

नर्सों के लिए राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार

National Florence Nightingale Awards for Nurses

2020

INDIAN NURSING COUNCIL

a statutory body under the

Ministry of Health and Family Welfare, Government of India, New Delhi

8th Floor, NBCC Centre, Plot No. 2, Community Centre, Okhla Phase-1, New Delhi-110020

NATIONAL FLORENCE NIGHTINGALE AWARDS-2020

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE GOVERNMENT OF INDIA, NEW DELHI